



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]
No. 15]

नई दिल्ली, शनिवार, जून, 30, 1973 (आषाढ़ 9, 1895)
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 30, 1973 (ASADHA 9, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जून 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पण्डित को राष्ट्रपति द्वारा 3-5-73 से 2-8-73 तक 3 महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० रैड्डी को राष्ट्रपति द्वारा, 18-5-73 से 17-8-73 तक 3 महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एम० बी० वेंकटरमन को राष्ट्रपति द्वारा, 18-5-73 से 17-8-73 की 3 महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

1-126GI/73

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री सी० आर० आनन्द को राष्ट्रपति द्वारा, 3-5-1973 से 2-8-1973 तक 3 महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, दोनों में से जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एन० बी० माथुर,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1973

सं० सी०-20/65-प्रशासन-5—कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में अवर सचिव के रूप में पदोन्नति हो जाने के परिणाम स्वरूप, श्री चरण दास, अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 28-5-73 के पूर्वोक्त को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

नई दिल्ली-16, दिनांक 15 जून 1973

क० सं० 3-4/73-प्रशासन—श्री हरिश्चन्द्र, जो श्रम और पुन-
स्थापना मंत्रालय (श्रम तथा रोजगार विभाग) में स्थाई सहायक
हैं, को केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (गृह मंत्रालय) में 21 मई, 1973
से प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

श्री हरिश्चन्द्र प्रतिनियुक्ति पर माने जायेंगे और केन्द्रीय
अनुवाद ब्यूरो में प्रशासन अधिकारी के रूप में उनकी नियुक्ति वित्त
मंत्रालय के कार्यालय जापान सं० 10(24)/ई० III/60
दिनांक 4-5-61 (समय समय पर संशोधित) की शर्तों के
अनुसार मानी जायेगी।

गोविन्द मिश्र,
निदेशक

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जून 1973

सं० ओ०-II-882/69-ईस्ट०—50 वर्ष की आयु प्राप्त
होने और सेवा नियुक्ति पूर्व होने के फलस्वरूप श्री मूलचन्द आर०
मोटवानी ने 26 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व
पुलिस महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्य
भार छोड़ा।

उन्हीं को 120 दिन की अर्जित छुट्टी 27-4-73 से 24-8-
73 तक और 500 दिन की अर्ध-औसत वेतन पर छुट्टी 25-8-73
से 6-1-75 तक दी जाती है।

श्री मूलचन्द आर० मोटवानी को 28 अप्रैल, 1973 के
अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त माना जाएगा।

ह० अपठनीय

सहायक निदेशक (प्रशासन)।

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 जून 1973

सं० ई०-38013 (2)/11/73-प्रशासन-I—द्रास्त्रे को
स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० पद्मानाभन्, आई०पी०एम०,
ने दिनांक 8 जून, 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा
बल, नई दिल्ली, की 14वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्य-
भार छोड़ दिया।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक।

कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-11, दिनांक 12 जून 1973

सं० 25/82/72-आर०जी० (ए०डी०-I)—राष्ट्रपति, श्री
पी० एल० सोंधी, आई०ए०एस०, पंजाब के जनगणना निदेशक
एवं पदेन जनगणना अधीक्षक के सेवा को दिनांक 1 जनवरी,
1973 के पूर्वाह्न से पंजाब सरकार के सुपुर्द सवर्ष वापस करते
हैं।

राष्ट्रपति ने यह भी सवर्ष निर्णय किया है कि उपरोक्त दिनांक
से अगले आदेश प्रेषित होने तक पंजाब सरकार के अन्तर्गत अपने
सामान्य कार्यभार के अतिरिक्त श्री पी० एल० सोन्धी पंजाब
के जनगणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधीक्षक के पद पर
पदेन रूप से कार्य करेंगे।

रा० भ० चारी,
भारत के उप-महापंजीकार एवं पदेन
उप सचिव

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1973

सं० एस (44) ए-III/ए-II—श्री जोगिन्दर सिंह, ओवरसियर
को भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद में 20-3-73
(पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक
(तक०) नियुक्त किया गया।

श०म० जम्भोलकर
मुद्रण निदेशक

महालेखाकार का कार्यालय,

रांची, दिनांक 6 जून 1973

सं० ओ०ई०-1-ओडो०-873—महालेखाकार बिहार अपने
कार्यालय के श्री सत्यवन मंडल मौलिक अनुभाग अधिकारी को इसी
कार्यालय में दिनांक 4 मई, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश
होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में प्रोन्नत करते
हैं।

सं० ओ०ई०-1-ओडो०-894—महालेखाकार बिहार अपने
कार्यालय के श्री राम स्वार्थ लाल, मौलिक अनुभाग अधिकारी
को इसी कार्यालय में दिनांक 4-5-73 के अपराह्न से अगले
आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में प्रोन्नत
करते हैं।

दिनांक 8 जून 1973

सं० ओ०ई०-1-ओडो०-950—महालेखाकार बिहार अपने
कार्यालय के श्री प्रभु राम मौलिक अनुभाग अधिकारी को इसी
कार्यालय में दिनांक 4 मई, 1973 के अपराह्न से अगले आदेश
होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में प्रोन्नत करते
हैं।

एन० पी० हरन्,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०), बिहार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नयी दिल्ली, दिनांक 7 जून 1973

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए०:—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्हित कर दिया जायेगा।

क्रम सं०	रोस्टर सं० सहित नाम	ग्रेड	58 वर्ष की आयु प्राप्ति की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
सर्व श्री/-				
1.	सी० पी० सी० थारामन (O/236)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	6-8-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना)
2.	टी० एस० रामास्वामी (O/210)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	9-8-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण
3.	बी० सेथुरामन (पी०/21)	स्थायी लेखा अधिकारी	1-12-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण

श्री बी० सेथुरामन को तीन दिन 4 जून, 1973 से 6 जून, 1973 की अर्जित छुट्टी और 177 दिन 7 जून 1973 से 30 नवम्बर, 1973, की अर्द्ध वेतन की छुट्टी 3 जून, 1973 (रविवार) को पहले जोड़ने की अनुमति सहित सेवा निवृत्ति पूर्व मंजूर की गई है।

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए०:—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी लेखा अधिकारियों के उनके नामों के सामने लिखी तारीखों को हुए निधन को बड़े खेद के साथ अधिसूचित करते हैं।

क्रम संख्या	रोस्टर सं० सहित नाम	निधन की तारीख	संगठन
1.	श्री बी० बी० सीतापतिराम (पी०-510)	24-5-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना
2.	श्री एल० कृष्णमूर्थी (पी०/188)	28-5-1973	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर)

तदनुसार उनके नाम विभाग की नफरी से अगले दिन के पूर्वाह्न से निकाल दिये गये हैं।

दिनांक 8 जून 1973

सं० 68019(1)/73-प्रशा० ए०:—रक्षा लेखा महा नियंत्रक रक्षा लेखा विभाग के श्री जे० के० सहसराबुधे स्थायी लेखाकार [वित्त मंत्रालय (रक्षा) में प्रति नियुक्ति पर] को स्थानापन्न लेखा अधिकारी सं० 590-30-830-35-900 के वेतन मान में, 21 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से आगामी आदेश पर्यन्त अनुक्रम नियम के अधीन नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जून 1973

सं० 40011(2)/73-प्रशा० ए०:—सिविल सेवा विनियमावली भाग 1 के अनुच्छेद 459 (i) के प्रावधानों के अन्तर्गत रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) के संगठन में सेवा रत श्री हरबंसराज झट्टा स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/261) द्वारा दिया गया स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त का नोटिस रक्षा लेखा महा नियंत्रक द्वारा मंजूर कर लिये जाने पर श्री हरबंसराज झट्टा को 1 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्हित कर दिया जायेगा।

श्री छट्टी को 1-5-1973 से 31-7-1973 तक सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है जोकि नोटिस के अवधि के साथ-साथ चलेगी।

सं० 40011(2)/73/प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) के संगठन के श्री पी० एस० पटवर्धन स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० बी०/217) को 16-4-1973 से 8-5-1973 (दोनों दिनों सहित) तक सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी मंजूर की गई थी।

उपरोक्त छुट्टी की समाप्ति पर श्री 8 पटवर्धन 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर 9 मई 1973 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिये गये थे।

इस कार्यालय की संम संख्याक अधिसूचना दिनांक 21-2-1973 की मद 7 एतद्वारा रद्द की जाती है मद संख्या 8 ए० 9 और 10 को क्रम से पुनः क्रम संख्या 7, 8 और 9 कर दें।

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए०—सिविल सेवा वि-नियमावली जिल्द-1 के अनुच्छेद 459 (i) के प्रावधानों

सं० 30011(1)/73/प्रशासन-ए०—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी लेखाकारों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से अगले आदेश पर्यन्त लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं।

के अन्तर्गत स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्ति का नोटिस दिये जाने पर और उसे रक्षा लेखा महा नियंत्रक द्वारा स्वीकृत कर लिये जाने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान के संगठन के श्री तीरथ राम कटारिया स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/24) को 11 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर लिया जायेगा।

श्री कटारिया को 60 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी 13-7-1973 से 10-9-1973 तक मंजूर की गई है।

सं० 40011(2)/73/प्रशा०-ए०—31 अक्तूबर, 1973 पूर्वाह्न से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्ति होने की अनुज्ञा दे दिये जाने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) के संगठन के श्री बिस्वारंजन कार स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/475) को उपरोक्त तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा।

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत हैं	तारीख
1	2	3	4
सर्व श्री/-			
1. आर० एन० मल्होत्रा	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) (कलकत्ता)	30-1-1973 पूर्वाह्न
2. डी० आर० रामदासी	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	29-1-1973 पूर्वाह्न
3. पी० बी० भट्टाचार्य	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता	29-1-1973 पूर्वाह्न
4. एन० गोपालास्वामी	.	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	27-2-1973 पूर्वाह्न
5. बीरू राम काकड़ा	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर मेरठ	30-4-1973 पूर्वाह्न
6. एम० सी० कमलापुरकर	.	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	30-1-1973 पूर्वाह्न
7. आर० एस० वैकेंटरमन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण मद्रास	26-3-1973 पूर्वाह्न
8. कुसुम कुमार जेतली	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	26-3-1973 पूर्वाह्न
9. एम० के० डाबिर	.	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	26-3-1973 पूर्वाह्न
10. बी० सुब्बाराव	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	26-3-1973 पूर्वाह्न
11. ओ०एस० दौरायराजन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	30-3-1973 पूर्वाह्न
12. निर्मल सिंह	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	26-3-1973 पूर्वाह्न
13. गुबकश राय	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर, मेरठ	26-3-1973 पूर्वाह्न
14. डी० एल० दत्ता	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता	26-3-1973 पूर्वाह्न
15. एस० के० बोस	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता	26-3-1973 पूर्वाह्न
16. तारा चन्द भाटिया	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	2-4-1973 पूर्वाह्न
17. एस० के० गुरु स्वामी	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना	26-3-1973 पूर्वाह्न
18. बी० गोपालन	.	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	26-4-1973 पूर्वाह्न
19. के० बलाकृष्णन नायर	.	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	26-3-1973 पूर्वाह्न

1	2	3	4
	सर्वश्री/-		
20.	आर० के० रैना	रक्षा लेखा नियंत्रक जम्मू	11-5-1973 पूर्वाह्न
21.	बी नारायण स्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	26-3-1973 पूर्वाह्न
22.	वी० जी० मुंघेकर	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता	29-3-1973 पूर्वाह्न
23.	किशोरी लाल जैन	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) कलकत्ता	16-4-1973 पूर्वाह्न
24.	पी० रमानी	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) वल्लिण मद्रास	16-4-1973 पूर्वाह्न
25.	सोहन लाल धवन	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर मेरठ	17-4-1973 पूर्वाह्न
26.	डब्ल्यू० डी० नांगिरया	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	16-4-1973 पूर्वाह्न
27.	राम सरन दास भाटिया	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर मेरठ	17-4-1973 पूर्वाह्न
28.	डी० बी० रामा शास्त्री	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	4-5-1973 पूर्वाह्न
29.	गुरचरन सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर मेरठ	19-4-1973 पूर्वाह्न
30.	ए० एस० मुड्डि बिहाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) उत्तर मेरठ	25-4-1973 पूर्वाह्न
31.	धरम पाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	21-5-1973 पूर्वाह्न
32.	एम० आर० धवन	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) मेरठ	21-5-1973 पूर्वाह्न
33.	पी० बी० पाल	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना	21-5-1973 पूर्वाह्न

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक,
(प्रशासन)

महानिदेशालय, आर्डिनेंस फैक्टरियां,
भारतीय आर्डिनेंस फैक्टरियां सेवा
कलकत्ता, दिनांक 7 जून 1973

सं० 22/73/जी:—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर,
श्री के० के० भट्टाचार्य स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक डी०
ए० डी० जी०/डी० एम०) दिनांक 1 फरवरी, 1972 से सेवा
निवृत्त हुए।

सं० 23/73/जी०:—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर,
श्री एस० सी० राय, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक
फोरमैन) दिनांक 3 फरवरी, 1973 से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 24/73/जी०:—राष्ट्रपति ने श्री आई० एन० खुल्लर,
स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक फोरमैन) को दिनांक
14 अक्टूबर, 1972 से एक वर्ष की अवधि के लिए सेवा
वृद्धि स्वीकृत की है।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डिनेंस फैक्टरियां

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून दिनांक 16 जून 1973

सं० सी०-4655/718-बी०:—श्री डी० एन० हरनाल,
बजट एवं लेखाधिकारी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून
जिन्होंने कार्यालय नियंत्रक सैन्य लेखा, पश्चिमी कमान, मेरठ से स्थानान्तरित होने पर इस कार्यालय की अधि-
सूचना संख्या ई/3952/पी० एफ० (डी० एन० हरनाल) दिनांक
28-4-70 के अधीन दिनांक 20 जनवरी, 1970 के पूर्वाह्न
को महासर्वेक्षक के कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया, की
प्रतिनियुक्ति की अवधि वर्तमान निबन्धन एवं शर्तों के
अनुसार दिनांक 1 जुलाई, 1973 से 31 दिसम्बर, 1973
तक बढ़ा दी जाती है।

हरि नारायण,
महासर्वेक्षक भारत

आकाशवाणी सहायिदेशालय

दिनांक 16 जन, 1973

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जून 1973

सं० 4/7/65-एस०एकः—श्री एस० सी० गर्ग की भारतीय फिल्म और दूरदर्शन संस्थान, पूना के दूरदर्शन प्रशिक्षण केन्द्र में, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, प्रस्तुति-अनुदेशक (प्रोडक्शन इंस्ट्रक्टर) के रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति होने के परिणामस्वरूप उन्होंने 10 मई, 1973 के अपराह्न में दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली में कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव) के अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

गं 6/7/33 एस० एकः—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री योगेन्द्र वर्मा, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, ग्वालियर को 11 दिसम्बर, 1972 से 5 अप्रैल, 1973 तक, उसी केन्द्र पर श्री एस० पी० माथुर, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, ग्वालियर, जो छुट्टी पर, के स्थान पर तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

(शान्ति जाल),
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1973

सं० 2/4/72-एस०तीनः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से अग्रोत्तर आदेशों तक उनके नामों के सामने लिखे केन्द्रों/कार्यालयों पर तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के रूप में पदोन्नत करते हैं :—

क्रम सं०	वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक का नाम	वर्तमान तैनाती	उस केन्द्र/कार्यालय का नाम जहाँ सहायक इंजीनियर के रूप में पदोन्नत किए गए	सहायक इंजीनियर के रूप में नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री एस० बी० वेदान्ताचार	दूरदर्शन केन्द्र आकाशवाणी, नई दिल्ली	दूरदर्शन केन्द्र आकाशवाणी नई दिल्ली	10-1-73
2.	श्री पी० सी० चक्रवर्ती	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी किंगज्वे	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी अमृतसर	11-1-73
3.	श्री जितेन्द्र कुमार	आकाशवाणी, इलाहाबाद	आकाशवाणी, इलाहाबाद	27-1-73
4.	श्री ए० के० डे०	आकाशवाणी, रांची	क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व), का कार्यालय, आकाशवाणी कलकत्ता	20-3-73
5.	जे० बी० सिंह	आकाशवाणी, इम्फाल	आकाशवाणी, इम्फाल	26-2-73
6.	श्री जे० सी० अग्रवाल	आकाशवाणी, नई दिल्ली	अनुसंधान इंजीनियर, का कार्यालय, आकाशवाणी नई दिल्ली	13-3-73
7.	श्री जे० सत्यनारायण	आकाशवाणी, परमानी	विविध भारतीय सेवा, आकाशवाणी, बम्बई	7-5-73
8.	श्री ए० विश्वनाथ	आकाशवाणी, बंगलौर	आकाशवाणी, अलेपी	30-3-73
9.	श्री सुखदेव सिंह लाल	आकाशवाणी, उदयपुर	क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर) का कार्यालय, आकाशवाणी, नई दिल्ली	9-4-73
10.	श्री एम० आर० नागराज	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, मलाड, बम्बई	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, मलाड, बम्बई	26-2-73

हरि बाबू कंसन,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून, 1973

सं० ए०-35017/1/73-सि०नि०-1-महानिदेशक, आर्किटेक्चरणी, केन्द्रीय मंडल, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, चण्डीगढ़ के कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) श्री डी० सी० दूबे को आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध में सहायक इंजीनियर (सिविल) (सं० 350-900) के रूप में नियुक्त करते हैं और दिनांक 16-5-73 से प्रथमतः एक वर्ष की प्रतिनियुक्ति (डेप्युटेशन) पर उन्हें डिबीजनल आफिस, कलकत्ता में सहायक इंजीनियर (सिविल) सिलीगुड़ी के रूप में तैनात करते हैं।

जे० जे० तोसानी,
मुख्य इंजीनियर के इंजीनियरी अधिकारी
(सिविल)
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1973

सं० 29-43/73-सी० एच० एस०-I-स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्द्वारा (डा० कुमारी) कंवलजीत कौर को 25 मई, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जून 1973

सं० 29-41/73-सी०एच०एस०-I-स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद् द्वारा डा० जे० के० पुरोहित को 22 मई, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 जून, 1973

सं० 48-2/73सी०एच०एस०-I-केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा की जनरल ड्यूटी अधिकारी ग्रेड-2 डा० (श्रीमती) जयन्ती खांडपुर ने स्थानान्तरित होने पर 27 अप्रैल, 1973 अपराह्न में जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (प्रसव पूर्व) के पद का कार्यभार त्याग दिया और 9 मई, 1973 को पूर्वाह्न में केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

शिव चन्द्र कुमार
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1973

सं० 36-1/70-एडमिन-I-इण्डियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली में अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री आर० महालिंगम ने 5 मई, 1973 पूर्वाह्न को विलिंग्डन अस्पताल और परिषदांगुह, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पदका कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6-14/71-एडमिन-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, गौहाटी के स्टोर अधीक्षक श्री ए० के० चक्रवर्ती को 14 मई, 1973 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में स्टोर अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 34-5/71-एडमिन-I-श्री जे० सी० दत्त ने अपने मूल संवर्ग (काडर) में परावर्तन होने पर सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में 13 अप्रैल, 1973 को पूर्वाह्न में प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया वे उसी दिन से 90 दिन की छुट्टी पर चले गये हैं।

सं० 6-6/73-एडमिन-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री के० आर० आहूजा को 21 मई, 1973 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 11-2/73-एडमिन-I-राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री राम किशन को 1 मार्च, 1973 पूर्वाह्न से 16 मार्च 1973 अपराह्न तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति जी ने श्री राम किशन को उपर्युक्त अवधि के लिये स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

राजेन्द्र नारायण सक्सेना,
उप-निदेशक प्रशासन।

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

प्रशासन शाखा-I

नई दिल्ली दिनांक 7 जून 1973

सं० प्र-1/1(548)-महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा उप-महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में श्री एम० एम० दा गोदी निरीक्षक को दिनांक 18 मई, 1973 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय, कलकत्ता में सहायक निदेशक (पूर्ति ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। सहायक निदेशक ग्रेड II के पद पर श्री दा गोदी की नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर और उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा दायर वीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

सं० प्र-1/1(907)-महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में प्राक्कलक श्री रामचन्द्र एच० असनानी को दिनांक 18 मई, 1973 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री असनानी की सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर और दिल्ली न्यायालय

में श्री एम० कुपुस्वामी द्वारा दायर बीबानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन है।

दिनांक 8 जून 1973

सं० प्र०-1/1(631)—निरीक्षण निदेशक मंत्रालय के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड II श्री यू० एम० मेनन, दिनांक 20-3-1973 (अपराह्न) से निवृत्त अर्थात् 58 वर्ष की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

त० वे० अनन्तनारायणन
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1973

सं० प्र-6/57(8)/58-VII—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारियों (धातु) रसायन को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से सहायक निरीक्षण अधिकारी धातु रसायन के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	स्थायी होने की तारीख
1.	श्री एम० के० घोष	27-10-1969
2.	श्री मुहम्मद शाहजहान	23-12-1969
3.	श्री पी० सी० गुहा राय	23-12-1969
4.	श्री पी० सी० घोष	23-12-1969
5.	श्री बी० एन० राय चौधरी	23-12-1969
6.	श्री आर० एन० दास गुप्ता	15-7-1971
7.	श्री डी० एन० तनेजा	15-7-1971

विद्या सागर,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

श्रम एवं नियोजन मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 8 जून 1973.

सं० पत्रांक-प्र० 13(128)71—डा० समरजीत भट्टाचार्य कनिष्ठ चिकित्साधिकारी, केन्द्रीय चिकित्सालय आसनसोल का पद त्याग स्वीकृत होने पर उन्होंने दिनांक 6 जनवरी, 1972 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार छोड़ा।

राजेश्वर प्रसाद सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1973

सं० 2(11)/71-सि० (प्रथम)—श्री के० बी० नैयर सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (कोटि प्रथम) श्रेणी द्वितीय (राज-पत्रित) (अलिपिक वर्गीय) विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि विभाग में अपने पद पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 रुपये के वेतनमान में 30 अप्रैल, 1973 के बाद से 2 जून, 1973 तक श्री बी० डी० कपूर की छुट्टी चले जाने के फलस्वरूप उनके रिक्त स्थान पर श्री एस० के० एस० धारीवाल के प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्ति होने के फलस्वरूप तदर्थ रूप से स्थानापन्न बने रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त,
प्रशासन निदेशक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता, दिनांक 11 जून 1973

सं०-बी०एस०आई०-66/76/73-सिद्धिदी—संघ लोक सेवा आयोग के सिफारिश के अनुसार श्री पी० के० हाजरा, वैज्ञानिक सहायक पूर्वी क्षेत्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग, को नियुक्ति वैज्ञानिक के रूप में वेतनमान रु० 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800 में पूर्वी क्षेत्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग, शिलांग में अस्थायी रूप से 16-5-73 (पूर्वाह्न) से आगामी आवेश जारी होने तक किया जाता है।

एस० एन० मिश्र,
उप-निदेशक-अभारी

राष्ट्रीय एटलस संस्था

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

कलकत्ता-19, दिनांक 5 जून 1973

सं० 29-12/72-स्था०—श्री एन० पी० मेशराम, क्षेत्र अधिकारी 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई०बी०-30-830-35-900 वेतन मान पर राष्ट्रीय एटलस संस्था में वैज्ञानिक अधिकारी (श्रेणी II) के पद पर आगे आजा होने तक 2 जून, 1973 पूर्वाह्न से तदर्थ रूप से नियुक्त किये जाते हैं।

एस० दासगुप्त,
निदेशक

निर्माण एवं आवास मंत्रालय

नगर एवं ग्राम आयोजन संगठन

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1973

सं० एक० 1-8/65-टी०सी०पी० (प्रशासन)—श्री एम० एच० त्रिवेदी सहायक इंजीनियर को अफगानिस्तान सरकार ने इंजीनियर

के पद पर नियुक्त किया। इस पद को ग्रहण करने के लिये उन्होंने नगर एवं ग्राम आयोजन संगठन के पद सहायक इंजीनियर को दिनांक 26 अप्रैल, 1973 को छोड़ दिया है।

आर० के० धीर,
प्रशासनिक अधिकारी

**केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग
(विद्युत स्कंध)**

नई दिल्ली-22, दिनांक 8 जून 1973

सं० 6(1)-73-प्रशा०-2 (वि० स्क०)---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री पी० एन० मेहता पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-दो) सेवा में, सहायक अभियंता के पद पर 7 अप्रैल, 1973 के अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाटक,
अवर सचिव

(जल स्कंध)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 14 जून 1973

सं० क-19012/398/73-प्रशासन-5--- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री आर० डी० एस० यादव अस्थाई पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न होने के लिए नितांत अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें दिनांक 16-4-73 पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर तदर्थ रूप में कार्य करते हुये पर्यवेक्षक के ग्रेड वेतन तथा 10 प्रतिशत भत्ता पाने का हक होगा।

श्री आर० डी० एस० यादव ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग, गोहाटी, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में सहायक इंजीनियर का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 16 जून 1973

सं० क-19012/284/72-प्रशासन-5---संघ लोक सेवा आयोग द्वारा केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर चयन के फलस्वरूप श्री जे० जी० दीक्षित ने 19 मई, 1973 के अपराह्न से केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

2-126GI/73

भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 5 जून 1973

सं० एफ० 92-29-73-स्थापना---भारतीय प्राणि-विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के दार्शन क्षेत्रीय केन्द्र, मद्रास के श्री बी० पी० हल्दार, सीनियर जुलोजिकल असिस्टेंट को उसी क्षेत्रीय केन्द्र में असिस्टेंट जुलोजिस्ट (द्वितीय श्रेणी, राजपत्रित) के पद पर दिनांक 21 मई, 1973 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक अस्थाई आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 15 जून 1973

सं० एफ० 70-7-71-सामान्य श्री पी० के० घोष, कार्यालय अधीक्षक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग, के जूनियर प्रशासन अधिकारी के पद पर भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में 19 जून, 1973 अपराह्न आगामी आदेश तक, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० एफ० 70-2-71-सामान्य---भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग के निम्नलिखित, सीनियर जुलोजिकल असिस्टेंट्स को असिस्टेंट जुलोजिस्ट के पद पर, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में प्रत्येक को उनके नामों के सामने निर्दिष्ट तिथियों से आगामी आदेशों तक, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

- | | |
|-------------------------|---------------------|
| 1. श्री बी० सी० साहा | 11-6-73 (अपराह्न) |
| 2. श्री के० सी० बासु | 11-6-73 (अपराह्न) |
| 3. श्री आर० के० घोष (1) | 11-6-73 (अपराह्न) |
| 4. श्री समीर सेन | 11-6-73 (अपराह्न) |
| 5. श्री सुमीत गुप्ता | 12-6-73 (पूर्वाह्न) |

डा० ए० पी० कपूर,
निदेशक,
भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण
विभाग

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-400085, दिनांक 21 मई 1973

सं० पी० ए०/81(10)/73-आर०-4---निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री मोहनलाल विठ्ठलदास भावसार को जो भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, के अस्थायी फोरमैन हैं, इस अनुसंधान केन्द्र में 1 फरवरी, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड (एस०बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 मई 1973

सं० पी० ए०/81(65)/आर०-4---निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री जगदीश विष्णु साठम, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक सहायक-सी को इसी अनुसंधान केन्द्र में फरवरी 1, 1973 के अपराह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञा-

निक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एम० बी० स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(71)/72-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री रमेश शामराव कोठारे, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक-सी को इसी अनुसंधान केन्द्र में नवंबर 1, 1972 के अपराह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एम० बी० स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री प० म्हाले,
उप प्रस्थापन अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

चिगलपुट, दिनांक 18 मई 1973

सं० एम०ए०पी०पी०/3 (149)/67-प्रशासन-424—मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च-श्रेणी-लिपिक तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न मंडारी श्री के० मुधाकरन पिल्ले को इस परियोजना में 5 मई, 1973 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से सहायक मंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जे० एल० नरसिंहम,
प्रशासन अधिकारी

सिविल इंजीनियरी वर्ग

चिगलपुट, दिनांक 26 मई 1973

सं० 1(1)/73-भर्ती/पी०-6483/391—परमाणु ऊर्जा विभाग की कलपक्कम स्थित परियोजनाओं के प्रमुख इंजीनियर (सिविल) उन परियोजनाओं के सिविल इंजीनियरी वर्ग के निम्न-लिखित स्थायीवत् पदों के लिये 1 फरवरी, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से विज्ञान-अधिकारी इंजीनियर-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

1. श्री पी० बी० कुमारन
2. श्री आर० पञ्चनाभन
3. श्री एच० आर० रामप्रसाद
4. श्री आर० साम्बशिवम्
5. श्री वी० गणेशन

वी० एस० वेंकटेश्वरन
प्रशासन तथा लेखा अधिकारी

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 1 जून 1973

सं० पी०पी०ई०डी०/3 (130)/73-प्रशासन-7951-392 विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग बम्बई के निदेशक, गुजरात के महालेखापाल के कार्यालय के एस० ए० एस० लेखापाल श्री आर०

गधाकृष्णन, जो इस समय इस प्रभाग में लेखापाल के पद पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, को 29 मई, 1973 से आगामी आदेश तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक लेखा-अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

भारी पानी परियोजना

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1973

सं० 05000/वी/14/4948/402—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर (ग्रेड एम बी) श्री एच० के० वेंकटरमण को भारी पानी परियोजना (तृतीकरण) में अस्थायी रूप से उसी पद पर उसी ग्रेड में 9 मई, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 05000/कि०/36/4949/403—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (ग्रेड एस० बी०) श्री एम० वी० कृष्णस्वामी को भारी पानी परियोजना (तृतीकरण) में अस्थायी रूप से उसी पद पर उसी ग्रेड में 30 मई, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 05000/कि०/35/4947/404—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (ग्रेड एस० बी०) श्री एम० एस० कृष्णमूर्ति को भारी पानी परियोजना (तृतीकरण) में अस्थायी रूप से उसी पद पर उसी ग्रेड में 28 मई 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 15 जून 1973

सं० ई० (1)05549—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एन० के० भाटिया, व्यवसायिक सहायक को 3 मई, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एन० के० भाटिया, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05617—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री जी० एम० जैन, व्यवसायिक सहायक को 5 मई, 1973 के अपराह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री जी० एम० जैन, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालासुब्रामनियन
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1973

सं० ए० 33023/1/72-ई०ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों (प्रशिक्षणार्थियों) को अगले आदेश जारी होने तक उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमानक्षेत्र संगठन में रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-830-35-900 रु० के वेतनमान में सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, श्रेणी II राजपत्रित के पद पर नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	स्टेशन	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
1.	श्री एम० एस० सिधु	पालम	8-5-73
2.	श्री ए० साहा	पालम	8-5-73
3.	श्री एस० सी० हरिया	पालम	8-5-73
4.	श्री रणजीत कुमार	पालम	8-5-73
5.	श्री एस० रैना	सांताक्रुज	9-5-73
6.	श्री बी एन० जैसिम्हा	सांताक्रुज	9-5-73
7.	श्री यू० बी० थोंगदी	सांताक्रुज	9-5-73
8.	श्री वी० एस० मुलेकर	सांताक्रुज	9-5-73
9.	श्री आर० एस० रायकर	सांताक्रुज	11-5-73
10.	श्री जी० एस० गणेशन	मद्रास	9-5-73
11.	श्री जी० के० बर्मा	दम दम	8-5-73
		(अपराह्न)	
12.	श्री एम० वैकटरामन	दम दम	8-5-73
		(अपराह्न)	
13.	श्री पी० शर्मा	दम दम	17-5-73
14.	श्री जे० के० बर्मन	दम दम	29-5-73
15.	श्री जे० एस० खुराना	सांताक्रुज	29-5-73
16.	श्री वी० के० जोशी	सांताक्रुज	29-5-73
17.	श्री एस० एस० पराटे	सांताक्रुज	29-5-73
18.	श्री एच० आर० जोशी	सांताक्रुज	29-5-73
19.	श्री बी० शाह	सांताक्रुज	29-5-73

1	2	3	4
20.	श्री आर० एस० देसवाल	पालम	29-5-73
21.	श्री पी० मोहरी	पालम	29-5-73
22.	श्री एच० पी० मलिक	पालम	29-5-73
23.	श्री डी० कुप्पन	मद्रास	29-5-73

सुरजीत लाल खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 11 जून 1973

सं० 2-21/73-स्थापना-1—अध्यक्ष, दिल्ली दुग्ध योजना, श्री मिटठू लाल, सहायक सुरक्षा अधिकारी, दिल्ली दुग्ध योजना को उनके स्वयं के पद के कार्यभार के अतिरिक्त, 13-3-72 से 25-5-72 तक सुरक्षा अधिकारी के पद का कार्यभार संभालने के लिए उनकी इस पद पर नियुक्ति करते हैं।

एम० पी० खोसला
उप-महाप्रबन्धक (प्रशा०)

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-12, दिनांक 13 जून, 1973

सं० 5/1973—स्थानांतरण होने पर सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, कलकत्ता के श्री एन० श्रीरामधरिया सहायक रसायन परीक्षक ने दिनांक 11 मई, 1973 के अपराह्न से सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, मद्रास में उसी क्षमता से श्री एम० के० रंगानाथन सहायक रसायन परीक्षक के रसायन परीक्षक ग्रेड 2 के पदोन्नति होने पर उनकी जगह पर सहायक रसायन परीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

वे० सा० रामनाथन,
मुख्य रसायनज्ञ
केन्द्रीय राजस्व

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1973

सं० 724-ई०/822-II(ई०/ए०)—श्री एन० एन० कोहली, सहायक वाणिज्य अधिकारी (वापसी) उ० रे०, 14 मई, 1973 अपराह्न से रेल सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं :—

सी० एस० परमेश्वरन
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर परिषद्

शिलांग-3, दिनांक 18 मई 1973

सं० एन० ई०सी० 9 (72)—महालेखाकार असम, मेघालय, नागालैण्ड इत्यादि शिलांग द्वारा छुट्टी की स्वीकार्यता संबंधी प्रमाणपत्र दिए जाने पर, श्री ई० एस० के० रामन, अनुभाग अधिकारी, पूर्वोत्तर परिषद् शिलांग को 18-5-73 से 2-6-73 तक 16 दिन की अर्जित छुट्टी स्वीकार की जाती है जिसमें 17-5-73 की छुट्टी का दिन छुट्टी से पहले तथा 3-6-73 का रविवार का दिन छुट्टी के बाद जोड़ने की भी अनुमति दी जाती है। यह प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री रामन छुट्टी पर न जाते तो वह अनुभाग अधिकारी, पूर्वोत्तर परिषद्, के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहते।

डी० के० भट्टाचार्य
सचिव
पूर्वोत्तर परिषद्
शिलांग

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्ता

बड़ौदा, दिनांक 21 मई 1973

सं० 3/1973—निम्नलिखित निरीक्षकों (एस० जी०) ने, जो इस कार्यालय सिब्वंदी आदेश सख्या 55/1973, दिनांक 19-4-73 के अधीन, स्थानापन्न रूप से, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी II नियुक्त किये गये थे। (इन्होंने) प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति	तिथि से कार्यभार सम्भाला
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	वी० एल० पुनेकर	मुख्यालय, बड़ौदा	19-4-73 (अपराह्न)
2.	एन० बी० जोटवानी	मुख्यालय, बड़ौदा	19-4-73 (अपराह्न)
3.	एम० सी० देसाई	आई०डी०ओ० आनन्द	19-4-73 (अपराह्न)
4.	एन० आई० महेता	मुख्यालय, बड़ौदा	19-4-73 (अपराह्न)
5.	आर० सी० पटेल	डी० सी० अहम- दाबाद (बड़ौदा कलेक्टो- रेट)	19-4-73 (अपराह्न)
6.	बी० ए० रामली	मुख्यालय, अहमदा- बाद, अहमदाबाद कलेक्टोरेट	19-4-73 (अपराह्न)
7.	जी० टी० छाबरिया	आई०डी०ओ० वीरमगांव	19-4-73 (अपराह्न)
8.	एस० एच० सीन्डे	मुख्यालय, बड़ौदा	19-4-73 (अपराह्न)

1	2	3	4
9.	जी० पी० जाला	आई०डी०ओ० बड़ौदा मंडल-II	19-4-73 (अपराह्न)
10.	आई० एच० महेता	आई०डी०ओ० अहमदाबाद, मण्डल-II	19-4-73 (अपराह्न)
11.	एन० बी० चोकसी	सीमा शुल्क मंडल, बलसार	19-4-73 (अपराह्न)
12.	एम० ए० काने	आई०डी०ओ० नडीयाद	19-4-73 (अपराह्न)
13.	एम० बी० दवे	आई०डी०ओ० वीरमगांव	19-4-73 (अपराह्न)
14.	अब्दुल हक मोहमद मुसा	आई०डी०ओ० आनन्द	19-4-73 (अपराह्न)
15.	एम० ए० पटेल	आई०डी०ओ० जामनगर	21-4-73 (पूर्वाह्न)
16.	एस० डी० कोरपे	मुख्यालय, बड़ौदा	19-4-73 (अपराह्न)
17.	वी० एम० शाह	आई०डी०ओ० आनन्द	19-4-73 (अपराह्न)
18.	सी० ए० वीक्षित	आई०डी०ओ० सूरत	19-4-73 (अपराह्न)
19.	बी० जी० दान्डेकर	आई०डी०ओ० बड़ौदा, मण्डल-I	19-4-73 (अपराह्न)

डी० एन० लाल
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बड़ौदा

नागपुर, दिनांक 8 जून 1973

सं० 8/73—इस समाहर्ता क्षेत्र के निम्नलिखित स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षकों ने, उनके स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, सहायक प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी II के पद पर नियुक्त होने पर, नीचे लिखे अनुसार प्रशासनिक अधिकारी/सहायक प्रमुख लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रम संख्या	अधिकारी का नाम	नियुक्ति स्थान	कार्यभार संभालने की तिथि
1	2	3	4
1.	श्री एम० एल० शर्मा	प्रशासनिक अधि- कारी (मुख्या०) के० उ० शु० नागपुर।	15-5-73 (अपराह्न)

1	2	3	4
2.	श्री व्ही० एम० भोजराज	सहायक प्रमुख लेखा अधिकारी के० उ० शु० नागपुर	16-5-73 (पूर्वाह्न)
3.	श्री के० व्ही० धत्ते	प्रशासनिक अधिकारी के० उ० शु० ए० प्र० नागपुर ।	21-5-73 (पूर्वाह्न)
4.	एम० सी० काजी	प्रशासनिक अधि- कारी के० उ० शु० ए० प्र० जबलपुर	24-5-73 (पूर्वाह्न)

आर० एन० शुक्ला,
समाहर्ता

कानपुर, दिनांक 15 जून 1973

स्थापना आदेश सं० 1/ए/128/73—इस समय अधीक्षक (प्रावि०), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विधीजन, आगरा में पदस्थापित श्रीमती निशा मल्होत्रा, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी I को, स्थापना आदेश सं० ए०/ए०/295/72 दिनांक 19-11-72 के अधीन 18-10-72 3 माह की स्वीकृत प्रसूति छुट्टी जिसमें से उन्होंने केवल 18-10-72 से 19-12-72 तक 63 दिनों की छुट्टी का उपयोग किया, के तारतम्य में दिनांक 20-12-72 से 31-1-73 तक का उपाजित अवकाश इस शर्त के अधीन स्वीकृत किया जाता है कि अवकाश की ग्राह्यता महालेखाकार, उ० प्र० II, इलाहाबाद द्वारा प्रमाणित कर दी जाती है ।

2. प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती निशा मल्होत्रा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी I उसी पद तथा स्थान पर वापस लौटी जहाँ से वह अवकाश पर गई थी ।

3. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्रीमती निशा मल्होत्रा छुट्टी पर न गई होती तो वे स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी I के रूप में काम करती रही होती ।

ह० अपठनीय
समाहर्ता

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विश्वकर्मा कैतोसिल व्या-
पार यूनियन लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 7 जून 1973

सं० 3280/560/72—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विश्वकर्मा कैतोसिल व्यापार यूनियन लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सरस्वती मोटर ट्रांसपोर्ट
कम्पनी लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 12 जून 1973

सं० 2754/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सरस्वती मोटर ट्रांसपोर्ट कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेलम श्रीकृष्ण परमेश्वरी
बैंक लिमिटेड के विषय में ।

दिनांक 12 जून 1973

सं० 2793/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेलम श्री कृष्ण परमेश्वरी बैंक लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

य० सत्यनारायण
कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार, मद्रास ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मंगलांबिका फाइनेंस कार्पो-
रेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 12 जून 1973

सं० 1699/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मंगलांबिका फैनान्स कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

पी० अन्नपूर्णा,
सहायक कम्पनियों का रजिस्ट्रार, मद्रास ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वैद्यनाथ आयल मिल्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना, दिनांक 1973

सं० 2(570) 73-74/1583—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वैद्यनाथ आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

एस० पी० तयाल,
कम्पनी निबंधक, बिहार, पटना ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स कम्फोर्ट कार्मसियल एण्ड फाइनेंसियल सिन्डीकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

आयकर अपीलीय अधिकरण

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1973

सं० 560/1359—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा, 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स कम्फोर्ट कार्मसियल एण्ड फाइनेंसियल सिन्डीकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दण्डित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स भूपेन्द्र फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1973

सं० 560/1673—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स भूपेन्द्र फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० जी० गाथा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
गुजरात।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ओरिएण्ट डिस्ट्रीब्यूटर्स एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 13 जून 1973

सं० 379/73-755 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स ओरिएण्ट डिस्ट्रीब्यूटर्स एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और उड़ीसा कैमिकल्स एण्ड एम्सोलियरी इन्डस्ट्री प्राइवेट के विषय में।

दिनांक 13 जून 1973

सं० 496/73-756 (5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स उड़ीसा कैमिकल्स एण्ड एम्सोलियरी इन्डस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० गोस्वामी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
उड़ीसा।

बम्बई-20, दिनांक 8 जून 1973

सं० एफ० 48 ए०डी० (ए०टी०)/73—श्री सी० मोसेस, स्थानापन्न अधीक्षक, जो आयकर अपीलीय अधिकरण बम्बई में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किये गये थे और जो सहायक रजिस्ट्रार आयकर, अपीलीय अधिकरण जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 48 ए०डी० (ए०टी०)/72, दिनांक 16 मार्च, 1973 द्वारा 8 मार्च, 1973 अपराह्न से 7 जून 1973 अपराह्न तक तीन माह की कालावधि तक कार्य करने के लिये नियुक्त किये गये थे, उनको 8 जून 1973 से 7 सितम्बर, 1973 तक तीन मास की कालावधि के लिये या इस पद पर संघ सेवा आयोग से चुने हुए अधिकारी की नियमित रूप से नियुक्ति हो जाय जो भी अग्रेतर हो, तब तक आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से काम करते रहने के लिए अनुमति दी जाती है।

हरनाम शंकर,
अध्यक्ष
आयकर अपीलीय अधिकरण

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जुन क्षेत्र
भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-2/इन्वॉर/31-12-72—यतः, मुझे व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 2 है, जो भोहनपुरा सड़क नं० 2 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्वॉर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदनलाल पुत्र श्री वीरचन्द
2. श्री केशरीमल ताराचन्द
3. श्री समरुतमल पुत्र श्री नाथमल
4. श्री ताराचन्द

सभी निवासी मकान नं० 16 शान्ता बाजार इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री हरिश्चन्द्र पुत्र श्री टीकमचन्द नाबालिग द्वारा मरक्षक श्रीमती शान्तीबाई पत्नी श्री टीकम चन्द मालिक अग्रवाल दूध दही भण्डार छोटी ग्वाली टोली इन्दौर। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2, मोहनपुरा।

सड़क नं० 2 इन्दौर।

श्री० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-1973

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र

भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-ख/इन्दौर/15-12-72—यतः मुझे श्री० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है और जिसकी सं० नजर बाग की खुली जगह है, जो पुराना महल मार्केट के पिछे सी-इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना: और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं

किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रिन्सेस उपा ट्रस्ट, माणिक बाग, इन्दौर, (अन्तरक)
2. (1) श्री मिट्ठू नत्थूलाल गोयल, बेयरहाउस रोड इन्दौर।
- (2) श्री भस्मालाल रामदेव, हाथीपाला रोड, इन्दौर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि फॉर्म नं 37-जी संलग्न है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नक्षत्रबाग की खुली जगह पुराने महल के पिछे, लाल सीमा से घिरा है तथा साईट प्लान 'सी' द्वारा अंकित किया गया है।

ह्री० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-6-73।

मोहर :

जो लागू न हो फाट बीजिये।

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र

भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 73.

निर्देश सं० सब-2/इन्दौर/15-1-73—यतः, मुझे व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 2/9 है, जो दक्षिण तुकोगंज सड़क नं० 5 इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कैलाश व्यास पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण व्यास 7/3 स्नेहलता गंज, इन्दौर (अन्तरक)
2. (1) डा० शान्तीस्वरूप पुत्र श्री चननराम (अन्तरिती)
- (2) श्रीमती प्रकाशवती गुप्ता स्त्री श्री शान्ती स्वरूप गुप्ता रेलवे स्टेशन अस्पताल, उज्जैन।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2/9 दक्षिण तुकोगंज।

सड़क नं० 5 इन्दौर।

ह्री० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख 13-6-73।

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र

भोपाल

भोपाल, तारीख 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-र०-इन्दौर-31-1-73—यतः मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी 3-126GI/73

सं० मकान नं० 150 है जो एम० टी० क्लाय माफिट, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती कैलाशवती बाई स्त्री स्व० श्री ब्रिजलाल भाटिया, वास्तविक संरक्षक श्री योगेन्द्र, 14 रेसकोर्स रोड, इन्दौर, (उसका नाबालिग पुत्र)
- (2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री ब्रिजलाल भाटिया, 123-अनुपनगर, इन्दौर।
- (3) श्री राजेन्द्र पुत्र श्री ब्रिजलाल भाटिया, 14-रेसकोर्स रोड, इन्दौर। (अन्तरक)
2. (1) हरीबाई पत्नी श्री पीजोमल 33-जयरामपुरा कालौनी, इन्दौर (अन्तरिती)
- (2) श्रीमती लाजवन्ती बाई पत्नी श्री गोपालदास, 34 काटजू कालौनी, इन्दौर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में

समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :-

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान क्रमांक 150, एम० टी० क्लाय माकट, इन्दौर।

श्री० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख 13-6-73।

मोहर :

* जो लागू न हो उसको काट دیجिये।

प्रारूप आई०टी०एम०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र,
भोपाल

भोपाल दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-इन्दौर-31-12-72—यतः, मुझे श्री० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 51 बी है, जो पकशीकर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-72, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) दयालदास श्री नारायण दास,
(2) श्री श्रीचन्द पुत्र नारायणदास 161, पकशीकर कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)
- (1) श्री किशनचन्द छतरमल,
(2) श्री दौलतराम छतरमल 51-बी, पकशीकर कालोनी, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

(दुमंजलि) मकान क्रं० 51-बी० पकशीकर कालोनी, इन्दौर।

वही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख 13-6-73।

मोहर :

जो लागू न हो काट दीजिए।

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र,
भोपाल

दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-र/इन्दौर/31-12-72—यतः, मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 2 है, जो मोहनपुरा स्ट्रीट नं० 2 इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1—(1) श्री मगनलाल पुत्र श्री वीरचंद
- (2) श्री केसरीमल ताराचंद
- (3) श्री समरुतमल पुत्र श्री नाथमल
- (4) श्री ताराचंद (चारों का निवास स्थान)

मकान नं० 16, सन्ता बाजार, इन्दौर। (अन्तरक)

2—राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री टीकमचंद (नाबालिग) (अन्तरिती)

3—श्रीमती शांतिबाई (पत्नी श्री टीकमचंद द्वारा संरक्षित) मालिक श्री टीकमचंद अग्रवाल दूध दही भंडार, छोटी ग्वाली टोली, इन्दौर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2 मोहनपुरा रोड 2 (पर स्थित) इन्दौर।

व्ही० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक 13 जून, 1973

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र,

भोपाल

दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-2/ग्वाल/31-12-72— यतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 2, 131 है, जो नौमहला ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—श्री विश्वनाथ प्रसाद माथुर, पुत्र श्री भैया केशव लाल नौमहला ग्वालियर हाल, द्वारा श्री विद्यासागर बरतरिया एडवोकेट गोलपुर (महाराष्ट्र) (अन्तरक)

2—(1) श्रीमती बदामी बाई स्त्री श्री दयाराम

(2) श्री धर्मदास पुत्र श्री नन्दराम

(3) श्रीमती फूलवती बाई पत्नी श्री धर्मदास कुशवाहा अऊखाना, खुर्द, ग्वालियर।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्वारा अगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2, 131, (कुछ भाग) नौमहला ग्वालियर पूर्व में आम रास्ता

पश्चिम में श्री चोखेलाल का मकान

उत्तर में आम रास्ता

दक्षिण में शेष मकान विक्रेता का।

व्ही० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 13-6-73

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

प्राप्त आर्द्ध टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण कार्यालय (सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र,
भोपाल)

भोपाल, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब०/र/ग्वाल/31-12-72—यतः मुझे, व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि रथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2, 131 है जो नौ महिला ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 29-12-72 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विश्वनाथ प्रसाद माथुर पुत्र श्री भैया केशव लाल नौ महिला ग्वालियर (हाल) मु० आम शोलापुर (महाराष्ट्र) (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती रामप्यारी स्त्री श्री नन्दराम जी
- (2) श्री रामदास पुत्र श्री नन्दराम जी
- (3) श्रीमती लतादेवी स्त्री श्री रामदास
- (4) श्री शम्भुदयाल पुत्र श्री दयाराम
- (5) श्री दयाराम पुत्र श्री नन्दराम कुशवाहा, निवासी ओखाना खुर्द, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप, किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2, 131, (हिस्सा मकान) ना महिला ग्वालियर पूर्व में आम रास्ता पश्चिम में नगर निगम की गली उत्तर में शेष सम्पत्ति बिकी हुई दक्षिण में श्री गंगाप्रसाद का मकान ।

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक, 13 जून, 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र,

भोपाल

दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-2/भोर/15-12-72—यतः मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान और दुकान नं० 28/4 मण्डी कमेटी ब्लाक नं० 50 जीवाजी गंज मोरेना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरेना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 8-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1—(1) श्री विनोद चन्द्र पुत्र स्वर्गीय श्री शान्तीलाल शाह ।
- (2) श्री अशोकचन्द्र पुत्र स्वर्गीय श्री शान्तीलाल शाह द्वारा श्री विनोद चन्द्र ।
- (3) श्रीमती भानुमती बाई स्त्री स्वर्गीय श्री शान्तीलाल द्वारा श्री विनोद चन्द्र । (अन्तरक)

नं० 33 मोराम मोहल्ला संपोषिता गंज इन्दौर ।

2—श्रीमती माया देवी स्त्री श्री कैलाश चन्द्र माथुर अम्बाह, जि० मोरेना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान और दुकान नं० 28/4 मण्डी कमेटी

77+71

क्षेत्रफल ————— × 30'

2

चबूतरा और फड़—33' × 30'

वही० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक 13-6-73

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र,

भोपाल

तारीख 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-2/भोर/15-12-72—यतः मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म्यूनिसिपल नं० 28/4, मण्डी कमेटी ब्लॉक नं० 49 जीवाजी गंज मोरेना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरेना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 8-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काय नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1—श्री बिनोद चन्द्र पुत्र श्री शान्तीलाल
- (2) श्री अशोक चन्द्र पुत्र स्वर्गीय शान्तीलाल द्वारा श्री बिनोद चन्द्र ।
- (3) श्रीमती भानुमती बाई स्त्री स्वर्गीय श्री शान्तीलाल 33, मोराय मोहल्ला संयोगिता गंज, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2—श्रीमती कमला देवी स्त्री श्री ओमप्रकाश माथुर, करबा—अम्बाह, तहसील-अम्बाह, जिला मोरेना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद

में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल म० नं० 28/4, मण्डी कमेटी, ब्लॉक नं० 49
जीवाजी गंज मोरेना (एक स्टोरी)
क्षेत्रफल-65, घनफुट, 71/2 × 30'
सामने चबूतरा और फड़

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 13-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र,
भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-र/ग्वा/31-12-72—यतः मुझे, व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 85, 1, अ, 3, 2, है, जो सराफा बाजार लक्ष्कर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-12-1972 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित लिए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—लक्षमनदास, (2) वासुदेव पुत्र श्री टेकचन्द, सराफा डीडवाना, ओली लश्कर, ग्वालियर (अन्तरक)

2—(1) श्री श्याम लाल पुत्र श्री खुशालदास
(2) श्री दीन दयाल पुत्र टीकम दास, लाला का बाजार, लश्कर, ग्वालियर : (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये

जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थिति सराफा बाजार लश्कर।

पूर्व में मकान श्रीमती गंगाबाई

पश्चिम में टेकलाल रामचन्द

उत्तर में रास्ता सराफा बाजार लश्कर

दक्षिण में मकान कृष्णकान्त गडबोकेट।

व्ही० क० 1 सन्हा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 13-6-1973

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनांक 16 जून, 1973

निर्देश सं० सब-र/ग्वाल/31-12-72—यतः मुझे, व्ही० के० सन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 31, 140 है, जो डीडवाना ओली लश्कर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने

के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री श्री कुमार (2) श्री लक्ष्मी कुमार (3) श्री विजय कुमार (4) श्री बेनूगोपाल पुत्र स्वर्गीय श्री सम्पत कुमार मांजेजो नं० पी० 6, कनाकार स्ट्रीट अन्तरक कलकत्ता ।
2. श्री मदन मोहन सुद पुत्र श्रीराम देवजी चिटनिस की गोदशकर, खालियर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 31, 140, डीडवाना ओली लक्ष्कर पूर्व में श्री प्रताप चन्द जैन का मकान पश्चिम में श्री पद्मा कन्हैया का मकान
4—126GI/73

उत्तर में आम रास्ता नगर निगम द्वारा निर्मित दक्षिण में गली नगर, निगम ।

श्री० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन क्षेत्र भोपाल

इन्दौर दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-र/मोर/15-12-72—यतः, मुझे श्री० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 4/91 है, जो जी वाजी गंज मोरेना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरेना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 6-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिवनारायण पुत्र श्री मोतीराम वैश्य, जीवाजी गंज मोरेना, (2) श्री चऊ राम (अन्तरिक) (नाबालिग) द्वारा श्री मोतीराम वैश्य जीवाजी गंज मोरेना

2. श्री बासुदेव (नाबालिग) पुत्र श्री (अन्तरिक) छत्र पाल ग्राम खारिका-जौरा-मोरेना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मं० नं० 4/91 जीवाजी गंज मोरेना (क्षेत्रफल 181' × 30') उत्तर में टीका राम का मकान दक्षिण में कल्याण सिंह लज्जाराम का मकान पूर्व में आम रास्ता पश्चिम में आम रास्ता

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 13-6-73

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र,
भोपाल

दिनांक 13 जून 1973

निर्देश सं० सब-र/ग्वाल/31-12-72—यतः, मुझे व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 32/344 है। जो सराफा बाजार लश्कर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 17-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरिक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगन्नाथ प्रसाद (2) श्री मथुरा (अन्तरिक) प्रसाद पुत्र श्री लच्छूमल जी अग्रवाल वैश्य दौलत गंज, लश्कर, ग्वालियर,
2. श्री सुरेशचन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री (अन्तरिक) धनश्याम दास कमेरा ओली लश्कर ग्वालियर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थिति मकान नं० 32/344, सराफा बाजार लश्कर पूर्व में मकान श्री पारसनाथ जी पश्चिम में मकान श्री गोपीचन्द जी उत्तर में गली सरकारी बाद में भारतीय स्कूल दक्षिण में फुटपाथ व सड़क

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 13-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन क्षेत्र
भोपाल

दिनांक 13-6-1973

निर्देश सं० सब० र०/ग्वाल/31-12-72—यतः मुझे, व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 1,76,581 है, जो कमल सिंह का बाग सिन्दे की छावनी लश्कर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 27-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अशोक 2. श्री संतोष पुत्र श्री काशीनाथ 3. कु० गीता पुत्री श्री काशीनाथ 4. श्रीमती मन्दाकिनी स्त्री श्री काशी नाथ देशमान कर
सिन्दे की छावनी लश्कर ग्वालियर। (अन्तरक)

2. श्री दरबारा सिंह पुत्र पूरन सिंह पंजाबी
सिन्दे की छावनी लश्कर ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 17,658,1, कमल सिंह का बाग शिन्दे की छावनी लश्कर खालियर पूर्व में श्री सीताराम और कामले साहब का मकान पश्चिम में गली आम रास्ता, उत्तर में देवी और प्रभु का मकान दक्षिण में एम० के० जैन का मकान।

व्ही० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 13-6-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

अर्जन रेंज, 156/9B चन्डीगढ़

दिनांक 15-6-1973

निर्देश सं० एल० डी० एम०/106/73-74—यतः, मुझे, श्री ज० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी०-IV-1641-43 नया मुहल्ला डाकोटान है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेद प्रकाश, पुत्र श्री श्रीराम मकान नं० 63 कोठी मेग सिंह लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र अमरत सरी मल लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-IV, 1641-43 नया मुहल्ला डोकटान, लुधियाना।

ज० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

तारीख 15-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,

156/9 बी अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

चन्डीगढ़, दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० एस० डी० एच०/103/73-74—यतः मुझे, श्री ज० प० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी०-एक्स०एक्स०/693 गुरदेव नगर है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके, दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सनतोख सिंह गरेवाल पुत्र

श्री केहर सिंह गुजरवाल

तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री मनी सिंह, अवतार सिंह गिरन

पुत्र श्री गयान सिंह बुदगरती

(जिला होशियारपुर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-एक्स०एक्स०/693,

गुरदेव नगर, लुधियाना

ज० प० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय, 156/9B,

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/157/73-74— यतः, मुझे श्री ज० प० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० युनट नं० बी० 19 एस० 8, गिल नं० 2 है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-1972 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गुरमुख दास पुत्र आसू मल माडल टाऊन लुधियाना । (अन्तरक)
मैसर्स गंगा इन्जीनियर और हौजरी
वर्कस, लुधियाना, बराया श्री मूनि
लाल जैन, 315, माडल टाऊन-3,
लुधियाना । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

परोपटी यूनिट नं० बी०-19 — 363-S-8, गिल नं० 2),
जनता नगर, लुधियाना ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

तारीख : 15-6-73
मोहर :

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय, अर्जन
रेंज, चन्डीगढ़

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/159/73-74—यतः, मुझे श्री ज० प० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी० XIX/736 पटेल नगर सिविल लाइन है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र (अन्तरक)
हवेलीराम सकना मकान नं० बी- XIX/
736 पटेल नगर सिविल लाइन,
लुधियाना द्वारा पावर स्पैशल अटारनी
जनक राज टेकचन्द पुत्र साई दास
महला खुद लुधियाना

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र राम सरन सकना (अन्तरिती)
इकबाल गंज, लुधियाना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आशेषों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी- XIX/736, पटेल नगर, सिविल लाइन,
लुधियाना।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

तारीख : 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

दिनांक 15 जून, 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/161/73-74—यतः, मुझ श्री ज० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी०-VIII/821 प्लॉट नं० 34, क्लब रोड है, जो सिविल लाइन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

29-12-1972 की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री प्रेम कुमार पुत्र राय साहिब (अन्तरक)
अर्जन दास, राज कुमार अम्बरबाल
पुत्र राय साहिब अर्जन दास बलव
रोड सिविल लाइन, लुधियाना ।
- (2) श्रीमती सत्य वत्ती पत्नी (अन्तरिती)
जगदीश चन्द्र कपूर, सिविल लाइन,
लुधियाना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी नं० बी०- XIII/821, प्लॉट नं० 34 क्लब रोड, सिविल लाइन, लुधियाना ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज चन्डीगढ़)

तारीख : 15-6-73
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, का कार्यालय, अर्जन रेंज, चन्डीगढ़
तारीख 15-6-73

निर्देश सं० एल० डी० एच० /166/73-74/—यतः, मुझे श्री ज० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी० XIX/818, ग्रीन पार्क है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1973 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि

अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती गोरन देवी पत्नी (अन्तरक)
स्वर्गीय श्री माया धारी
352, महिला बकौला पुराना बाजार लुधियाना
- (2) श्रीमती कला रानी गुप्ता (अन्तरिती)
B-XIX/818, गरीन पार्क लुधियाना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

5—126GI/73

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान नं० बी०-बी०/1057; पुराना बाजार लुधियाना।
जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० एस० डी० एच०/178/73-74/—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 250 आर है, जो माडल टाऊन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती (i) करतार कौर पत्नी (अन्तरक)
वसन्त सिंह 434-एल० माडल टाऊन
लुधियाना

(ii) अमरत रानी पत्नी खेम चन्द
बी०-बी, 185 लुधियाना

(2) श्री मुख्तार राज (अन्तरिती)
पुत्र राम लाल थापर बी०-12, 1571
कच्ची गली लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 250-आर० माडल टाऊन, लुधियाना

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/231/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० के० एस० सरावा नगर जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-12-1972 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री निर्मल सिंह गरेवाल (अन्तरक)
16-डी० के० एस० सरावानगर लुधियाना

(2) श्री मुख्तियार सिंह, (अन्तरिती)
गुरसेवक सिंह गांव हारीमाम जिला
फरीदकोट।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुझे जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15-डी० के० एस० नगर लुधियाना

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

तारीख : 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन रेंज चण्डीगढ़
दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/239/-73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सरावा नगर है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती करतार कौर पत्नी सुच्चा सिंह 29-सी० गुरदेव नगर लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्री मोहन जीत सिंह पुत्र बारा सिंह 3550, माडल ग्राम लुधियाना (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

प्लेट : सरावा नगर लुधियाना में

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय
अर्जन रेंज चन्डीगढ़

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/240/73-74—यतः, मुझे, श्री पी० पी० सिंह, सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चन्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० B-XV/195/12, कूचा नं० 3, निरंकारी महल्ला है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती दलीप कौर पत्नी सुरजन सिंह सगना रंगियां तं० लुधियाना (अब) मकान नं० 195/9 कूचां नं० 3 महल्ला निरंगकारी, लुधियाना (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सवरन कान्ता पत्नी कृष्ण लाल, जवाहर नगर, लुधियाना द्वारा कृष्ण लाल उसका पत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

मकान नं० 3-XV/195/12, कूचां नं० 3 महल्ला निरंगकारी, लुधियाना

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रैंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15-5-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रैंज

चन्डीगढ़ का कार्यालय

तारीख 15/6/73

निर्देश सं० एल० डी० एच०/245/73-74—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रैंज, चन्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० B-XIV/200, टराफ गेहलवाल है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-1972 को पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गंगा बिशन सागर पुत्र कुन्दन लाल बी०-XIX/200 दफ्तर शिक्षा विभाग सिविल लाईन लुधियाना (अन्तरक)
- (2) श्री सत्य पास, कृष्ण कुमार पुत्र काशन चन्द c/o M/S बी० एस० इन्डस्ट्रीयल, मिलर गंज, लुधियाना

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० वी०-XIX/200, का भाग टराफ गेहलेवाल, लुधियाना

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेंज चण्डीगढ़ का कार्यालय

156/9 बी०

तारीख 15-6-73

निर्देश सं० एल० डी० एच०/313/73-74--यतः, सुश्री, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० VIII, गली नं० 1,100 (नई) है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री श्री राम, मकान नं० 63 कोठी मेग सिंह, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शना रानी पत्नी श्री सोहन लाल, कोठी मेग सिंह, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी

अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-VIII/863 पुराना और बी०-VIII गली नं०-1, 100 (नयी)
लुधियाना

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज,
चन्डीगढ़।

तारीख : 15-6-73
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेंज चन्डीगढ़ का कार्यालय,

तारीख 15-6-73

निर्देश सं० सी० एच० डी०/6/72-73—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5-C, सैक्टर 27D है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1972 को पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति

का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री करतार सिंह, पुत्र श्री मोहर सिंह, मलोट मन्डी।
(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष कुमार आनन्द पुत्र श्री० पी० आनन्द, 2069 सैक्टर 21-सी०, चन्डीगढ़-4। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से तीस दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि

कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 5-सी०, सैक्टर, 21-डी०, चण्डीगढ़

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 15-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ का कार्यालय

तारीख : 15-6-1973

निर्देश सं० सी०एच०डी० 17/-72-73—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अमारत न० 63 इन्डसट्रिज एरिया है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 दिसम्बर 1972 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बस्च तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक

के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्री मदन मोहन सिंह (ii) छरहरन्दर सिंह (iii) जओ दीप सिंह 547, सैक्टर न० 18-B चण्डीगढ़।

(अन्तरित)

(2) श्री सन्तराम, पुत्र श्री महादेव राज, 57 ग्रेन मार्केट चण्डीगढ़। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्लिंग नं० 63,
इन्डस्ट्रीयल एरीया,
चन्डीगढ़

जी० पी० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
सक्षम प्राधिकारी
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15-6-73
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चन्डीगढ़
का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी० /10/72-73—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1086, सैक्टर 18-C भकान है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-72 को पूर्ववर्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957

6—126GI/73

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कृष्ण कुमार कोहली, पुत्र श्री मूल राज कोहली डी०-1/79 जनक पुरी नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री दर्शन सिंह पुत्र गुरदित सिंह और श्रीमती चरन कौर पत्नी श्री दर्शन सिंह 131/8 करिणना कलोनी, भिवानी (हिमालय), (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भकान नं०, 1086,
सैक्टर 18-सी, चन्डीगढ़,

(Sd/-)

जी०पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चन्डीगढ़
का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निदेश सं० सी०एच० डी०/11/72-73/—यतः मुझे, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चन्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० एन्कसी न०/227 सेक्टर 8-C है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब धारा 269-ग अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अभय कुमार जैन सुपुत्र श्री पीयारा लाल बी०-52 नीलोखेड़ी करनाल । (अन्तरक)
- (2) श्री आर० एल० चलाना सुपुत्र सुनम राय चलाना, 8/पी०/III हाईडल कालौनी, पठानकोट । (आन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एन्कसी 1227 सेक्टर 8—सी, चन्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चन्डीगढ़
का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निदेश सं० सी० एच० डी०/15/72-73 यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5-C सैक्टर 28-A है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-72 को पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस० एल० केडी, और श्रीमति एस० एल० केडी मकान नं० 1027 सैक्टर 11-सी०, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- (2) श्रीमति अमर कौर पत्नी सवरन सिंह गांव व शकखाना चक कलां, तहसील नकोदर (जिला जलंधर) (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5-सी० सैक्टर 28-ए०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 15-6-73
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज का कार्यालय, चण्डीगढ़

दिनांक 15 जून 1973

निदेश सं० सी०एच०डी०/16/72-73—यतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 1234, सैक्टर 15-B है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे

अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या:

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने का कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- (1) श्रीमति लक्ष्मी धर्मपत्नी श्री ऊजागर सिंह गांव माजो खरड़ रोपड़। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अमरो धर्मपत्नी श्री भजना राम गांव रूरका कालन, जलंधर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित

है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1234, सैक्टर 15-बी, चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
चन्डीगढ़, का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० सी०एच० डी०/18/72-73—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चन्डीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 11, सैक्टर 7-C है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जी० सी० बोरा पोस्ट बॉक्स नं० 41964 नरखोही, (कनेया) । (अन्तरक)
- (2) श्री अमर जीत सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह पोस्ट, बॉक्स नं० 98588, मोमवबसा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 11, सैक्टर 7-सी०, चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15-6-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/23/72-73—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3452 सैक्टर 23 (मकान) है, जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 दिसम्बर 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री प्यारा सिंह पुत्र आशा सिंह मकान नं० 71, गरेन मारकिट, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

- (2) श्री सत्य पाल शर्मा पुत्र श्री हरी राम शर्मा, 2214, सैक्टर 27-सी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3452, सैक्टर 23, चन्डीगढ़।

ज० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चन्डीगढ़
का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० सी०एच० डी०/1/72-73—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० फैंक्ट्री इमारत बी-2 और बी-3 है, जो बहादुरगढ़ में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहादुरगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीनको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

- (1) श्रीमती गीता देवी धर्मपत्नी श्री देवकी नन्दन, डा० हिसार, श्री आत्माराम सुपुत्र श्री मुरारीलाल, डा० सावर, मोहिन्द्रगढ़। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स कपूर इन्डस्ट्रीज, माडरन इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, बहादुरगढ़। (अन्तरिती)

द्वारा इसके पार्टनर श्रीमति राधारानी कपूर, (ii) रमेश कपूर, (iii) प्रवीन कपूर, (iv) अनजना कपूर और (v) ऊमा कपूर C/o ऊपरीय फर्म।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी अमारत नं० बी०-2, बी०-3 बहादुरगढ़।

ज० प० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
का कार्यालय

तारीख दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० एच० एस० आर०/124/73-74—यतः, मुझे, श्री ज० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 98-N, माडल टाउन है, जो हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन 6 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सुभाष चन्दर पुत्र श्री गोविन्द, बी०-3/2 रजोरी गार्डन, दिल्ली, और श्रीमती कृष्णा बत्ती विधवा श्री गोविन्द बी०-3/2 रजोरी गार्डन, दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला देवी पत्नि श्री मदन लाल, 98-एन० माडल टाउन, हिसार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान

नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 98—एन०, माडल टाऊन, हिसार।

ज० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

माहुर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,
चण्डीगढ़ का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० बी० जी० आर०/136/73-74—यतः, मुझे, श्री ज० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट, मेन बाजार, गढ़ गेट है, जो बल्लबगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरि (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चेत राम, पुत्र श्री डोका मल, श्री जगन नाथ, पुत्र श्री गंगी मल, श्री नवल कशेर, पुत्र श्री दोलत राम, सरवती ग्राम सुन्दर, दो कियात और जै एफ, पुत्र नट राम गांव जर सतही तहसील बलबगढ़, जिला गुड़गांव।

2. श्री वोगी राम, भगवान दास ईश्वर दियाल पुत्र श्री मिसरी लाल पुत्र दलीप सिंह वारड के-9 बलबगढ़।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट, मेन बाजार, गड़ गेट, बल्लबगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, चण्डीगढ़
दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० जे० सी० आर०/168/73-74—यतः, मुझे, श्री ज० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० शाहटपुरा रोडा (जयदाद) है, जो जगरावां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगरावां में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-

रिलियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री भदरी प्रशान्त पुत्र धनपत लाल, सुख देव पुत्र हर गोपाल रंगबीर लाल पुत्र शीव नारायण। (अन्तरक)
- (2) श्री शाम लाल, हंस राज पुत्र श्री जीवन दास सिंह ठाकर सिंह पुत्र तीर्थसिंह। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20—क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद स्थित—शेर पुर रोड, जगरावा जिला लुधियाना।

ज० प० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख 15 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/72-73/पी०-56/एस-47/399
यतः, मुझे, एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० कोठी, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2348, दिसम्बर 1972 में लिखा है, जो व्हाइट एवेन्यू अमृतसर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर 1972 को पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुकुन्द लाल सुपुत्र श्री अबनाशी राम, चौक दरबार साहिब, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री शाम सुन्दर सुपुत्र श्री नरायण दाम, कटड़ा मोती राम, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नंबर 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई ग्रादमी जो सम्पत्ति में रुचि रखना हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 32 तथा 33 और बिल्डिंग उस पर बनी हुई, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2348, दिसम्बर 1972 का, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
तारीख : 18-6-73 अर्जन रेंज, अमृतसर
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आय कर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन ई-1
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020.

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं०/अ० ई० 1/57-5/72-73—यतः, मुझे, श्री शं० फडके, नि० सं० आ०, अर्जन ई-9, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० न्यू० सर्वे नं० 2713, सी० एस० नं० 954 माडवी डिव्हिजन है, जो नरसी नाथा स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई डिस्ट्रिक्ट, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जाधवजी रतनशी और अन्य
धानजी धारशी छेड्डा, (अन्तरक)
- (2) 1. मेसर्स अजित कुमार और क० (अन्तरिती)
2. मेसर्स जीवराज लडाखा,
3. मेसर्स कल्याणजी गेखाभाई।
4. मेसर्स रसीकलाल चामसे।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का ब्योरा

(स्थानांतरण की लिखत की अनुसूची-2)

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो पहले क्विंट एण्ड ग्राउंड रेंट टेन्योर भूमि या मैदान था, और विशेष रूप से टाउन प्लानिंग स्कीम, बम्बई नगर-1 (माण्डवी व एल्फिन्स्टन एस्टेट) के प्लॉट सं० 58 बी० की भूमि या मैदान का अधिकांश हिस्सा है, उस पर स्थित एवं खड़े किराए के मकानों, बाह्य निवासों एवं निवास गृहों सहित, जो डोंगरी स्ट्रीट, जिसे नरसी नाथा स्ट्रीट भी कहा जाता है, के उत्तरी और बम्बई टापू के बम्बई रजिस्ट्री उप-जिले में, स्थित पड़ी हुई है, माप से 177 वर्गगज यानी 147-99 वर्गमीटर के समकक्ष है और जिसका अधिकांश भाग भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में कलेक्टर की किराया पंजी सं० 2284 के अन्तर्गत कलेक्टर की पुरानी सं० 823, 824 और 825, नई सं० 6559, 6562 और 6563, पुराना सर्वेक्षण सं० 137, 138 और 139 और सर्वेक्षण सं० 2713, केडेट्रल सर्वेक्षण सं० 954, माण्डवी संभाग तथा टाउन प्लानिंग स्कीम, बम्बई नगर-1, (माण्डवी और एल्फिन्स्टन एस्टेट) की अंतिम प्लॉट सं० 58 लिए हुए और दायान्ति व परिसर भूमि का वह कथित हिस्सा नगरपालिका दरों और करों के कलेक्टर की 'बी' वार्ड सं० 1319 के अंतर्गत और स्ट्रीट सं० 250 के अंतर्गत रजिस्ट्री किया हुआ है तथा निम्न-प्रकार से घिरा हुआ है:— अर्थात् पूर्व में या ओर डोंगरी स्ट्रीट से, जो अब नरसी नाथा स्ट्रीट कहलाती है, पश्चिम में या ओर कचरा के स्थान से, उत्तर में या ओर द्वारकादास जमनादास ट्रस्ट सम्पत्ति से जिसकी सी० एस० सं० 953 है और दक्षिण में या ओर एक गली से और उसके आगे सम्पत्ति का एक अन्य भाग, जो अब धनसुखलाल मेघजी और अन्यो द्वारा खरीदी गई है।

श्री शं० फडके,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 15 जून, 1973 ।

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन ई-1, आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020 ।

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं०/अ० ई०-1/61-9/72-73— यतः, मुझे, श्री शं० फडके, नि० सं० आ०, अर्जन ई-1, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० न्यू० सर्वे नं० 1909 सी० एस० नं० 1249 भूलेश्वर

डिविजन है, जो बालाजी शामरोम स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई डिस्ट्रिक्ट, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भागीरथ पूनमचंद कासत और अन्य (अन्तरक)

(2) श्री द्वारकादास रामजस डांगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि

कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेंशन कर मोचन (रिडीम्ड पेंशन टेक्स) भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उन बाह्य निवासों आदि, किराये के निवासों या निवास गृहों सहित जो उस पर खड़े हों, जो बम्बई के रजिस्ट्री उप-जिले में बम्बई के फोर्ट से बाहर, बालाजी शमसेट स्ट्रीट, पर स्थित व पड़ा हुआ, माप से 125 वर्गगज (यानी 113 वर्गमीटर) या लगभग, भूराजस्व कलेक्टर, बम्बई की पुस्तकों में, पुरानी सं० 523, नई सं० 2535, पुरानी सर्वेक्षण सं० 3200 और 3201, नई सर्वेक्षण सं० 1909 के अंतर्गत रजिस्ट्री किया हुआ, भूलेख संभाग की केडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1249 लिए हुए, और जिसपर नगरपालिका दरों व करों के कलेक्टर एवं निर्धारक द्वारा 'सी' वार्ड सं० 587, स्ट्रीट सं० 61/63 के अंतर्गत कर निर्धारित होता है, तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व में या ओर द्वारकादास वसनजी की सम्पत्ति से, जिसकी केडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1248 है, पश्चिम में या ओर गिरधरदास जेटाभाई की पुत्री हीराबाई और रामदास की सम्पत्ति से, जिसकी केडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1250 है, उत्तर में या ओर एक गलियारे से तथा उससे आगे उस सम्पत्ति से जिसकी केडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1221 और जो दुर्गादास देवीदास एवं अन्य ट्रस्टियों की है, आंशिक रूप से मनमोहनदास विठ्ठलदास गुजराती की सम्पत्ति से।

श्री शं० फडके

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई।

तारीख : 15 जून 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

का कार्यालय

दिनांक 14 जून 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 18/73-74—यतः, मुझे एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

है जो, हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 मार्च, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बि० के० नित्यानन्द, हिमायतनगर, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री एम० वेंकटेशम् C/o इन्द्रासानी तथा बन्धु स्टोन्स तथा टायल्स मर्चेन्ट, पुतली बावली, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन 226 चौ० गज,
हिमायतनगर, हैदराबाद।

एस० बालसुब्रमन्यम्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका II, बम्बई
का कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० अ० ई०/80/91/72-73 यतः, मुझे, श्री न० द० अन्जारिया, नि० सं० आ० अर्जन इलाका II, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 94 है, जो गारोडियानगर स्कीम घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती परमेश्वरीदेवी गोर्धनदास, नमकवाला बंगला, एम० जी० रोड, घाटकोपर, बम्बई-77। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स कानजीभाई एन० नकरानी ब्रदर्स, जो एक भागीदारी फर्म है जिसमें (1) कानजीभाई नानजी पटेल (2) भीमजीभाई नानजी पटेल और (3) लक्ष्मण नानजी पटेल भागीदार हैं, और जिनका पता 'रश्मि' आर० बी० मेहता रोड, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77। अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का यह तमाम टुकड़ा या भाग, जो घाटकोपर में स्थित है, जो बांद्रा रजिस्ट्री उप-जिला बम्बई के उपनगर जिला में प्लॉट नं० 94 गरोडिया नगर स्कीम घाटकोपर नाम से, माप में 716 वर्गगज व 601-44 वर्गमीटर के समकक्ष हो तथा सर्वेक्षण सं० 249 हिस्सा सं० 8 का भाग है और जो निम्न प्रकार से घिरा हुआ है : यानी उत्तर में या और गरोडिया नगर स्कीम के प्लॉट नं० 93, दक्षिण में या और गरोडिया नगर स्कीम के प्लॉट सं० 95, पश्चिम में या और गरोडिया नगर के प्लॉट सं० 85 और प्लॉट सं० 86 पूर्व में या और 44 चौड़ी सड़क से, जिसकी नगरपालिका 'एन' कवार्टे सं० 36 (94) है।

न० द० अन्जारिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, बम्बई।

तारीख : 15-6-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक 14 जून 1973

निर्देश सं० टी० आर० 177/सी-48/कैल-आई/72-73-यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8460 है, जो दार्जिलिंग जिले में मौजा सिलीगुडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ ऐस्यो-रेन्सेज नं० 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया

गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|---------------------------------|--------------|
| (1) श्री देवी सिंह अग्रवाल | (अन्तरक) |
| (2) (i) श्री देवान सिंह अग्रवाल | } (अन्तरिती) |
| (ii) मोहन सिंह अग्रवाल | |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय

20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज सं० I-6519 (1972 का) में वर्णित मोजा सिलीगुड़ी जिला दार्जिलिंग में प्लॉट नं० 8460 में स्थित जमीन और भवन (क्षेत्रफल 1 कट्टा 2½ छटांक)

एस० के० चन्मती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I
पी 13 चौरंगी स्ववायर (कलकत्ता)

तारीख : 14 जून, 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 279 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई-4
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ०सं० 14/नि० सं० आ०, अ० ई०-473-74—
यतः, मुझे, ग० सं० राव० नि० सा० आ० अर्जन ई-4 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्व सं० 186 बी०, सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 के बार्ड सं० 8169(1) (2) (3), है, जो घोड़ बंदर रोड, विलेपार्ले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 दिसम्बर, 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री राधारामन ओम प्रकाश मेहरा, भारत भुवन, कालबा देवी, रोड, बम्बई-2। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमला बेहारीलाल रहेजा, 79, मिडॉज स्ट्रीट, फोर्टे, बम्बई-1। (अन्तरिती)

3. श्री बालजीत सिंग, और अन्य प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० व्ही० रोड, विलेपार्ले, बम्बई-1 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपल्ले, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो भाग से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्ग गज के समकक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण से 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्ती सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188ए, फाल्ती सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक एवं 'के' वार्ड के अन्तर्गत सं० 8169(1)-(2) (3) और गली सं० 69-71 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :— अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 188ए और अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बंदर से, उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 इ और दक्षिण की ओर उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186ए हिस्सा सं० 1 है ।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख: 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
279 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई-4

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 15/नि० सं० आ० ई-4/73-74—यतः, मुझे ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अर्जन ई-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 186 बी०, सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 के वार्ड सं० 8169 (1) (2) (3), घोड़बंदर रोड, विलेपल्ले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के 8—126GI/73

दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधारामन ओम प्रकाश मेहरा, भारत भुवन, कालबा-देवी, रोड, बम्बई-2 । (अन्तरक)

2. कुमारी शोभा चतुर्भुज बाठवा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 । (अन्तरिती)

3. श्री बालजीत सिंग, और अन्य प्लाट सं० 967, विजयवाडी, एस० व्ही० रोड, विलेपल्ले, बम्बई । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,

यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो वृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विल्लेपल्ले, घोडबंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्ग गज के समवक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्ती सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188ए, फाल्ती सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक एवं 'के' बार्ड के अन्तर्गत सं० 8169 (1)-(2) (3) और गली सं० 69-71 तथा 71 घोडबंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से धिया हुआ है :— अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 188 ए और अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोडबंदर रोड से, उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186ए हिस्सा सं० 1 है।

ग० रो० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख : 11-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई-4

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 16/नि० सं० आ० अ० ई-4/73-74—

यतः, मुझे ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अर्जन ई-4, बम्बई 1 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 186 बी०, सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 के बार्ड सं० 8169 (1) (2) (3), है, जो घोडबंदर रोड, विल्लेपल्ले में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधारामन ओम प्रकाश मेहरा, भारत भुवन, कालवा देवी, रोड, बम्बई-2। (अन्तरक)

2. श्रीमती सवित्री पुरुषोत्तम बजाज, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्टे, बम्बई-1। (अन्तरिती)

3. श्री बालजीत सिंह, और अन्य प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० व्ही० रोड, विल्लेपल्ले, बम्बई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना

की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराने के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बम्बई बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बांद्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपल, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो मान से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्ग गज के समक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्ती सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188ए, फाल्ती सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 वीं दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक एवं 'के' वार्ड के अन्तर्गत सं० 8169(1) (2) (3) और गली सं० 69-70 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :— अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 188ए और अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बंदर से, उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186ए हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई-4

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 17/नि० सं० आ० अ० ई-4/73-74—यतः, मुझे ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अर्जन ई-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी सं० रावें सं० 186 वीं, सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 के वार्ड सं० 8169(1) (2) (3), है, जो घोड़बंदर रोड, विलेपल में स्थित है (और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा रामन आंम प्रकाश सह्या, भारत भवन, कालवा देवी रोड, बम्बई-2 । (अन्तरक)

2. श्री भगवान दास सेवराम रहेजा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरिती)

3. श्री बालजोत सिंग, और अन्य प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० व्ही० रोड, विलेपार्ले, बम्बई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपार्ले, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्ग गज के समकक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्नी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188ए, फाल्नी सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक एवं 'के' वार्ड के अन्तर्गत सं० 8169 (1) (2) (3) और गली सं० 69-70 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :— अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं०

188 ए और अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बंदर रोड से, उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186ई० और दक्षिण की ओर उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186ए हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन ई-4
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 18/नि०स०आ०, अ०ई-4/73-74-यतः, मुझे, ग० सो० राव, नि० स० आ०, अर्जन ई-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 186 बी०, सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 'के' वार्ड सं० 8169 (1) (2) (3), है, जो घोड़बंदर रोड, विलेपार्ले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43)) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधारामन ओम प्रकाश मेहरा, भारत भुवन, कालवा देवी, रोड, बम्बई-2। (अन्तरक)
2. श्री विजय भगवानदास रहेजा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरिती)
3. श्री बालजीत सिंग, और अन्य प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० ह्वी० रोड, विलेपार्ले, बम्बई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो

बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपार्ले, घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो मान से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्ग गज के समकक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्ती सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188ए, फाल्ती सं० 1/3 और 2/3 के अन्तर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संस्थाओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक एवं 'के' बार्ड के अन्तर्गत सं० 8169(1) (2) (3) और गली सं० 69-70 तथा 71 घोड़ बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है:— अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 188ए और अंशतः उस सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बंदर रोड से, उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186ए हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख : 11-6-73

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन-ई-4

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ०स० 19/नि०स०आ०अ०ई०-4/73-74—यतः, मुझे ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अर्जन-ई-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 186 बी० सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 'के' बार्ड सं० 8169(1) (2) (3) है, जो घोड़बंदर रोड, विलेपार्ले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके

दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—श्री नानकचंद देवीदास खन्ना, श्रेयस, मरीन ड्राईव्ह, बम्बई-2। (अन्तरक)

2—श्री भगवानदास सेवराम रहेजा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरिती)

3—श्री बालजोत सींग और अन्य प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० व्ही० रोड, विलैपार्ले, बम्बई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यावाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निम्नलिखित

जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बृहत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलैपार्ले घोड़बन्दर, रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गगज के समकक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्नी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188-ए, फाल्नी सं० 1/3, और 2/3 के अंतर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सांभूतिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगर पालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' बाई के अंतर्गत सं० 8169(1) (2) (3) और गली सं० 69-71 तथा 71 घोड़बन्दर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188-ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बन्दर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख : 11-6-1973

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन-ई-4
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ०स० 20/नि०रा०आ०, अ०ई०-4/73-74—यतः
मुझे ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अर्जन-ई-4, बम्बई आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 186 बी०सी०टी०एस० सं० 967/1 से 967/10 है, जो के बार्ड सं० 8169(1)(2)(3) घोड़बंदर रोड, विलेपार्ले में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—श्री नानकचंद देवीदास खन्ना, श्रेयस, मरीन ड्राईव्ह, बम्बई-2। (अन्तरक)

2—कुमारी शोभा चतुर्भुज वाढवा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरिती)

3—श्री बालजीत सींग और अन्य प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० एल० रोड, विलेपार्ले, बम्बई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यावाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बृहत बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपार्ले घोड़बंदर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गगज के समकक्ष है और भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्नी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188-ए, फाल्नी सं० 1/3, और 2/3 के अंतर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' बार्ड के अंतर्गत सं० 8169(1)(2)(3) और गली सं० 69-71 तथा 71 घोड़बंदर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188-ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बंदर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख : 11-6-1973
मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन-ई-4

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 21/नि० सं० आ०, अ० ई०-4/73-74—यतः मुझे ग० सो० राब, नि० सं० आ०, अर्जन-ई-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० सर्वे सं० 186बी० सी० टी०एस० सं० 967/1 से 967/10 है, जो 'के' वार्ड सं० 8169 (1) (2) (3) घोड़बन्दर रोड, विलैपाले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1—श्री नानकचंद देवीदास खन्ना, श्रेयस, मरीन ड्राई ह, बम्बई-2 । (अन्तरक)

2—श्रीमती सावित्री पुरुषोत्तम बजाज, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 । (अन्तरिती)

3—श्री बालजीत सींग और अन्य प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० व्ही० रोड, विलैपाले, बम्बई । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलैपाले घोड़बन्दर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गगज के समकक्ष है और भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्नी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188-ए, फाल्नी सं० 1/3, और 2/3 के अंतर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' वार्ड के अंतर्गत सं० 8169(1) (2) (3) और गली सं० 69-71 तथा 71 घोड़बन्दर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से

जिसकी सर्वेक्षण सं० 188-ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बन्दर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई है, और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन-ई-4
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11 जून 1973

निर्देश सं० अ०स० 22/नि०स०आ०,अ०ई०-4/73-74-यतः मुझे ग० सो० राव, नि० स० आ०, अर्जन-ई-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वेसं० 186 बी०सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 है, जो 'के' वाई सं० 8169(1) (2) (3) घोड़बन्दर रोड, विलेपार्ले में स्थित है (और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, [जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1--श्री नानकचंद देवीदास खन्ना, श्रेयस, मरीन ड्राईव्ह, बम्बई-2। (अन्तरक)

2--श्री विजय भगवानदास रहेजा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1। (अन्तरिती)

3--श्री बालजोत सींग और अन्य। प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० ह्वी० रोड, विलेपार्ले, बम्बई।

(यह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्बन्धित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप, किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपाले घोड़बन्दर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गगज के समकक्ष है और भू राजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाठ सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्नी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188-ए, फाल्नी सं० 1/3, और 2/3 के अंतर्गत दर्ज हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संस्थाओं और पाठ संस्थाओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० एस० सं० 967/7 से 967/10 तक, एवं 'के' वार्ड के अंतर्गत सं० 8169(1) (2) (3) और ग लं० सं० 69-70 तथा 71 घोड़बन्दर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188-ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बन्दर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई और अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई है, और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4 बम्बई

दिनांक : 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन-ई-4
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 11-6-1973

निर्देश सं० 23/नि० सं० आ० अ० ई०-4/73-74—
यतः, मुझे, ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अर्जन-ई-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी

सर्वे सं० 186 बी० सी० टी० एस० सं० 967/1 से 967/10 'के' वार्ड सं० 8169 (1) (2) (3) है जो घे न्दर रोड, विलेपाले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1—श्री नानकचंद देवीदास खन्ना, श्रेयस, मरीन ड्राईव्ह, बम्बई-2 । (अन्तरक)

2—श्रीमति कमला बेहारी लाल रहेजा, 79, मिडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 । (अन्तरिती)

3—श्री बालजोत सींग और अन्य प्लॉट सं० 967, विजयवाडी, एस० ह्वी० रोड, विलेपाले, बम्बई । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद

में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या हिस्सा, उन किराए के मकानों या निवास के मकानों सहित, जो उस पर खड़े हैं, जो बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में विलेपार्ले घोड़बन्दर रोड के पूर्व की ओर स्थित, पड़ा हुआ है, जो माप से 3415 वर्गमीटर यानी लगभग 4111 वर्गगज के समकक्ष है और भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 186, पाट सं० 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 और फाल्नी सं० 2/1 व सर्वेक्षण सं० 188-ए, फाल्नी सं० 1/3, और 2/3 के अंतर्गत दर्जे हैं, जिन उक्त सर्वेक्षण संख्याओं और पाट संख्याओं को सामूहिक रूप से अ-कृषिक सर्वेक्षण सं० 186 बी० दिया हुआ है, तथा नगरपालिका के दर और कर कलेक्टर की पुस्तकों में सी० टी० ए० सं० 967/1 से 967/10 तक, एवं 'के' वार्ड के अंतर्गत सं० 8169(1) (2) (3) और गली सं० 69-70 तथा 71 घोड़बन्दर रोड पर है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात् पूर्व की ओर अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 188-ए और अंशतः उस सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1, पश्चिम की ओर कथित घोड़बन्दर रोड से उत्तर की ओर अंशतः उस अ-कृषिक सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ई और दक्षिण की ओर उस कथित सम्पत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 186 ए, हिस्सा सं० 1 है।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4 बम्बई।

तारीख : 11-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II
कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक 16 जून 1973

निदेश सं० एसी०-6/आर०-2/कैल/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 377/2 ब्लाक जी है जो अलीपुर स्कीम xv में न्यू अलीपुर कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ज्वाइंट सब रजिस्ट्रार अलीपुर, जिला 24 परगना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्रीमती मोनिका सेनगुप्त पति श्री अपूर्व कुमार सेनगुप्त।

(ii) श्रीमती शांति सुधा राय पति श्री विकास चन्द्र राय

(iii) श्री अरुण विकास गुप्त (अन्तरक)

(2) श्री अमरेन्दू नाथ बनर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 377/2, ब्लाक जी न्यू अलीपुर कलकत्ता में 5 कट्टा 7 छटाक 16 वर्ग फीट जमीन और रास्ते का हक।

एम० एन० तिवारी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II,

पी०-13, चौरंगी स्ववायर, कलकत्ता

तारीख : 16-6-73।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II

कलकत्ता का कार्यालय।

दिनांक 18 जून 1973

निदेश सं० ए०सी०-7/आर०-II/कैल/73-74—

यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खतियान नं० 427, 428 दाग नं० 479 और 479/853 आर० एस० खतियान नं० 456 है, जो मीजा शिरीती थाना बेहाला जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार 24 परगना अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) द्वारिका नाथ राय (ii) मथुरा नाथ राय (iii) बृज नाथ राय (iv) श्रीमती शुभभा राय (अन्तरक)

2. मैसर्स मृणालिनी प्रोपर्टीज प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद

में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा शिरोती थाना बेहाला जिला 24 परगना में खातियान नं० 427 और 428 में दाग नं० 479 और 479/853 आर०एस० खतियान नं० 456 में 3 बीघा 12 कट्टा जमीन मकानात आदि।

एम० एन० तिवारी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, II
पी०-13, चौरंगी स्वयायर कलकत्ता।

तारीख : 18-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० एस०-8/आर०-II/कैल/73-74—यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 29 एन० ए०/इ० पी० डब्ल्यू० पी० है, जो ब्लॉक 'बी०' न्यू अलीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, 14 परगना अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स लाइफ इन्स्योरेंस कोरपोरेशन आफ इंडिया
(अन्तरक)

2. श्रीमती बानी राय चौधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 29/एन० ए० (इ० पी० और डब्ल्यू० पी०) ब्लाक 'बी'-न्यू अलीपुर में स्थित 7 कट्टा जमीन।

एम० एन० तिवारी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II
पी०-13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता।

तारीख : 18-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II कलकत्ता
का कार्यालय

दिनांक 18-6-1973

निर्देश सं० ए० सी०-9/आर०-II/कैल/73-74—यतः, मुझे एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० खतियान नं० 418 और 457 में दाग नं० 471, 470, 470/1172, 470/1163 और 479 है जो मोजा शिरीती थाना बेहाला जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार 24 परगना अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्य-

मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (i) द्वारिका नाथ राय (ii) मथुरा नाथ राय, (iii) ब्रज नाथ राय (iv) श्रीमती सुप्रभा राय (अन्तरक)
2. श्री विकास कमल बनर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा शिरोती, थाना बेहाला, जिला 24 परगना में जे० एल० नं०-11 खतियान नं० 418 और 457 आर०एस०खतियान नं० 456 दाग नं० 471, 470, 470/1163, 470/1172 और 479 में स्थित 2 बीघा 18 कट्ठा 6 छटाक जमीन।

एम० एन० तिवारी,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 18-6-73 [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

मोहर : अर्जन रेंज-II।

पी०-13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयुक्त का कार्यालय अर्जन रेंज 4 आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग बम्बई-400020

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० अ०सं० 30/नि०सं०आ०, अ०ई०-4/73-74—
यतः, मुझे ग० सो० राव, नि०सं०आ०, अ०ई०-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन समक्ष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० इ-12, इ-13 इ-14, सर्वे सं० 41 है, जो ओशिवारागांव, जोगेश्वरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बैरामजी जीजीभोय अलाइस प्रा०लि० बिल्डिंग, डा०डी० एन० रोड, बम्बई-1, अन्तरक

2. भास्करभाई के० पटेल, 99, जवाहर नगर गोरेगांव (प०) बम्बई-62। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में वरसोबा के पास गांव ओशिवरा के औद्योगिक क्षेत्र के सर्वेक्षण नक्शा सं० 41,

‘ई’ के प्लॉट-ई-12, जिसकी माप 1248 वर्गमीटर, प्लॉट ई-13, जिसकी माप 1248 वर्गमीटर और प्लॉट ई-14 जिसकी माप 2301 वर्ग मीटर है।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आय-कर आयुक्त का कार्यालय
अर्जन ई०-4।

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020।
दिनांक 16 जून, 1973

निर्देश सं० अ० सं० 29/नि०स०आ०, अ०ई०-4/73-74—यतः मुझे ग० सो० राव नि०स०आ०, अर्जन ई-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० ई०-1 और 2, सर्वे 41 है, जो ओशिवरा गांव, जोगेश्वरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्री बैरामजी जीजीभाई प्रा० लि० अलाहन्स बिल्डिंग, डा०डी०एन०रोड, बम्बई 1। (अन्तरक)
- 2 श्री सतीशभाई डी० पटेल (अन्तरिती) 99, जवाहर नगर, गोरेगांव (प०) बम्बई-62।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप, किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अभिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में, बरसोवा के पास, गांव-ओशिवरा के औद्योगिक क्षेत्र के सर्वेक्षण नक्शा सं० 41, ब्लॉक ‘ई०’ के प्लॉट ई०-1 और प्लॉट ई-2 है।

ग० सो० राव/
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV बम्बई

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आय-कर आयुक्त का कार्यालय
अर्जन ई-4

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 28/नि० सं० आ० अ० ई०-4/73-74—यतः,
मुझे, ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अर्जन ई०-4, बम्बई
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० ३०-19
और ३०-20, सर्वे सं० 41 है, जो ओशिवरा गांव, जोगेश्वरी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1973
को पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रति-
फल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बैरामजी जीजीभोय प्रा० लि० अलायन्स बिल्डिंग,
डा०डी०एन० रोड, बम्बई-1। अन्तरक
2. श्री गुणवन्तभाई के० पटेल (अन्तरिती)।

99, जवाहर नगर, गोरेगांव (प०) बम्बई-62

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

10-126 GI/73

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधा

बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में वर-
सोवा के पास, गांव ओशिवरा के औद्योगिक क्षेत्र के सर्वेक्षण नक्शा
सं० 41, ब्लॉक 'ई' के, प्लॉट ई-19, जिसकी माप 1452-50
वर्गमीटर और प्लॉट ई-20, जिसकी माप 2307.50 वर्ग-
मीटर है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 16-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आय-कर आयुक्त का कार्यालय अर्जन-ई-4

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 27/नि० सं० आ०, अ० ई०-4/73-74
यतः मुझे ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अ० ई०-4, बम्बई आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से

अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० ई-3, ई-4, सर्वे सं० 41 है जो ओशिवरा गांव, जोगेश्वरी में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1—बैरामजी जीजीभाई प्रा० लि० अलाइन्स विल्डिंग, डा० डी० एन० रोड, बम्बई-1 (अन्तरक)
2. श्री मनीभाय भायलाल पटेल, 99, जवाहर नगर, गोरेगांव (अन्तरिती) (प०), बम्बई-62।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में वरसोवा के पास, गांव—ओशिवरा के सर्वेक्षण नक्शा सं० 41, ब्लॉक ई' के प्लॉट ई-3 और प्लॉट ई-4, जिनमें से प्रत्येक की माप 1248 वर्गमीटर है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4 बम्बई।

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आय-कर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन ई-4
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० अ०सं० 026/नि०स०आ०, अ० ई०-4/73-74—
यतः, मुझे, ग० सो० राव, नि० सं० आ०, अ० ई०-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० ई-21, ई-32, ई-23, ई-24 और ई-25, सर्वे सं० 41 है, जो ओशिवरा गांव, जोगेश्वरी में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बैरामजी जीजीभोय प्रा० लि० अलान्ड्स विल्डिंग, डा० डी० एन० रोड, बम्बई-11 (अन्तरक)
2. श्रीमती अनिला बैन अबालाल पटेल, 99, जवाहर नगर, गोरेगाव (प), बम्बई-62 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किये गये आक्षेपों,

यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण —मैं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में वरसोवा के पास, गांव ओशिवरा के सर्वेक्षण स० नवणा स० 41, ब्लाक 'ई' के प्लॉट ई०-21, जिसकी माप 1267-50 वर्गमीटर, प्लॉट ई०-22, जिसकी माप 1282-50 वर्गमीटर, प्लॉट ई०-23, जिसकी माप 1297-50 वर्गमीटर, प्लॉट ई०-24, जिसकी माप 1312-50 वर्गमीटर और प्लॉट ई०-25, जिसकी माप 1246 वर्गमीटर है।

ग० सो० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 16-6-73

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन ई-4,

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई 400020

दिनांक 16-6-73

निर्देश सं० अ० सं० 25/नि०स०आ०, अ० ई०-4/73-74—
यतः, मुझे ग० सो० राव, नि० स० आ० अ० ई०-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० प्लॉट स० ई०-9, ई०-10 और ई०-11, सर्वे स० 41 है, जो ओशिवरा गांव, जोगेश्वरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बैरामजी जीजीभोय प्रा० लि० अलान्ड्स बिल्डिंग, डा० डी० एन० रोड, बम्बई-1 (अन्तरक)
 2. श्री फकीरभाई सोभाभाई पटेल 99, जवाहर नगर, गोरेगांव (त) बम्बई-62। (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उप नगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में वरसोवा के पास गांव-ओशिवरा के औद्योगिक क्षेत्र के सर्वेक्षण सं० नक्शा 41, प्लॉट 'ई' के प्लॉट ई-9, जिसकी माप 1248 वर्गमीटर, प्लॉट ई-10, जिसकी माप 1248 वर्गमीटर और प्लॉट ई-11, जिसकी माप 1248 वर्गमीटर है।

ग० सो० राय,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 4, बम्बई।

तारीख : 16-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन ई-4,

आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 16 जून 1972

निर्देश सं० अ० सं० 24/नि०स०आ०, अ० ई०-4/73-74—
यतः, मुझे, ग० सो० राय, नि० सं० आ०, अ० ई०-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० ई-3, ई-4 और ई-5, सर्वे सं० 41 है, जो ओशिवरा गांव जोमेश्वरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बैरामजी जीजीभोय प्रा० लि० अलायन्स बिल्डिंग, डा०डी०एन० रोड, बम्बई-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा बेन डी० पटेल, 99 जवाहर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि को हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के वान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में, वरसावा के पास गांव—ग्रोशिवरा के औद्योगिक क्षेत्र के सर्वेक्षण नक्शा

सं० 41, ब्लाक 'ई' के प्लॉट ई-3, प्लॉट ई-4, प्लॉट ई-5, जिसकी प्रत्येक की माप 1248 वर्गमीटर है।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख 16-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आय-कर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन ई०-4,
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020।

दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 34/नि०स०आ०अ० ई०-4/73-74—
यतः, मुझे, ग० सो० राव नि० सं० आ०, अर्जन ई-4 बम्बई आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 13 ए० है, जो मौजे पहाड़ी, गोरेगांव (प०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री द्वारकादास मोहनलाल बोरा और अन्य बालासिनार सोसा प्लट सं० 30, एस० व्ही० रो० कांदिबली (प०) बम्बई-67।
(अन्तरक)

2. जयहरी कुंज, को०आ०हा०सो०लि०बी०/7, कैराली, धीतगर स्टेट, कई झोपड़ीपट्टी गौरेगांव, बम्बई-62। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में भोजे पहाड़ी, गौरेगांव (प०) में स्थित भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या अंश जिसकी प्लॉट सं० 13 ए है और जिसकी माप प्लॉट डीड के अनुसार 667-75 वर्गगज या 554-71 वर्गमीटर

समकक्ष है और जमीन की माप के अनुसार स्थल पर जाकर 595-44 वर्गगज या 497-77 वर्गमीटर के समकक्ष है।

ग० ५३० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 18-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय,

अर्जन ई०-4 आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० अ० सं० 33/नि०स०आ०, अ०ई०-4/73-74—
यतः, मुझे, ग० सो० राव नि० सं० आ०, अर्जन ई-4, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 12 है, जो भोजे पहाड़ी गौरेगांव (प०) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री द्वारकादास मोहनलाल बोरा और अन्य वालासिनार सोसायटी, प्लॉट सं० 30, एस० ह्वी० रोड, कांदीवली (प०), बम्बई 67। (अन्तरक)

2. भातृभूमि को०आ०हा०सो०लि०, ए/8, कैराली/श्रीनगर इस्टेट, गोरेगांव, बम्बई-62। कई झोपडपट्टी, (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले में मौजे पहाड़ी, गोरेगांव (प०) में स्थित भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या अंश जिसकी प्लॉट सं० 12 है और जिसकी माप टाइल डीड के अनुसार 547 वर्गगज या 457-35 वर्गमीटर के समकक्ष

हूँ और जमीन की माप के अनुसार स्थल पर जाकर 551-44 वर्गगज या 461 वर्गमीटर के समकक्ष है।

ग० सो० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 18-6-1973

अर्जन रेंज 4, बम्बई

मोहर

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय, अर्जन ई-4, आयकर भवन, महर्षि कार्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० 32/नि०स०आ०, अ०ई०-4/73-74—यतः, मुझे, ग० सो० राव, नि०स०आ०, अर्जन ई०-4, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी घर सं० (1ए) 150एएटी०सी०टी०एस०सं० 121 और सं० 79 हि० सं० 1 और 2 (भाग) सम 79(ए०) 122(भाग) है जो कुर्वा अंधेरी रोड, चकालागांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेजे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोसेफ गार्निमल फर्नांडिस, ओल्ड आश्रम, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी, बम्बई-69। (अन्तरक)
2. श्री तालुकदार भागवती दुबे और अन्य, ओल्ड आश्रम, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी, बम्बई-69। (अन्तरिती)
3. श्री तालुकदार भागवती दुबे और अन्य ओल्ड आश्रम, अंधेरी-कुर्ला रोड, अंधेरी, बम्बई-69। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जिसकी सं० (1 ए) 150 एए है, जो कुर्ला अंधेरी रोड पर उस भूमि पर खड़ा है, जिसकी सं० 79, हिस्सा सं० 1 और 2

(भाग), सर्वे सं० 79(ए)/सी०टी० एस० सं० 121 और 122 (भाग) है, और जो गांव चकला का भाग है।

ग० सो० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीख : 18-6-1973।

मोहर

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय
अर्जन-ई-4 आयकर भवन मर्हण कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० 31/नि० सं० आ०, अ० ई०-4/73-75—
यतः, मुझे, ग० सो० राव, नि० सं० आ० अर्जन ई०-4 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 59 सं० हिस्सा सं० 1, प्लॉट सं० बी० है जो कान्हेरी, बोरीविली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1972 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मीदास मुलजी सांपत, कारटेड रोड नं० 1, आपो० भाटिया गैस कंपनी, बोरिवली (पू०), बम्बई-66 (अन्तरक)
2. शाहू मेठ कन्स्ट्रक्शन कंपनी, 2/9, कालिकल स्ट्रीट, बेलार्ड पियर, बम्बई-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह टुकड़ा या अंश जो कान्हेरी, तालुका बोरिवली में है और जिसकी बम्बई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा स्वीकृत नक्शा के अनुसार प्लॉट सं० बी०, सर्वेक्षण सं० 59, हिस्सा सं० 1 है और जिसकी माप 681 वर्गगज है।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 18-6-1973

मोहर

11-126GI/73

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज कार्यालय, 60/61 एरंडवना कर्वे रोड, पूना-411004

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए० 5/दिसम्बर 72/नासिक/16/73-74—
यतः, मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13 सी० टी० एस० नं० 3641 पार्ट है, जो देवलाजी जिला नासिक में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नासिक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयन्त लक्ष्मन राजेन्द्र, गणेश भुवन, आगरा रोड, नासिक (अन्तरक)

2. (a) डा० मोहन राव ओरम

(b) डा० मिसेस० राजहास ओरम, आशानगर, नासिक रोड, नासिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 13, सी० टी० एस० नं० 3641 पार्ट क्षेत्रफल :— 808.41 वर्ग मीटर्स, देवलाली, राजेन्द्र कालनी, जिला नासिक।

जी० कृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-6-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269, घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० एल० सी० 4/73-74—यतः, मुझे, के० राजगोपालन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6/113 है, जो कलिकट-कण्णूर रोड, कललिल कुक्षु ग्रंथ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलिकट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती के० पी० पद्मावती (अन्तरक)

2. श्री ए० ए० तोमस (अन्तरिती)

* 3. स्टेनस टयर आनटूर रबबर कंपनी लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोषिकोड कलत्तिल कुमु ग्रंथ देश सं० नं० 48/1 (ग्रा०, एस० नं० 6-3-66) में दो मकान से युक्त जमीन जिसका क्षेत्रफल 0.066 हेक्टर

के० राजगोपालन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 18-6-1973

मोहर :

(जो लागू न उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक 19 जून 1973

निर्देश सं० ए०-1/जी०ए०यू०/ए०क्यू०एन०/281-82—यतः, मुझे, एन० पायुआ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 195 है, जो उलुवारी टाउन, गौहाटी आसाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गौहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के

अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विश्वनाथ मयार परलन बजार गौहाटी (अन्तरक)
2. श्री सन्कर लाल चौधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2. बिगदों जमीन उलुवारी गौहाटी जिला कामरूप, ग्राम में स्थित है। जिसका पट्टा नम्बर 195 दाग नम्बर 228 है।

एन० पायुआ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 19-6-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 19 जून 1973

निर्देश सं० 148/72-73 प्रार० आई०—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और प्लॉट सं० 17, हरलेस रोड, कोलपाक गार्डन के पास, है जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री जे० परमानंदम (अन्तरक)

2. श्री येलमार्थी नारायण राव कौडारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 17, हरलेस रोड, कोलपाक गार्डन के पास, मद्रास-10 में काली भूमि।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 19 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक 19 जून 1973

निर्देश सं० 284/72-73/आर० आई०—यतः, मुझे, के०
वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० 66, चन्द्रसेकर-
पुरम, सालै रोड, तिरुचिरापल्लि वार्ड सं० 3, ब्लाक सं० 59, टी०
एस० सं० 3682 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 15-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती सिवकाम सुन्दरी अम्माल (अन्तरक)
2. श्रीमती राजम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर सं० 66, चन्द्रसेकरपुरम, तिरुचिरापल्लि में वार्ड सं० 3,
ब्लाक सं० 59, टी० एस० 3682 में एक मकान।

के० वी० राजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख 19-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कटिनाडा

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० जे० एन० ओ० 5/(26)/72-73—यतः, मुझे,
के० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

10-1-12, असिली माल्टा जंक्शन विशाखापटनम है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 दिसम्बर, 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से सूचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) Shrimati Thai Irawathy W/o. T. Lakshmanaswamy, Retired Suptd. Engineer, Narasapur, West Godavari District. (Transferor).
- (2) Sri Tadepalli Vedantham, I.A.S., S/o Punniiah Sastry, Director of Census Operations, Hyderabad-4. (Transferee).
- (3) Sri S. S. Anand, Engineer, Hindustan Polymers, (10-1-12) Asilimetta Junction. (Person in occupation of the property).
- (4) The Administrative Officer, Hindustan Polymers Gopalapatnam Road, Visakhapatnam. (Person to whom the undersigned knows to be interested in the property).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद

में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The terraced house situated in plot 9 block No. 47 and town survey No. 1041 bearing door no. 10-1-12, Asilimetta junction of Waltair, ward of Viskahapatnam Municipality forming part of the approved lay-out plan bearing L.P.No. 218/61 measuring 707 Sq. Yards or 597.123 Sq. mts. in extent and bounded as follows :—

Measurement of bounding lines of the Plot No. 9
East :—Plot No. 10 of the approved lay out plan, boundary line, 99' or 30.18 mts.

South :—Plot No. 16 of the approved lay out plan, boundary line, 60' or 18.29 mts.

West :—Plot No. 8 of the approved lay out plan, boundary line 113' or 34.44 mts.

North :—Municipal travellers Bungalow road of Visakhapatnam Municipality.

के० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ककिनाडा

दिनांक : 15-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ककिनाडा

दिनांक 15 जून 1973

निर्देश सं० जे० एन० ओ० 5(25) 72-73—यतः मुझे, के० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 14-37-26, गोखले रोड, नूप्पिडी कालोनी, महारानीपीता वार्ड है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापट्टनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) Shrimati Vaddiparthi Seetha W/o Dr. V. Rama Rao, 31-30-38, Narayana Sr Daba Gardens, Visakhapatnam.

(अन्तरक)

(2) Shri Degala Suryanarayan Ram, S/o Ganga Raju 14-37-26, Gokhale Road, Muppidi Colony Visakhapatnam.

(अन्तरिती)

(3) Shri J. L. Narasimha Rao, Dy. Controller of Customs Visakhapatnam.

(4) Shrimati D. Sita Suryanarayana, 37-26, Gokhale Road, Muppidi Colony, Visakhapatnam.

(वह व्यक्ति जिसके अधिग्रहण में सम्पत्ति है)

जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

All that two storied building (one ground floor and 1st floor) and site with all its appurtenances, advantages, fixtures etc., bearing Dr. No. 14-37-26 Asst. No. 1765, Block No. 4, T.S. No. 138, Plot No. 24 measuring about 324 Sq. yards or 270-87 Sq. meters situated at Maharanipeta ward, Visakhapatnam. Municipality Visakhapatnam sub-Dt. along with one car garage, and the common passage measuring 203 Sq. yards, common over head tank, common ground water tank and common septic tank, common to the other twin buildings and also along with its amenities such as electricity, water tap, etc., and bounded by

East site No. 25; South Building No.1;

West Dr. Subhadradevi's building; North Gokhale Road.

के० मुन्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा ।

तारीख : 15-6-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 16-6-1973

निर्देश सं०—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर नं० 20/139, टंडनकी वारी स्ट्रीट, वजयवाड़ा-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Gudavalli Radha Subba Rao, Buddavaram, Gannavaram.

(अन्तरक)

(2) Shri Bhavineui Hanumantha, Rao Suryarao pet, Vijayawada-2.

(अन्तरिती)

(3) Shri Painuri Rama Rao, Hotel Navayuga, Vijayawada-2.

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Terraced buildings, Tiled house and site situated in the Governorpet of Vijayawada, Krishna District at Tadankivari Street, Door No. 20/139 Old Municipal ward No. 20-8/9, New Municipal ward No. 22—Revenue ward No. 9 Block No. 2—N.T.S. 13—Asst. Nos. 19209, 19210.

Boundaries for the total extent site of 450 Sq. yards or 375.533 Sq. Mts.

East.—Municipal Road.

South.—Terraced house of Mandara Hanumiah & others.

West.—Municipal Road.

North.—Municipal Road.

के० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख : 16-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं०

—यतः, मुझे,

के० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर नं० 41-3-5, कृष्णालंका, विजयवाड़ा है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकृष्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन for the Fortnight ended 31-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) Shri Gundu Koteswara Rao S/o Chaudraich, Krishnalanka, Vijaywada.
- (2) Shri Gundu Narayanaswamy, S/o Chaudraich, Krishnalanka Vijaywada.
- (3) The Andhra Bank Ltd. Vijaywada.

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति, को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Krishna District Vijaywada Sub-Registrar Krishna-lanka Vijaywada town Municipal old ward no. 19 Building and site bearing door No. 41-3-5 Sivasankarapuram New Ward No. 30 Revenue ward No. 10 Block No. 8 N.T.S. Nos. 306 & 307 Asst. No. 27561

Boundries for the site of 315 Sq. yds. or 262.950 mts.

East.—Municipal road 34' or 10.35 mts.

South.—Gundu Narayanaswamy's building or site 91'6" or 23.88 mts.

West.—Site of Mulukuttla Venaka narasimha Sastry 27' or 8.23 mts.

North.—Site Garimella Venkateswarlu 94'10" or 28.89 mts.

के० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 16-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अर्जन० ई०-3
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020

दिनांक 16 जून 1973

निर्देश सं० अर्जन/3/34/72-73:—यतः, मुझे श्री आर० जी० नेरुरकर, नि० सं० आ० अर्जन ई-3, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1417 नयन सर्वे और सी० एस० सं० 1621 माहीम बाई पदुमाबाई ठक्कर रोड लेडी जमशेटजी रोड के

सामने संभाग, दादर प्लॉट सं 58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पखवाडा को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल हसन अब्दुल हुसेन फटेही (अन्तरक)
2. (9) श्री अब्दुल भुसा भाना (8) बाई सकीनाबाई अहमद भाना।

(5) अब्बासअली अहमद भाना और (9) इस्माइल इब्राहीम रावट।

1. जानकीबाई एल० बागकर	खोली सं०	1 बी०
2. जानकीबाई एस० लेडकर	खोली सं०	2 बी०
3. बी० एम० राऊत	खोली सं०	3 बी०
4. संकटप्रसाद मिसरा	दुकान सं०	1 ए०
5. कंकुबाई रतनसी जैठा	दुकान सं०	2 ए०
6. डा० एस० एस० कानेकर	दुकान सं०	3 ए०
7. एकनाथ एस० गंगन	दुकान सं०	4
8. पुनमचंद बानाजी	दुकान सं०	5
9. रतनसी जैठा	दुकान सं०	6

10. बी० पी० कामथ	खोली सं०	7
11. आर० पी० कामथ	खोली सं०	8
12. डी० आर० नाडकर्णी	खोली सं०	9
13. छोटालाल काशीभाई पटेल	खोली सं०	10
14. माधोराव बाबुराव वासे	खोली सं०	11
15. टी० जे० सावंत	खोली सं०	12
16. आर० एस० मांजरेकर	—	—
17. यशवंत शिवराम पानसरे	खोली सं०	14
18. बालाजी एस० पौसारे	खोली सं०	15
19. वसंत कृलकर्णी	खोली सं०	16 ए०
20. गजानन यशवंत चिबुरकर	खोली सं०	16 बी०
21. नारायण दत्तात्रय चौकीदार	खोली सं०	17
22. दत्तात्रेय महादेव नाडकर्णी	खोली सं०	18
23. बापुभाई मनीभाई देसाई	खोली सं०	19

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्ण स्वामित्व और पेन्शन भूमि (मोचित) का वह तमाम टुकड़ा या अंग, उस पर खड़े वाह्य घरों आदि, किराए के घरों या निवास के घरों सहित, जो बाई पन्नाबाई ठक्कर रोड, लेडी जमशेटजी रोड के सामने, दादर में स्थित है और बम्बई के नगर और टापू और रजिस्ट्री उप-जिले में आता है। तथा माप से 362-74 वर्गगज

यानी 303-25 वर्गमीटर के समकक्ष या उसके करीब है और भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में नये सर्वेक्षण सं० 1417 अंश तथा केडैस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1621, माहिम संभाग के अंतर्गत दर्ज है और नगरपालिका दरों व करों के कलेक्टर और निर्धारक द्वारा 'जी' वार्ड सं० 4158 (1) और स्ट्रीट सं० 16-16 एफ० (पुरानी सं० 519) के अंतर्गत निर्धारित होता है। तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—अर्थात् पश्चिम और उत्तर में या और श्रीमती भिकाजी होरमसजी बनेट की सम्पत्ति तथा एक अन्य सम्पत्ति से जिसकी किसी एस० सं० 381 है, पूर्व में या और बारह फीट गली से व दक्षिण में या और कथित वार्ड पन्नाबाई ठक्कर रोड से, और जो कथित सम्पत्ति माहिम क्षेत्र की टाउन प्लानिंग स्कीम सं० 3 में सम्मिलित है और जिसे आखिरी बार प्लॉट सं० 58 (पहले की प्लॉट सं० 62) टी०एस० 3, माहिम, दी गई है।

आर० जी० नेहरूकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन 3 बम्बई।

तारीख : 16 जून 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़
का कार्यालय

तारीख 20-6-73

निर्देश सं० एल०डी०एच०/349/73-74—अतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 233-एल० माडल टाउन है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के

अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. उवे सिंह पुत्र हीरासिंह, अजीत नगर पटियाला (अन्तरक)
2. श्री प्रेम सिंह पुत्र जवनट सिंह 523 हस्पताल रोड, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा मकान नं० 233-एल० मण्डल टाऊन लुधियाना ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 20-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 20-6-73

निर्देश सं० एल०डी०एच०/350/73-74—यतः,

मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-8 टैक्स्टाईल कालोनी है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रगट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स राम लाल धर्मवीर, जी० टी० रोड, सामने पावर स्टेशन मारफत चाचा फ्लोर मिल्स, लुधियाना बजरिया राम लाल पुत्र उत्तम चन्द धर्मवीर पुत्र साई दास सकना वी-1/1387, छावनी महला लुधियाना । (अन्तरक)
- (2) एम०/स० टी०आई० ई० इंजीनियरिंग वर्क्स (रजि०) जी० टी० रोड, लुधियाना । (i) रतन सिंह पुत्र मूल सिंह (ii) ज्ञान सिंह पुत्र मूल सिंह सकना धुरी लाईन लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० ए०-8 टेक्स्टाईल कालोनी लुधियाना ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ;

तारीख : 20-6-73

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

तारीख 21-6-63

निर्देश सं० एम०जी०ए०/170/73-74— यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० बी-वी-आई० एस० 138 मोया महला सिंह पुराना मोगा है, जो मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट

नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिय सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) लक्षमण दास पुत्र महगा मल (ii) डा० मदन लाल पुत्र लक्षमण दास रेलवे रोड़, मोगा (अन्तरक) ।
2. (i) श्री मिलखी राम पुत्र जगन नाथ (ii) सुरिन्दर पाल पुत्र मिलखी राम (iii) दर्शन कुमार पुत्र मिलखी राम आफ मानूके तहसील मोगा (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान सं० बी०-बी०/आई० एस०-138, मोया महला सिंह (चौक सेखान) पुराना मोगा तहसील मोगा ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

दिनांक 21 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० जे०टी०यू/164/73-74-यतः मुझे जी०पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-VII/199, गली सिरी चन्द हजारी लाल है जो जेती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त-सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हनी चन्द पुत्र रतना मल, (ii) श्री वाग चन्द पुत्र श्री परस राम (iii) श्री मती प्रसीनो देवी पत्नी वाग चन्द मार्फत मोती राम, चक्की वाले मौर मण्डी जेती। (अन्तरक)

2. विद्या देवी पत्नी ओम प्रकाश मार्फत मदन लाल हेम राज जेती बाजार, जेती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० बी०-VII/199, गली सिरी चन्द हजारी लाल जेती।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 21-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० जे०टी०यू/165/73-74-यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० बी-VII/144, जेतौ बाजार है, जो जेतौ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतौ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-72 के पूर्वार्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वार्चित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वार्चित सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (i) श्री प्यारे लाल पुत्र निकू राम (अन्तरक)
- (ii) श्री बनारसी दास पुत्र चुनी लाल,
- (iii) श्री ओम प्रकाश पुत्र मितर सैन
- (iv) श्री बैहती राम पुत्र मितर सैन
- (v) श्री दुर्गा दास पुत्र मितर सैन

मार्फत बन्सल रेडियो हाउस चौक नं० 2, जेतौ मन्डी

श्री बालम चन्द पुत्र कालू राम मार्फत ओम प्रकाश गजा नंद बाल मुकुन्द, पनसारी, जेतौ बाजार, जेतौ। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वार्चित सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वार्चित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बी०-VII/144 जेतौ बाजार, जेतौ।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 21-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ का कार्यालय

दिनांक 21-6-73

निर्देश सं० एस० डी० एच०/239/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सुवीहम नगर है, जो लुधियाना में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-73 को पूर्वार्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के

अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री नीर चन्द पुत्र श्री साधु राम (ii) ओम प्रकाश पुत्र साधु राम, मकान नं० बी०-डी० 118, लुधियाना।

(अन्तरक)

अहस्ता फरीक चन्द समराला रोड, लुधियाना।

राम चन्द पुत्र जमना दास मकान सं० 527 मुहल्ला करीम पुर लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी- XIII 5-5/1408, सुखराम नगर, लुधियाना।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

तारीख : 21-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ का कार्यालय

दिनांक 21-6-73

सं० एल० डी० एच०/238/73-74—यतः मुझे श्री जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी माहाल भगत में प्लॉट है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रॉजट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने

के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी राम सरूप मकान नं० बी० III/710 चौक सावन, लुधियाना। (अन्तरक)
(2) श्रीमती मुमतरा पत्नी हंस राज बी—V/1078, मुहल्ला महमूद पुरा, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माहाल भगत में प्लाट तहसील लुधियाना।

खसरा नं० 6214/5331/1003

खाता नं० 1976/2336

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 21-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ का कार्यलय

दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० एल०डी० एच०/242/73-74—यतः मुझे, श्री जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 15आर, इंडस्ट्रियल एरिया है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था
ठिपाने के लिए सुकर बनाना;

20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एम०/एस० एम० एस० एस० एस० मैकेनिकल
वर्क्स, 809 इन्डस्ट्रियल एरिया-बी, लुधियाना।

(i) मनजीत सिंह पुत्र हरी सिंह (ii) सन्तोख सिंह पुत्र
प्रेम सिंह (iii) गोपाल सिंह पुत्र कपूर सिंह, (iv) अमर सिंह
प्रेम सिंह इन्डस्ट्रियल एरिया-बी लुधियाना। (अन्तरक)

(2) एम०/एस० दायना इन्डसस्ट्रीज, लुधियाना बराया
(i) तिलक राज पुत्र हुकम राय। (ii) इन्द्रजीत पुत्र देस राज,
मकान नं० 245/आर माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरिती)

और सतेन्दरा इन्डस्ट्रीज, लुधियाना बाया श्री सतेन्दर लाल
पुत्र श्री उत्तम चन्द, परोपराष्टर मकान नं० 89 आलम नगर
लुधियाना।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख
से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त
होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय

अनुसूची

प्लेट नं० 15-आर०, इन्डस्ट्रियल एरिया-बी, लुधियाना।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख:— 21-6-1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
का कार्यालय

दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० एल०डी०एच०/247/73-74—यतः मुझे, श्री
जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 238-आर
माडल टाऊन है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-1972
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० उदे सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह 3443-5, अजीत-
नगर, पटियाला (अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह पुत्र श्री जोध सिंह, 221-एल०
माडल टाउन, लुधियाना । (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 233-आर० माडल टाउन, लुधियाना ।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

मोहर :

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज,

चण्डीगढ़ दिनांक 21 जून 1973

निदेश सं० एल० डी० एच०/106/73-74—यतः, मुझे श्री
जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० बी०-IV 1641/43 मुहल्ला डकोत
है, जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1972 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जगन्नाथ पुत्र शादीराम, ऊँची गली, लुधियाना।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

- (2) श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र अमृतसरीया मल लुधियाना।
(अन्तरिती)

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षी, अर्जन क्षेत्र, भोपाल
इन्दौर, 21 जून 1973

निदेश सं० सब० रवि०/इन्दौर/31-12-72—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-IV/291, पुराना मकान नं० बी-IV/1641-43 नया मुहल्ला डकोता, लुधियाना।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चंडीगढ़

मोहर

यतः मुझे वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 5 हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती माया देवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल, 28 मेन तुकोगंज, इन्दौर। —अन्तरक

- (2) श्रीमती राजकौर पत्नी श्री मुजान सिंह ब्लाक नं० 5, हाउस नं० 7, चन्दन भवन मुराई मोहल्ला, इन्दौर।

—अन्तरिती

- (3) ऐसे 37बी फार्म के अनुसार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (43 का 1961) अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 5, हाउस नं० 7, चन्दन भवन मुराई मोहल्ला, छोटी भ्वाल टोली, इन्दौर।

व्ही के सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, भोपाल

इन्दौर 21 जून 1973

निर्देश सं० सब० रबि०/इन्दौर/31-12-72 यतः, मुझे व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लॉक नं० 10 हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण

रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेखों के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, का निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मायादेवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल, 28 मेन तुकोगंज, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष कुमारी मेहता पत्नी डा० दयानन्द मेहता, ब्लॉक नं० 10, हाउस नं० 7, चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, इन्दौर। (अन्तरिती)

(3) जैसे 37 जी फार्म के अनुसार (वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 के अध्याय 20-क) में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

ब्लाक नं० 10 हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुर्गाई मोहल्ला छोटी टोली इन्दौर खील

श्री० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख:—21-6-73

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षी कार्यालय, अर्जन क्षेत्र भोपाल

इन्दौर दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० सव० रजि०/इन्दौर/31-12-72—यतः मुझे श्री के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी ब्लाक नं० सं० हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुर्गाई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्री-अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मायादेवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल 28 मेन तुको गंज इन्दौर (अन्तरक)
2. श्री रामधन किशोरीलाल ब्लाक नं० 3 हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुर्गाई मोहल्ला इन्दौर (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसे 37 जी० फार्म के अनुसार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 3 हाउस नं० 7 चन्दन भवन

मुराई मोहल्ला, छोटी ग्वाल टोली इन्दौर

व्ही० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

अर्जन क्षेत्र भोपाल

इन्दौर, दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० रजि०/इन्दौर/31-12-72—यतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी सं० 8 ब्लाक नं०, 3 हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्थि आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माया देवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल, 28 मेन तुकोगंज, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री अमरनाथ मुन्सीराम सेठी, ब्लाक नं० 11, हाउस नं० 7, चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, इन्दौर। (अन्तरित)

(3) जैसे 37वीं फार्म के अनुसार। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति, की जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 11, हाउस नं० 7, चन्दन भवन मुराई मोहल्ला,
छोटी ग्वाल टोली, इन्दौर ।

व्ही० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-भोपाल ।

दिनांक 21-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन, क्षेत्र भोपाल

इन्दौर दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० सब० रजि०/इन्दौर/13-12-72—यतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक० नं० 12 हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती माया देवी पत्नी लेट श्री वन्सीधर अग्रवाल, 28 मेन तुकोगंज, इन्दौर । (अन्तरक)

(2) श्रीमती केशर कौर पत्नी इन्द्रसिंह, ब्लाक नं० 12, हाउस नं० 7, चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, इन्दौर । अन्तरित

(3) श्रीमती जैसे 37-वीं फार्म के अनुसार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 12, हाउस नं० 7, चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, छोटी ग्वाल टोली, इन्दौर।

श्री के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-भोपाल

दिनांक 21-6-1973

मोहर।

प्ररूप आई० टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल
तारीख 21-6-73

निर्देश सं० सब० रजि०/इन्दौर/31-12-72—यतः, मुझे, श्री० के० सिन्हा, नि० सं० आ०, अर्जन क्षेत्र भोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 14 हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती माया देवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल 28 मेन तुको गंज इन्दौर (अन्तरक)
2. श्री घनश्याम दास भगवान दास ब्लाक नं० 14 हाउस नं० 7 चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरिती)
3. जैसे 37 जी फार्म के अनुसार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 14 हाउस नं० 7 चन्दन भवन,
मुराई मोहल्ला छोटी ग्वाल टोली इन्दौर

व्ही० के सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 21-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन,
क्षेत्र भोपाल

इन्दौर, दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० सब० रजि०/इन्दौर/31-12-72—यतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन क्षेत्र भोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लॉक नं० 15 हाउस नं० 7 है जो चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावक्त 1 न का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से कम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माया देवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल 28 मेन तुको गंज इंदौर (अन्तरक)
2. तेजू मल पुत्र श्री गांगू मल ब्लॉक नं० 15 हाउस नं० 7, चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर (अन्तरिती)
3. जैसे 37 जी० फार्म के अनुसार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी द्वारा व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उद्देश्य में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 15 हाउस नं० 7, चन्दन भवन,
मुराई मोहल्ला, छोटी ग्वाल टोली इन्दौर

व्ही० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख :

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

अभिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन क्षेत्र भोपाल,
तारीख : 21-6-73

निर्देश सं० सव० रजि०/इन्दौर/31-12-72—यतः मुझे
व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
ब्लाक नं० 2 हाउस नं० 7 है जो चन्दन भवन मुराई मोहल्ला
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 20-12-72, को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिये सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माया देवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल
28 मेन तुको गंज इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री मती सुरेन्द्र कोर पत्नी श्री फुमन सिंह ब्लाक नं० 2
हाउस नं० 7 चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला इन्दौर,
(अन्तरिती)

जैसे 37 जी० फार्म के अनुसार

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये उद्देश्य-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 2 हाउस नं० 7 चन्दन भवन,
मुराई मोहल्ला इन्दौर

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 21-6-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज,
चण्डीगढ़

दिनांक, 21-6-1973

निदेश सं० एल० डी० एच०/241/73-74—यतः मुझे जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21-एल० माडल टाउन है जो लुधियाना में स्थित है और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कैप्टन शेर सिंह पुत्र श्री विशन सिंह 21-एल, माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरिक)

(2) श्री सोहन सिंह पुत्र श्री गुलाब राय 42-बी, सोरबाहा नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जावेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 21-एल०, माडल टाउन, लुधियाना।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

तारीख 21-6-1973

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आय-कर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० सब० रजि०/इन्दौर/31-12-72—यतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है, और जिसकी सं० हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर कनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

यतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माया देवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल 28 मेन तुफो गंज, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) महेन्द्रा सिंह पुत्र लेट श्री अनूपसिंह हाउस नं० 7 चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, इन्दौर। (अन्तरिती)

जैसे 37 जी फार्म के अनुसार

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरित को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 1, हाउस नं० 7, चन्दन भवन मुराई मोहल्ला, इन्दौर।

व्ही० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख 21-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269
(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन भोपाल,

दिनांक 20 जून 1973

निर्देश सं० सब० रजि०/इन्दोर/31-12-72—यतः मुझे, व्ही के सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मायादेवी पत्नी लेट श्री बन्सीधर अग्रवाल 28 मेन तुको गंज इन्दौर (अन्तरक)
2. श्रीमती गुलाब वाई पत्नी/श्री मुन्ना लाल जैन हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर (अन्तरिती)

जैसे 37 जी० फार्म के अनुसार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसे आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला छोटी ग्वाल टोली इन्दौर

व्ही० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 20-6-73

मोहर :

जो लागू न हो काट दीजिए।

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज भोपाल
तारीख 20-6-73

निर्देश सं० सब० रजि०/इन्दोर/31-12-72—
अतः, मुझे व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 13 हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6 फरवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्रवाई शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती माया देवी पत्नी स्वर्गीय श्री बन्सीधर अग्रवाल 28 मेन लुको गंज इन्दौर (अन्तरक)
2. श्रीमती चन्द्रकान्ता पत्नी श्री प्रधुमन लाल सिक्का हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर (अन्तरिती)
3. जैसे 37 जी० फार्म के अनुसार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्रवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि

बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 13, हाउस नं० 7 चन्दन भवन
मुराई मोहल्ला छोटी ग्वाल टोली इन्दौर।

श्री० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 20-6-73
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एम०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन क्षेत्र भोपाल
भोपाल, दिनांक 20 जून, 1973

सं० सब० रजि०/इन्दौर/31-12-72—यतः मुझे, श्री० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 9, हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-73 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माया देवी पत्नी स्वर्गीय श्री बन्सीधर अग्रवाल 28 मेन तुको गंज इन्दौर (अन्तरक)
2. श्रीमती रामकनवर बाई पत्नी श्री कन्हैया लाल वर्मा ब्लाक नं० 9, हाउस नं० 7 चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरिती)
3. जैसे 37 जी० फार्म के अनुसार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,

यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 9, हाउस नं० 7 चन्दन भवन,
मुराई मोहल्ला छोटी ग्वाल टोली इन्दौर।

श्री० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 20-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 29 जून 1973

सं० सब० रजि०/इन्दौर/15-1-73—यतः, मुझे श्री० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 6, हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं:—

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माया देवी पत्नी स्वर्गीय श्री बन्सीधर अग्रवाल 28 मेन तुको गंज, इन्दौर (अन्तरक)
2. श्री बाबु लाल नंद राम जी गुप्ता ब्लाक नं० 6, हाउस नं० 7 चन्दन भवन मुराई मोहल्ला इन्दौर (अन्तरिती)
3. जैसे 37 जी० फार्म के अनुसार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

15—126GI/73

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ब्लाक नं० 6, हाउस नं० 7 चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, (इन्दौर) छोटी ग्वाल टोली इन्दौर ।

व्ही० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 21-6-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून, 1973

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1ए० (4)/19(93)/72-73—यतः, मुझे, पी० के० शरन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० बी०-19 है जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सीता राम सुपुत्र श्री बाल मुकुन्द (2) श्री रामजी लाल और (3) श्री किशन कुमार सुपुत्र श्री सीता राम, निवासी म० नं० 9884, गली नं०-5, मुलतानी ढांढा, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एस० हिम्मत सिंह सुपुत्र श्री एस० प्रेम सिंह और (2) श्रीमती बुद्ध कौर पत्नी श्री एस० प्रेम सिंह निवासी म० नं० 11799, गली नं० 6 सत नगर, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों,

यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. 1/2 मंजिला इमारत जो कि प्लॉट नं० 19, ब्लाक बी०, कीर्ति नगर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 530 वर्गगज है जो कि गांव बसाई दारापुर, देहली स्टेट दिल्ली में है इस प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : मकान जो कि प्लॉट नं० बी०-20 पर बन रहा है

पश्चिम : प्लॉट नं० बी०-18 जो कि बन रहा है

उत्तर : लैन

दक्षिण : सड़क 30 फुट

पी० के० शरण,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 22 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/ए०(5)/23(97)/72-73—यतः मुझे, पी० के० शरण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 25 क्लास 'डी' रोड नं० 10 है, जो पंजाबी बाग, देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत

विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोहिन्दर नाथ चोपड़ा पुत्र श्री जगत राम चोपड़ा, निवासी एम-70 कीर्ति नगर नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती हरजीत कौर पत्नी श्री गुरदियाल सिंह, निवासी गांव शेरपुर डाकखाना नकोदर, जिला-जालंधर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 25 क्लास 'डी' रोड नं० 10 पंजाबी बाग में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 279.55 वर्गगज है, जो कि गांव बसाई दारापुर में है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर —सर्विस लेन
दक्षिण —रोड नं० 10
पूर्व —प्लॉट नं० 23
पश्चिम —प्लॉट नं० 25 ए०

पी० के० शरन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जून, 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/ दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० क्यू० 1/स० र० 1/मार्च (1)/2 (7)/73-74—यतः मुझे, श्री पी० के० शरन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी 1/5 है, जो माडल टाऊन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) जवाहर लाल तथा
(2) मदन मोहन पुस्तगण श्री कृष्ण
साल, निवासी डी० 13/5, माडल टाऊन
दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह पुत्र श्री मलिक सिंह व
(2) श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी श्री
मोहन सिंह, निवासी डी० 3/16, माडल
टाऊन दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,

यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट नं० डी० 1/5, माडल टाऊन दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 460 वर्गगज है और जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व —मकान, प्लॉट नं० डी० 1/6 पर
पश्चिम —मकान, प्लॉट नं० डी० 1/4 पर
उत्तर —मकान, प्लॉट नं० डी० 5 पर
दक्षिण —सड़क

पी० के० शर्मा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22 जून 1972
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
धारा घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली ।
दिनांक 22 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० क्यू० 1/मार्च 1/सं० 1/22 (74)/73-74—यतः, मुझे, पी० के० शर्मा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ए० 2/24 है, जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-3-1973 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर, बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) नन्दलाल बजाज (2) हरी राम बजाज (3) बेनी प्रसाद बजाज व (4) पुरुषोत्तम लाल बजाज पुत्रगण श्री तारा चन्द बजाज, निवासी 8/1, बालमुकन्द मेकर रोड कलकत्ता-7 (अन्तरक)
2. (1) श्री मति सावित्री देवी अग्रवाल पत्नी श्री अर्जन दास अग्रवाल गांव तथा डाकखाना सातरोड कलान, जिला हिसार व (2) श्रीमती आत्मादेवी पत्नी श्री जयनारायण अग्रवाल, गांव तथा डाक-खाना सातरोड-कलान, जिला हिसार (अन्तरिती)
3. श्री नाथ धोबी प्रेसवाला (वह व्यक्ति ए० 2/24, माडल टाऊन दिल्ली जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट नं० ए० 2/24, माडल टाऊन दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 454 वर्गगज है तथा जो कि निम्नलिखित प्रकार से चिरा हुआ है :—

उत्तर	—प्लॉट नं० ए 2/23ए
दक्षिण	—प्लॉट नं० ए 2/24ए
पूर्व	—प्लॉट नं० ए 2/19
पश्चिम	—सड़क

पी० के० शरण,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० क्यू० 1/ए०(4)/7(18)/72-73—यतः मुझे पी० के० शरण, आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 30/30 है, जो वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधुन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

और अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती भागू बाई उर्फ भगवन्ती टन्डन बेवा
दिवान बलदेव सहाय टन्डन निवासी 30/30
ए० वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली द्वारा
श्री ओम प्रकाश त्यागी, जनरल अटारनी। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सरोज पत्नी ओम
प्रकाश त्यागी तथा (2) श्री श्याम
बिहारी पुत्र श्री कल्याण सिंह निवासी
30/30, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

मकान नं० 30/30 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली मय लीज राइट्स के 100 वर्ग गज भूमि पर जिस पर यह मकान बना है जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर —म० नं० 30/30ए०

दक्षिण —म० नं० 30/29

पूर्व —खुला मैदान और म्युनिसिपल शबूतरा व सड़क

पश्चिम —सविस लैन

पी० के० शरण,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 22 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० क्यू० 1/एस० आर०-1/मार्च
1/29 (96)/73-74—यतः, मुझे, पी० के० शरण, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6/39-40 है, जो विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री विश्वानाथ पुत्र श्री चुन्नी लाल द्वारा (अन्तरक)
श्री हरबंस सिंह पुत्र श्री नरजन सिंह
पंजीकृत आय मुख्तियार निवासी 6/20
विजय नगर डबल स्टोरी, दिल्ली
2. श्री दौलत राम पुत्र श्री सन्त राम, (अन्तरिती)
निवासी 6/39-40, विजय नगर
डबल स्टोरी, दिल्ली

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद

में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

क्वाटर नं० 6/39-40 विजय नगर डबल स्टोरी, दिल्ली जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर — सड़क
दक्षिण — खुला
पूर्व — मुश्तरका सीढ़ियां
पश्चिम — सरकार द्वारा प्रापटी

(पी० के० शरण),
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जून, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

तारीख 22 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/ए० (4)/14
(59) 73-74—यतः मुझे, पी० के० शरण, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/4ए है जो सिंह सभा रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी श्री जोगिन्दर (अन्तरक)
सिंह निवासी 5/4ए, सिंह सभा रोड,
सब्जी मंडी, दिल्ली
2. श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी (अन्तरिती)
सरदार खजान सिंह निवासी 5/4ए
सिंह सभा रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इसे स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2.1/2 मंजिला मकान नं० 5/4ए रोशनआरा ऐक्स्टेंशन स्कीम, सिंह सभा रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली जो कि 106-1/2 वर्ग गज भूमि पर बना हुआ है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर — गली
दक्षिण — गली
पूर्व — 1/2 भाग प्लॉट नं० 4, जो कि 5/4बी के नाम से जाना जाता है
पश्चिम — प्लॉट नं० 3

(पी० के० शरण),

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख 22 जून, 1973 अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1 मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

तारीख 22 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/ए० (6)/12 (36)/73-74—यतः, मुझे पी० के० शरण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी

सं० डी/21 ए बी है, जो विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसका उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनोहर लाल पुत्र श्री जुमा राम चावला (अन्तरक) निवासी डी 21/ए बी, विजय नगर, नई दिल्ली
2. श्रीमती रामप्यारी पत्नी श्री लालचन्द (अन्तरिती) निवासी डी/21, ए बी, विजय नगर दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

क्वाटर नं० डी/21 ए बी, विजय नगर, दिल्ली जो कि 200 वर्गगज लीज होल्ड भूमि पर बना हुआ है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर	—	क्वाटर नं० 22-डी मालिक श्री भगवान दास
दक्षिण	—	क्वाटर नं० 20-डी० श्री लाजपत राय
पूर्व	—	लैन
पश्चिम	—	सड़क

पी० के० शरन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जून, 1973

निर्देश सं० आई०.ए०.सी०/एक्यु० 11/—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० शून्य है, जो गांव तितारपुर, राजीरी गांव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, (अन्तरक)
40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली
2. श्रीमती निर्मला रानी पत्नी श्री जतिन्दर (अन्तरिती)
सैन निवासी बी-1/6, राजौरी गार्डन
एक्सटेंशन, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,

यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसके सा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि एक जमीन का खाली प्लाट है और जिसका क्षेत्रफल 249.4 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी राजौरी गार्डन, तीतारपुर, नई दिल्ली में स्थित है, निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

- पूर्व में — अन्य भूमि
पश्चिम में — सड़क
उत्तर में — प्लाट नं० जे-13/20
दक्षिण में — अन्य की भूमि

और जो जै 13/20 के साथ का प्लाट है

(च० वि० गुप्ते),

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 22 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

तारीख 21 जून, 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/आई० ए० सी०/एक्यु० 11,
(बी०-2)/73-74—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10 है, जो रोड नं० 12 पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विद्या वती देवा श्री बनारसी दास (अन्तरक)
मोहल्ला हपा मिस्तरी लुधियाना, पंजाब
2. श्री रवीन्द्र नाथ गुप्ता पुत्र श्री बिशन चन्द (अन्तरिती)
गुप्ता, 73 जी० बी० रोड, दिल्ली
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1123.32 वर्गगज है जो कि प्लॉट नं० 10 रोड नं० 12 क्लाश ए पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है गांव शकूर पुर जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर —बचा हुआ हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 1123.32 वर्गगज है जिसका प्लॉट नं० 10 है

दक्षिण —प्लॉट नं० 12

पूर्व —सर्विस लैन

पश्चिम —रोड नं० 12

चं० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज— 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 21 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 21 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० II (बी-2)/73-74—
यतः मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10 है, जो रोड नं० 12 पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इस के उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विद्या वती बेवा श्री बनारसी दास (अन्तरक)
मोहल्ला रूपा मिस्तरी लुधियाना पंजाब
2. श्री सतीश कुमार पुत्र श्री अमर नाथ, (अन्तरिती)
73, जी० बी० रोड, दिल्ली

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1123.32 वर्गगज है जिसका नं० 10 रोड नं० 12 कलाश ए० पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है गांव शकूर का एरिया जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर —प्लॉट नं० 10 बचा हुआ भाग जिसका क्षेत्रफल 1123.32 वर्गगज है

दक्षिण —प्लॉट नं० 12

पूर्व —सर्विस लैन

पश्चिम —रोड नं० 12

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),

तारीख 21 जून, 1973 अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1 मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

तारीख 21 जून, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एव्यू०/—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 रोड सं० 40 है जो पंजाबी बाग देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. रबबीर सिंह सभरवाल सुपुत्र श्री मेहरचंद (अन्तरक)
सभरवाल निवासी 46 बी० राजन बाबू रोड
आदर्श नगर नई दिल्ली

2. श्री शंकर दास सुपुत्र श्री किरोरी राम (अन्तरिती)
निवासी जे०-60 किर्ती नगर, नई दिल्ली

3. श्री मनोहर लाल सुपुत्र हरीचन्द (वह व्यक्ति
65 देशबन्धु गुप्ता मार्केट नई दिल्ली जिसके अधि-
निवासी मकान नं० 9 रोड नं० 40 भोग में
पंजाबी बाग, नई दिल्ली सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो कि पंजाबी बाग में है और इसका नं० 9 सड़क नं० 40 और क्षेत्रफल 279.37 वर्गगज है और इस प्रकार स्थित है :—

उत्तर —सड़क नं० 40

दक्षिण —सर्विस लैन

पूर्व —प्लॉट नं० 7

पश्चिम —प्लॉट नं० 11

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 21 जून, 1973 अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

तारीख 21 जून, 1973

निर्देश सं० आर्ह० ए० सी०/एक्यू० II/---यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 रुपए से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 497 है, जो साहिबाबाद दौलतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदयाल सिंह सुपुत्र श्री हरभजन (अन्तरक)
निवासी गांव साहिबाबाद, दौलतपुर ।

(2) विजय कुमार गोयल (म) (अन्तरिती)
सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण द्वारा श्री
लक्ष्मी नारायण, निवासी मकान नं० 1665
कच्चा दकनी रोड, दरिया गंज, देहली ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आरोप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जो कि 28 बीघा 13 बिसवार है और जो गांव साहिबाबाद दौलतपुर में है ।

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख : 21 जून, 1973 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय,
आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग, बम्बई-400020,

दिनांक 23 जून, 1973

निर्देश सं० आई०- 2/67/78/72-73--यतः, मन्त्रे, श्री न०६० अन्व.पिया, नि०स०आ०, अ०ई-2 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 320(अंश)-323(अंश), 321 (अंश), 318 (अंश), सं० नं० 66 (अंश), 79 (अंश), 65 (अंश), 65(अंश), वाडवली ग्राम चेंबूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री व्हायलेट, लुईस राडिगस् (अवयस्क)
2. ग्रेसी लुईस राडिगस् प्रतिपालक द्वारा
3. कथरिन लुईस राडिगस् (अन्तरक) बर्नाडेट लुईस (अन्तरिती)

श्री नवभारत अगार्टेपेन्टस् को०आ०हा० राडिगस्
सी० लि० संमुख लमशी कालनी, चेंबूर, (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

परिशिष्ट 'अ'

4. सम्पत्ति में हितबद्ध व्यक्ति :

1. फ्रांसिस जोजेक राडिगस्
2. डामनिक फ्रान्सिस राडिगस्
3. पावलिन
4. अन्मलिन डिमेलो
5. बर्नाडिथ
6. गारिथा
7. व्हायलेट
8. ग्रेसी
9. कथरिन
10. जान डिसोजा
11. अन्थनी
12. विषीयम
13. पट्राईड
14. इसर्ट
15. जोहाराब फर्नांडिस
16. अलोमिया राडिगस्
17. अलिस डिसोजा
18. फिलोमीना सिल्हविया
19. डामनिक लुईस राडिगस्
20. एडवर्ड राडिगस्
21. रोइनी लारेंस
22. खेमचन्द नारायण दास सजनानी
23. देवानन्द घनश्यामदास

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये

जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

परिशिष्ट "ब"

अनुसूची "अ"

वह सब भूमिखण्ड अथवा भाग अथवा जमीन जो बृहत् बम्बई के वाडवली ग्राम चेंबर बम्बई ग्रामीण जिला तालुका कुर्ला और जो रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा बम्बई में स्थित है और जो मापानुसार क्षेत्रफल लगभग 18000 वर्गगज अथवा 15907-44 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है और जिसकी सर्वेक्षण सं० और हिस्सा सं०:—

सर्वेक्षण सं०	हिस्सा सं०
64	2
65	1
65	3
66	---
79	---

अनुसूची "ब"

वो सब भूमिखण्ड अथवा भाग अथवा जमीन जो बृहत् बम्बई के वाडवली ग्राम चेंबर, बम्बई ग्रामीण जिला तालुका कुर्ला और जो रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा बम्बई में स्थित है और जो मापानुसार क्षेत्रफल लगभग 14000 वर्गगज अथवा 12601-44 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है और जिसकी सर्वेक्षण सं० और हिस्सा सं० निम्नलिखित हैं:—

सी० टी० एस० सं०	सर्वेक्षण सं०	हिस्सा सं०
320 (अंश)	66 (अंश)	---
323 (अंश)	79 (अंश)	---
321 (अंश)	65	3 (अंश)
318 (अंश)	65	1 (अंश)

न० द० अन्जारिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 23-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज का कार्यालय, 60/61, एरंडवना,
कर्वे रोड, पूना

पूना 41100, दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए० 15/दिसम्बर/72-हवेली ii/31/73-74
—यतः, मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० सं० नं० 971 है, जो शिवाजी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तयपाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेनके लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पुरुषोत्तम नरसिंगराव शिरोले,
261/262 शिवाजी नगर पूना-5 (अन्तरक)
2. श्रीमती स्नेहलता, शरद हर्डिकर
1206, सदाशिव पेठ पूना, नं० 30 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूना टी० पी० स्क्रीम क्र० 9,
शिवाजी नगर, फायनल प्लार नं० 401,
सी० एस० नं० 971, अट्टाइस गुंठा क्षेत्र दखन बाजू में
सीज होल्ड

जी० कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

तारीख 22, जून 1973

अर्जन रेंज, पूना

मोहर :

17—126GI/73

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कार्यालय,

60/61, एरंडबना, कर्वे रोड, पूना-411004

दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं सी० ए०/5/दिसम्बर/72/सोलापुर/20/73-74-यतः, मुझे, जी० कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 3523 है, जो सोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारायण ग्यानबा भगारे,
गवर्नमेन्ट अस्पताल के नजदीक,
रायचूर। (अन्तरक)
2. श्रीमती कमला बाई दत्तामय विंकापूर
545, पूर्ण मंगलवार, सोलापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी० सं० नं० 3523 सोलापुर, कारपोरेशन के क्षेत्र में फ्री होल्ड

जी० कृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 21/6/73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कार्यालय

60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004,

दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए०/5/दिसम्बर-1972-हवेली-II/29/73-74:—यतः, मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 127 कोथरुड, हिस्सा नं० 1 ए/2, कोथरुड, है, जो कोथरुड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II 21-6-72 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन—को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती के० एन० लिमये,
एरंडवना, पूना-4 (अन्तरक)
2. श्री जयन्त बी० रोहा,
दौलत कन्स्ट्रक्शन कं० नाना पेठ,
(358), पूना-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 127, हिस्सा क्र० 9-अ/2, एक एकड़ में 1/2 अ विभाजक भाग खुल क्षेत्र कोथरूड, जिला—पूना।

जी० कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
तारीख : 22 जून 1973 अर्जन रेंज, पूना
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षक का कार्यालय
अर्जन रेंज, II 123 माउन्ट रोड

मद्रास

मद्रास, 600006 दिनांक 22 जून 1972

निर्देश सं० 140/72-73—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 7022, ब्लॉक सं० 112, डोर सं०, 25, रामन स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास, में चार ग्राउंड्स और 2388 स्क्वायर फीट काली भूमि और मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन 1-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० एस० जम्बू रामस्वामी (अन्तरक)

2. श्री यू० एच० नारायणन और

श्रीमती यू० ए० नारायणन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नया सर्वे टी० एस० सं० 7022, ब्लॉक सं० 112, डोर सं० 25, रामन स्ट्रीट, त्यागरायनगर, मद्रास में चार प्राउन्ड्स और 2388 स्क्वायर फीट काली भूमि और मकान।

ए० रागवेन्द्रा राव,

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख : 22 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, हुबलि

दिनांक 20 जून 1973

निदेश सं० 4/73-74/एच० एक्व०—यतः, मुझे, आर० पार्थसारथि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं०..... है, जो मडगांव (गोवा) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव (गोवा) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 11, दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डा० जोर्वा मानवेल पावको डि फिगराडो और श्रीमती मरीया अलसीना, द रोचा पिटो डि फिगराडो, पणजि (गोवा)। (अन्तरक)

2. श्री बेनेडीक्टो दा कोस्टा, मडगांव (गोवा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(भारत सरकार)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

कार्यालय

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रैंज, कमला भवन,

भगवानदास रोड, जयपुर

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दिनांक 22 जून 1973

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० ए०-4/72(3)/2/611 यतः मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 410/23 है जो केशर गंज अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचित में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

अनुसूची

मडगांव में स्थित खेती जमीन—“कटबोना नोवा डी सोक्लेम कांडोलिम” का वर्णन ल्यांड रजिस्ट्रार आफिस में पुराना सं० 8804 में है। और इसका नामकरण रेवेन्यू आफिस के सं० 784 में “वांलाडो” नाम से है।

विवरण :

पूर्व में : गट्टर

पश्चिम और उत्तर में : मडगांव कमुनीडाडे का “सोक्लेम कांडोलिम” सरोवर है।

दक्षिण में : सार्वजनिक रास्ता।

आर० पार्थसारथि

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रैंज, हुबलि

तारीख : 20 जून 1973

मोहर :

(जो लागू न हों उसे काट दीजिए)

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः एवं अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बल्लभ कुमारी पति ठाकुर श्रींकार सिंह राजपूत, बागसूरी हाउस, जयपुर रोड, अजमेर

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द पुत्र हुकमी चन्द जैन केशर गंज, अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना पर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान ए० एम० सी० नम्बर 410/23/केशर गंज, अजमेर।

एस० सी० पराशर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 22/जून/1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर, आयुक्त का (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, कमला भवन,

भगवान दास रोड, जयपुर

दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० जे०-3/72(3)/1/963—यतः मुझे, एस० सी०

पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-2 है जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 दिसम्बर 1972, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए राजस्वीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए हैं।

अतः एवं धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाल भाई उपनाम बालाबक्ष सोमानी पुत्र बुधमल बहसियत स्वयं एवं कर्ता हिन्दू संयुक्त परिवार (अन्तरक)

2. श्री राजकुमार डागा पुत्र श्री बी० डी० डागा 14 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

दो मंजिला बंगला, क्षेत्रफल 529.6 वर्गगज, ई०-2 गोखले मार्ग, सी०-स्कीम, जयपुर का दक्षिणी भाग।

एस० सी० पराशर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 22-6-73

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 से (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय कमला भवन,

भगवानदास रोड, जयपुर

दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० जे०-3/73(2)/92/140—यतः मुझे, एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई०-2 है जो गोखले मार्ग, सी०-स्कीम, जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, जनवरी 28, जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत

विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बालू भाई उपनाम बाला बक्ष सोमानी
(अन्तरक)
2. श्री राजकुमार डागा पुत्र श्री बी० डी० डागा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ई०-2 गोखले मार्ग, सी० स्कीम पर स्थित मकान का उत्तरी भाग जिसका कि क्षेत्रफल 430 वर्गगज है।

एस० सी० पराशर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 22/6/73

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय

60/61, एरंडवना, कर्बे रोड,

पूना-411004

दिनांक 19 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए० /5/दिसम्बर/सोलापुर/17/73-74—
यतः, मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नंबर 280/आई० बी० आई० है, जो सोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30/12/1972 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर

देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसार में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहमद हनीफ अहमदसाहेब कारीगर 18 सिबील लाइन्स सोलापुर

(अन्तरक)

2. श्री अम्बालाल पुरुषोत्तम पटेल 189 गोल्ड फिच पेठ सोलापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिगर खेती की जमीन सर्वे नं० 280/1वीI/खुली जगह
क्रेल : 43560 स्के० फीट' सोलापूर, कार्पोरेशन के क्षेत्र में।

जी० कृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-6-1973
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज कार्यालय, 60/61, एरंडवना,
कर्वे रोड, पूना-411004

दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए०/5/दिसम्बर 1972/हवेली-II/25/73-74—
यतः, मुझे, जी० कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० स० क्र० 128 कोथरूड है, जो कोथरूड, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामचन्द्र महादेव धर्तक, 917/23, गणेश वाडी, पूना-4 (अन्तरक)

2. श्री ए० जी० पंडित, 61/24 एरंडवना, पूना-5 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स० क्र० 128 भाग दो कोथरूड।

जी० कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 22-6-1973
मोहर

प्रमाण आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- कार्यालय,

60/61, एरंडवना, कर्वे रोड,

पूना-411004

दिनांक 20 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए०/5/दिसम्बर 1972/नासिक/19/73-74—
यतः, मुझे, जी० कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 सर्वे नं० 116-सी०, पोट हिस्सा-
नं० 2/1 है, जो देवलाही, तहसिल नासिक, पोट हिस्सा नं० 2/1-बी/5
में स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नासिक
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 30-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के
लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (a) श्री गोविन्द विठल मेहन्दले

(b) श्रीमती मालिनी गोविन्द मेहन्दले नासिक
रोड, नासिक (अन्तरक)

2. श्री रामसिन्हा शिवचरन सिन्हा, इन्द्रप्रस्थ कालोनी,
उपनगर, नासिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5, म० नं० 116-सी०, पोट हिस्सा नं० 2/1,
पोट हिस्सा नं० 2/1-बी/5, देवलाही, तहसिल नासिक।

जी० कृष्णन

सूक्ष्म अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-6-1973

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ/के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज कार्यालय,

60/61, एरंडबना, कर्वे रोड,

पूना-411004,

दिनांक 22-6-1973

निर्देश सं० सि० अ०/दिसम्बर '72/हवेली/24/73-74—यतः मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 65, धोरपुरीपुनाशहर है, जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना,

आर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(a) श्री नरेन्द्र अनन्तराव मुदलीयार।

(b) श्रीमती इंदीराबाई अनन्तराव मुदलीयार।

(c) श्रीमती सुनंदाबाई नरेन्द्र नाथ मुदलीयार व्यंकटेश बाग, पोप रोड, धोरपुरी, पूना। (अन्तरक)

2. (a) श्री के० अम० दस्तूर, (b) श्रीमती मनी केकी दस्तूर 29 कोरेगांव पार्क, पूना। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 65 धोरपुरी, पूना सिटी

क्षेत्रफल : 10 एकड़

तारीख: 22/6/73

मोहर

जी० कृष्णन,

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज कर्वे रोड पूना-411004,

दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० सी० अ० 5/दिसम्बर '72/थाना/22/73-74—यतः मुझे जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 359 हिस्सा नं० 2 पंच पाखंडी है, जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चायिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —

1. (a) श्रीमती ट्रीक्षा रीटा सी० अलमेडिअः (b) श्री जेम्स टामस अलमेडिअ, पंच पाखंडी, थाना। (अन्तरक)

2. (a) श्रीमती हिरूबाजी किसन कोली,
(b) श्री चिनामन किसन कोली,

(c) श्री कान्तीलाल किसन कोली,

(d) चन्द्रकान्त किसन कोली,

(e) पुरुषोत्तम किसन कोली, 130 रेताबन्दर रोड, थाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निबंध जमीन, सं० नं० 359, हिस्सा नं० 2, पंच पाखंडी, थाना क्षेत्रफल—1966 वर्ग यार्ड्स।

जी० कृष्णन, सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 22-6-73

मोहर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज कार्यालय,

69/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004,

दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० सी० अ० 5/दिसम्बर '72/सिस्वर/21/73-74—यतः मुझे जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 77 है, जो कोलगाव मल तह० सिन्नर, जि० नासिक में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिन्नर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसार में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री फट्टू लालभाओ पटेल कोलपेवाडी, तय-कोपरगाव जि: अहमदनगर। (अन्तरक)

2. श्री कुन्दनमल अ० बोरा सिन्नर (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेत जमिन, प्लॉट नं० 77 कोलगावमल, तहसिल-सिन्नर, जिला नासिक।

जी० कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 22-6-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर अर्जन रेंज, पूना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय,

अर्जन रेंज 60/61, एरंडवना, कर्वे रोड,

पूना-411004, दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० सी० अ० 5/दिसम्बर 72/थाना/23/73-74—

यतः, मुझे जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 237, हिस्सा नं० 4/1 है, जो पन्चपाखडी, थाना में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण भेजे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयन्तीलाल त्रिभूवनदास थानावाला, थाना (अन्तरक)।

2. थाना हिल-टाप को-आप हाऊसिंग सोसायटी थाना (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती परा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिगर खेती प्लॉट सं० नं० 237, हिस्सा नं० 4/1 फन्चपाखडी, थाना, तहसिल थाना।

क्षेत्रफल—3777.50 वर्ग याड्स

जी० कृष्णन,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 22/6/73

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर

अर्जन रेंज, पूना

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

कार्यालय, 60/61 एरडवना, कर्वे रोड,

पूना-411004, दिनांक 19 जून 1973

निर्देश सं० सी० अ०/5/दिसम्बर/सोलापूर/17/73-74—यत्, मुझे जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० नंबर 280/आई० बी० आई० है, जो सोलापूर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलापूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30/12/1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद हनीफ अहमदसाहेब कारीगर, 18 सिन्हील लाइन्स सोलापुर (अन्तरक)।

2. श्री अम्बालाल पुरुषोत्तम पटेल, 189 गोल्डफिचपेट सोलापुर (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिगर खेती की जमीन सर्वे नं० 280/आई० बी० आई० खली-जगह।

क्षेत्र—43560 स्के० फीट, सोलापुर कॉर्पोरेशन के क्षेत्र में।

जी० कृष्णन,

रक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 19 जून 73 मोहर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 60/61 एरंडवना कर्वे रोड,

पूना-411004

दिनांक 22 जून 73

निर्देश सं० ए० सी० ओ० 15/बिसम्बर 1972 हवेली II/26/73-74 —यतः, मुझे जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ने अधिक है और जिसकी सं० फ० 128 कोथरुड है, जो कोथरुड पूना में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली II पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामचन्द्र महादेव वर्तक 917/23 ए० गणेश वाडी पूना-4 (अन्तरक)

2. ए० जी० पंडित 61/24 एरंडविना पूना-5 अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० क्र० 128 भाग दो कोथरुड फ्री होल्ड

खुला क्षेत्र 37109 स्के० मीटर्स

जिसका विवरण फायन में R शब्द से दिखाया गया है।

जी० कृष्णन,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 22 जून 1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर :

अर्जन रैंज, पूना

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय (निरीक्षण),

अर्जन रैंज, 60/61, एरेंडवना, कर्वे रोड,

पूना-411004

दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए०/5/विसम्बर 1972 हवेली II 27/73-74

यतः मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,

यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० स क्र० 128 कोथरुड है, जो कोथरुड, पूना में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामचंद्र महादेव तंक 917/23 ए गनेश वाडी पूना-4 (अन्तरक)
2. श्री ए० जी० पंडित 61/24 एरेंडवना पूना-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी

अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० क्र० 128 भाग दो कोथरुड।

फ्री होल्ड प्लॉट पूना क्षेत्र 3710.9 ट० के० मीटर्स

जी० कृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 22-6-73

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय,

60/61, एरंडवना कर्वे रोड,

पूना-411004

तारीख 22-6-73

निर्देश सं०सी०ए०/5/दिसम्बर 1972 हवेली II 29/13-74—
यतः मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 127 कोथरुड हिस्सा नं० 1ए/2 कोथरुड है, जो कोथरुड में स्थित है और (इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे 19—126GI/73

दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसार में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० डब्ल्यू० लिममे एरंडवना पूना (अन्तरक)
2. श्री जयंत बी० राहा दौलत कन्स्ट्रक्शन कं० नाना पेठ (358) पूना 2 (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 127 हिस्सा क्र० अ/2

एक एकरेम, 1/2 विभाजक भाग खुला क्षेत्र कोथरूड जिला पूना

जी० कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
तारीख 22-6-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर अर्जन रंज, पूना

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयुक्त आयकर, अर्जन रंज,
कमला भवन भगवानदास रोड, जयपुर

दिनांक 23 जून 9173

निर्देश सं० जे० 3/72(2)/8/1134—यतः मुझे, एस०सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० 12, पृथ्वी राज रोड है जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1972, दिसम्बर 7 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, ऐसे दृश्यमान प्रकृतफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट

नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ललिता डे विधवा श्री रतिनाथ डे, राजपूत (अन्तरक)

2. श्री गिरिराज जी, किशन जी, हरिबल्लभ जी पुत्र श्री कन्हैया लाल, घाटीवाला, जयपुर (अन्तरिति)

3. श्री प्रेम चन्द जी छाबड़ा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर सी० 12, पृथ्वीराज रोड, चौकड़ी हवाली शहर, सी-स्कीम, जयपुर, कुल क्षेत्रफल 5431 वर्गगज, बने हुए क्षेत्र का क्षेत्रफल 412-1/9 वर्गगज एवं खुले भाग का क्षेत्रफल 5018-8/9 वर्गगज है।

तारीख 23-6-73

मोहर

एम० सी० पराशर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

परूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर, आयुक्त का कार्यालय अर्जन रेंज
कमला भवन, भगवान दास रोड, जयपुर

दिनांक 23-6-1973

निर्देश सं० जे० 3/72(3)/18/1141—यतः मुझे एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 2, न्यू कालोनी है जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 19, 1972, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के

अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मंसूर गोयल संस, एम० आई० रोड, जयपुर, द्वारा उनके हिस्सेदार

1. श्री लून करण मोयल पुत्र श्री सुखराम

2. श्रीमती आनन्दी देवी पत्नी श्री एस० एस० गोयल

3. श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री एम० सी० गोयल,

4. श्री जोगेन्द्र गोयल पुत्र श्री एस० एस० गोयल भगत भवन, एम० आई० रोड जयपुर। (अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र कुमार मेहता पुत्र श्री नाना लाल मेहता निवासी मनोहर भवन, एम० आई० रोड जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों तर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 2, क्षेत्रफल 151.1 वर्गगज, गोपीनाथ मार्ग, पशु चिकित्सालय के पास, न्यू कालोनी, जयपुर।

एस० सी० पराशर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर,

मोहर

तारीख : 23-6-73

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर, आयुक्त का कार्यालय अर्जन रेंज
कमला भवन, भगवान दास रोड, जयपुर

दिनांक 23-6-1973

निर्देश सं० जे०-3/72(3)/25/1148-यतः मुझे एस० सी० पराशर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० कृषि भूमि खसरा नम्बर 25 है जो बदरवास (जयपुर) में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 दिसम्बर 1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के

अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भागीरथ मिह पुत्र श्री ठाकुर जसवंत सिंह राजपूत नि० जगतपुरा बजरिए मुक्तयार श्री वाई० के० शर्मा पुत्र दुर्गा शंकर शर्मा, बापू नगर, जयपुर (अन्तरक)

2. श्री मधुगुन एवं लक्ष्मीनारायण पुत्र स्व० मदन गोगान श्रीवामनव, व० न० सी० 10, पृथ्वीराज रोड, मो-स्कीम, जयपुर अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर नगर परिषद् की सीमान्तर्गत बदरवास ग्राम में 22 बीघा 6 बिस्वा कृषि भूमि जिसका खाता नम्बर 74 और खसरा नम्बर 25 है। उपर्युक्त जमीन मुख्य अजमेर रोड से चार फर्लांग दूर है।

एस० सी० पराशर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 23-6-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ)(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० 155/72-73/आर०-I—यतः मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी स 10 महल-I गली, मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री दुरवाम ईस्वरी (अन्तरक)
2. श्री के० के० मुत्तमण्य पिल्लै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ओर सं० 10, महल-I गली, मदुरै में एक मकान।

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 21-6-1973

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ)(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

दिनांक 21 जून 1973

निर्देश सं० 233/72-73—यतः मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4, 2/4, और 3/4, इविनिगु बाजार, मद्रास-3 है, में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्रीमती टी० सुन्दरम्मा (अन्तरक)
- (2) श्री पी० एल० डी० राजेन्द्रन
श्री पी० एल० डी० बालसुब्रमणियन
श्री पी० एल० डी० राजुमलै और
श्री पी० एल० डी० तणिकाचलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निम्न दिए

जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 1/4, 2/4 और 3/4 ईविनिगू बजार मद्रास-3

के० वी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I मद्रास

तारीख : 21-6-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कार्यालय

60/61, एरंडवना कर्वे रोड,

पूना-411004 दिनांक 22 जून 1973

निर्देश सं० सी० ए० 5 डिसेंबर 72 हवेली-II/28/73-74—
यतः मुझे, जी० कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सी०एस०नं० 710बी०-711सी० है, जो हवेली तहसील, जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, हवेली दोन में, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री ए० व्ही पटेल, एम० व्ही० पटेल, व्ही० व्ही० पटेल, सी० व्ही पटेल, 98 महात्मा गांधी मार्ग पूना नं० 9 (अन्तरक)

2. श्रीमती एस० आर० पारिख, 560 साचापीर रास्ता पूना नं० 9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय

20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी०एस० नं० 710बी० 710सी० भवानी पेठ प्लॉट नं० 2
एफ०पी० नं० 382/383

क्षेत्र 921.113 स्केव० मीटर्स
हवेली तहसील में पूना जिले में

जी० कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 22-6-73।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 25 जून 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/(सी०-III)/73-74—
यतः, मुझे चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 है, जो नाथूराम फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० लाल सी० वर्मन, (अन्तरक
भूतपूर्व निवासी नं० 2, ताथू राम फ्रेड्स कालोनी,
नई दिल्ली।

2. मै० एसकोर्टेस ट्रैक्टर लि० (अन्तरिती)
एसकोर्टेस हाऊस रोशनारा रोड, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति यानि जमीन का प्लॉट जो नं० 2, ताथू राम फ्रेड्स कालोनी कोपरेटिव हाऊस बिल्डिंग लि० (पश्चिम की तरफ) नई दिल्ली में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल करीब 2250 वर्ग गज है जिसमें लगे हुए सब पेड़ बेलबूटे, पगडंडियां तथा अन्य सामान जो सम्पत्ति से सम्बन्धित हैं और बिजली, पानी, पंखे व अन्य गृहावश्यक वस्तुएं जैसे फर्नीचर आदि और ट्यूबवैल के ऊपर सर्वाधिकार व सर्वनाम, वहां पे जो निवास स्थान बना है उसके साथ।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 25 जून, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक 18-6-1973

निर्देश सं० 9/72-73 यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 15 (भाग) में 7.58 एकड़ कालीभूमि है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैडापेट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कुमार सुब्रमणियन (अन्तरक)
- (2) श्री बी० जी० पी० हवुसिंग प्रा० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 15, डंजमपाक्कम गांव, सैडापेट टाजुक, चेंगलपेट जिला में 7.58 एकड़ काली भूमि।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास

मोहर
(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

20—126GI/73

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर, आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय
अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० 10/72-73—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 15 (भाग) में 27.23 एकड़ काली भूमि है, जो—
—में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैडापेट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सावीत्री राजन (अन्तरक)
- (2) श्री बी० जी० पी० हवुसिंग प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० इंजमपाक्कम गांव, सैडापेट टालुक, चेंगपेलट जिला में 27. 23 एकड़ काली भूमि।

ए० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज, मद्रास

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर, आयुक्त

निरीक्षण, का कार्यालय अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1973

निर्देश सं० 11/72-73—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं० सर्वे सं० 15 (भाग) में 7. 57 एकड़ काली भूमि है, जो ————— में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैडापेट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डाक्टर टी० एस० सुब्रह्मण्यन (अन्तरक)

(2) श्री बी० जी० पी० हवुसिंग प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

(3) श्री—————
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी —————
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 15, इजमपाक्कम गांव, सैडापेट तालुक चेंगलपट जिला में 7.57 राकर्स काली भूमी।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी,
[सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास]

दिनांक : 18-6-1972

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

भारत सरकार

तारीख 18-6-1973

निदेश सं० 12/72-73 यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 15 में 24.24 जो राकर्स कारी भूमी ----- में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैडापेट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती पार्वती श्रोनिवासन (अन्तरक)
- (2) श्री वी० जी० पी० हबुसिंग प्रा० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जोरी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 15 इंजमबाक्कम गांव, सैडापेट तालुक, चेन्नलपेट जिला में 24.24 राकर्स कारी भूमी।

ए० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास।

तारीख 18-6-73

मोहर

(जो लागू न हो काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास दिनांक 18 जून, 1973

निर्देश सं० 18/72-73 यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 15 (भाग) में 7.57 जो राकर्स काली भूमी—में स्थित है (और इससे उपाब्द में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैडापेट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री रामजी सुद्धरमणियन (अन्तरक)।

(2) श्री वी०जी०पी० हवुसिंग प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकारी होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 15, इजमपावकम गांव, सैंडापेट तालुक, चेंगलपट जिला में 7-57 एकर्स काली भूमी।

ए० रागवेंद्र राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 18-6-1973
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

इन्सपेक्टिंग एसीस्टेंट कमीशनर एक्सीजीसन कार्यालय
रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक 22-6-1973

निर्देश सं० सी०-12/कल-1/72-73—यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० तौजी नं० 429 एवं 430 है, जो पूर्वी डूबर्स, डाकखाना कलचीनी, जिला जलपाईगुड़ी (मैचपाडा एवं भटपाडा चाय इस्टेट के अंतर्गत) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ऑफ इन्वोयर्स, नं० 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स इम्पीरियल टी० क० लि० (अन्तरक)
- (2) मैसर्स बिहारीजी फादवर एन्ड टी० इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लि० (अन्तरिती)
- (3) श्री हरी प्रसाद नोपानी

(कन्फर्मिंग पार्ट)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ये तमाम मैचपाडा एवं भटपाडा टी० इस्टेट, तौजी नं० 429 एवं 430 आरानो 2188-90 हैक्टर्स, पूर्वी, डोवर्स, जिला

जलपाई गुडी, मय चाय के पौध भाकानात आदि, जोकि जरिए रजिस्ट्री नं० 6474/1972।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1
पी०, 13, चौरंगी स्कावर, कलकत्ता-1

दिनांक : 22-6 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 25 जून 1973

निवेश सं० 110/72-73-यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 113-बी, पुराना डोरसं० 113-ए, आकार्ट रोड, सं० 109, पुलियूर, गांव कोडंबाक्कम, मद्रास-24, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-1972 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट

नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० एस० रंगानाथन (अन्तरक)
2. श्री टी० एम० नहाबार अली (अन्तरिती)
3. (अ) होटल आनन्द
(आ) शर्मा और कम्पनी
(इ) पेटल नट शाप (दुकान)
(ई) मादरसा प्रोविषनस (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त, शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर सं० 113-बी, पुराना सं० 113-ए, आर्काट रोड,
सं० 109, पुलियूर गांव, कोडम्बाक्कम. मद्रास-24, में काजी
भूमि और मकान एरिया 3021 स्कोयर फीट।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षी अर्जन क्षेत्र भोपाल,
दिनांक 29 जून 1973

निर्देश सं० सव० रजि०/इन्दौर/31-12-72—यतः, मुझे,
व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० है जो
ब्लाक नं० 8 हाऊस नं० 7, चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, इन्दौर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 30-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माया देवी पत्नी लेट श्री वन्सीधर अग्रवाल
28 मेन तुको गंज इन्दौर (अन्तरक)
2. श्रीमती सीता बाई पत्नी श्री चतुर्भुज गुप्ता, ब्लाक नं० 8
हाऊस नं० 7, चन्दन भवन, मुराई मोहल्ला, इन्दौर
(अन्तरिती)

जैसे 37 जी० फार्म के अनुसार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 8 हाऊस नं० 7, चन्दन भवन,
मुराई मोहल्ला, छोटी भाल टोली, इन्दौर

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-6-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ का
कार्यालय

दिनांक 15 जून 1973

निदेश सं० सी०एच०डी०/9/72-73—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 3335, सैक्टर 19-D है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरकों (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरनारण सिंह सुपुत्र श्री नन्द सिंह म० नं० 3335, सैक्टर-19-डी०, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र श्री माल सिंह म० नं० 3060, सैक्टर 27-सी चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

म० नं०-3335,

सैक्टर 19-डी,

चण्डीगढ़

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

तारीख : 15-6-73

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भारतीय अर्थ सेवा भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1974

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1973

सं० एक० 15/2/73-ई०-1 (बी०) — भारत के राजपत्र दिनांक 30 जून, 1973 में मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार निम्नलिखित सेवाओं के ग्रेड IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा

अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिवांग तथा त्रिवेन्द्रम में 18 जनवरी, 1974 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी —

- (i) भारतीय ग्रंथ सेवा तथा
- (ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहाँ, किस समय और किन तारीखों को उपस्थित होना है।

2. इस परीक्षा के आधार पर इन दोनों सेवाओं के ग्रेड IV की जिन रिक्तियों के लिए भर्ती की जानी है उनकी अनुमानित संख्या इस प्रकार है :—

- | | |
|----------------------------|---|
| (i) भारतीय ग्रंथ सेवा | 8 |
| (ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा | 4 |

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

नोट :—उपर्युक्त सेवाओं की कुछ रिक्तियाँ उन निर्मुक्त आपातकालीन आयुक्त अधिकारियों और अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं जिन्हें 1 नवम्बर, 1962 के बाद किन्तु 10 जनवरी, 1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख के पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था; इस प्रकार की आरक्षित रिक्तियाँ उपर्युक्त रिक्तियों की संख्याओं में सम्मिलित नहीं हैं। सशस्त्र सेनाओं में निर्मुक्त अधिकारियों में से चयन के पश्चात् जो आरक्षित रिक्तियाँ खाली रह जाएंगी वे इस प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर भरी जा सकती हैं।

3. मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) की अधिसूचना सं० 3218/73 Estt. (ई०) दिनांक 30 जून 1973 के उपबंधों के अनुसार उम्मीदवार किसी एक अथवा दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः उसमें किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि वह दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाबंध-I में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :—उसे केवल उसी सेवा उम्मीदवारों के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिसके /जिनके लिए वह आवेदन करेगा। दोनों सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में सेवाओं के संबंध में अपना वरीयताक्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयता पर भलीभांति विचार किया जा सके।

21—126GI/73

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-पत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण एक रुपया देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कृपण पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम साफ साफ बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-पत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011, के पास 27 अगस्त, 1973 को या उसके पूर्व उपाबंध-II में उम्मीदवारों को दिए गए अनुदेशों के अनुसार आवश्यक प्रमाण-पत्र आदि के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

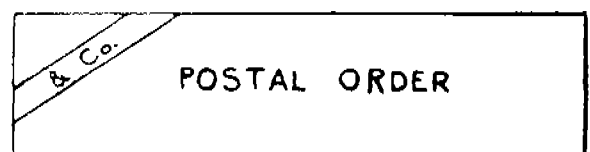
किन्तु विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिकवाय और अमिनदिव द्वीपसमूह में रहने वाले उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र 10 सितम्बर, 1973 तक लिए जाएंगे। (यह उन्ही व्यक्तियों पर लागू होगा जो 27 अगस्त, 1973 के पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिकवाय और अमिनदिव द्वीपसमूह में रहे रहे हों।)

नोट :—आवेदन-पत्र की मांग अथवा आवेदन-पत्र देर से भेजने वाले उम्मीदवार अपने दायित्व पर ही ऐसा करेंगे।

6. निर्धारित शुल्क (देखिए उपाबंध-I) आवेदन-पत्र के साथ भारतीय पोस्टल आर्डरों के द्वारा भेजा जाना चाहिए।

जिस आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होंगे, उसे एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह पूर्वी पाकिस्तान से आए हुए उन विस्थापित व्यक्तियों पर जो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन कर भारत आए हैं तथा बर्मा और श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित उन मूलतः भारतीय व्यक्तियों पर लागू नहीं होता है जो क्रमशः 1 जून 1963 तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आए हैं और उपाबंध I के पैरा 3 के अनुसार निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



और इस प्रकार भरा जाए:—PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE”

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि पोस्टल आर्डरों को रेखांकित किए बिना या उन पर “PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE” लिखे बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। पोस्टल आर्डरों का पूरा व्यौरा आवेदन-पत्र के कालम 32 में दर्ज कर देना चाहिए।

7. यदि कोई उम्मीदवार जनवरी, 1973 में ली गई भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा-परिणाम या नियुक्ति-प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना निर्धारित तारीख तक अपना आवेदन-पत्र भेज देना चाहिए। यदि वह 1973 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्त हो जाएगा। तो उसके अनुरोध पर 1974 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबंध-I के पैरा 2 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

8. यदि कोई उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजने के बाद इस परीक्षा से अपनी उम्मीदवारी वापस लेना चाहे तो उसे इस विषय में अपना लिखित अनुरोध सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेज देना चाहिए ताकि वह उनके पास 17 नवम्बर, 1973 को या उसके पूर्व अवश्य पहुंच जाए। तब इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी तथा उसे उपाबंध-I के पैरा 2 में किए गए उल्लेख के अनुसार शुल्क वापस कर दिया जाएगा।

उम्मीदवारी वापस लेने के संबंध में ऊपर निर्धारित तारीख के बाद आयोग के कार्यालय में प्राप्त होने वाले किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

9. आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं और उनमें निम्नलिखित व्यौरा दिया जाए:—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) रोल नंबर (यदि उम्मीदवार को सूचित कर दिया गया हो)
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। संघ लोक सेवा आयोग को इस परीक्षा के विषय में लिखे जाने वाले प्रत्येक पत्र और उसके लिफाफे पर उम्मीदवारों को सबसे ऊपर अनिवार्यतः “भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1974” लिख देना चाहिए।

एम० एस० प्रुथी,
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबंध-I

शुल्क

इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को नीचे लिखे शुल्क का भुगतान अवश्य करें:—

रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 12.00)। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को देय रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों के द्वारा भुगतान की जानी चाहिए। आयोग किसी अन्य प्रकार से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा।

2. आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से संबंध किसी भी दावे को नोटिस के पैरा 7 तथा 8 में दी गई व्यवस्थाओं को छोड़कर, स्वीकार नहीं किया जाएगा, और न ही उस शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। किन्तु यदि आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है, परीक्षा में प्रवेश नहीं देता है अथवा नोटिस के पैरा 7 तथा 8 के अनुसार वह उसे अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की अनुमति दे देता है तो उसको रु० 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों को रु० 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

3. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और वह 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आ गया था या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद प्रजनन कर भारत आया है, या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है, और वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

उपाबंध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र और अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़ कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र, साक्ष्यकन प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिंदु आदि के द्वारा नहीं अथवा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र, संभव है, अस्वीकार कर दिया जाए। भरा हुआ आवेदन-पत्र, साक्ष्यकन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को सीधे भेजना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिक्वाय और अमिनदिव द्वीपसमूहों में रहने वाले उम्मीदवारों से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह इस नोटिस के पैरा 5 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिक्वाय और अमिनदिव द्वीपसमूहों में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहा हो उसे अपना आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-प्रपत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर का आयोग को भेज देगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले अन्य सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी तथ्य को छिपाएं।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ नीचे लिखे प्रमाण-पत्र आदि अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर, जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय हों (देखिए उपाबंध-I)।
- (ii) आयु का प्रमाण-पत्र।
- (iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां।

ऊपर की मद (i) (ii), (iii) और (iv) में दिए गए प्रमाण-पत्र आदि का ब्यौरा इस प्रकार है :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर रेखांकित किए जाएं और इस प्रकार भरे जाएं :—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 48.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 12.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाए, और उनसे कहा जाए कि वे इस रकम को लेखा शीर्ष “XXI Miscellaneous Department Examination Fees-Receipts of the Union Public Service Commission में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र (सेकण्डरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट) या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मेट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर से उद्धरण (एक्सट्रेक्ट) में दर्ज की गई हो। अनुदेशों के इस भाग में आए “मेट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र” के अंतर्गत इन सभी वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

इस प्रकार उम्मीदवारों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आयु के प्रमाण के रूप में मेट्रिकुलेशन का प्रमाण-पत्र हर हालत में भेजना आवश्यक है और आवेदन-पत्र के साथ आयोग को अनिवार्यतः उसकी मूल प्रति, एक प्रतिलिपि के साथ, भेजी जानी चाहिए।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष, या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवार को मेट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की मूल प्रति, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, भेजनी चाहिए जहां से उसने मेट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि किसी आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं

भेजा गया तो उस आवेदन-पत्र को अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र में दी गई आयु से भिन्न हो और इसके लिए कोई कारण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे इस प्रमाण-पत्र की मूल प्रति के साथ केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

नोट 3:—जिन विस्थापित लोगों के मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र की मूल प्रति पाकिस्तान में खो गई हो, उन्हें संबद्ध विश्वविद्यालय से उसकी अनुलिपि मंगवा लेनी चाहिए। यदि वे संबद्ध विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र की अनुलिपि न मंगवा सकते हों तो उन्हें विश्वविद्यालय के उस गजट का उद्धरण भेजना चाहिए जिसमें उनके परीक्षा परिणाम प्रकाशित हुए हों। इस उद्धरण में जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए और रजिस्ट्रार या हैडमास्टर द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए।

(iii) **शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—**उम्मीदवार को अपने मूल प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा को उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, भेजना चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा-निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे उस योग्यता विशेष का प्रमाण-पत्र दिया हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा न भेजा गया हो तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता के अपने दावे के प्रमाण में जो अन्य प्रमाण वह प्रस्तुत कर सकता हो उसकी मूल प्रति भेजनी चाहिए। आयोग इस प्रमाण की मान्यता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने से संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर, मूलरूप में उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, अवश्य भेजना चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक या एक से अधिक विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो, वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह

भी आवेदन कर सकता है बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के प्रारंभ होने से पहले समाप्त हो जाए। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हैं तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी, और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारंभ होने की तारीख से अधिक-से-अधिक दो महीने के भीतर नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) **फोटो की तीन प्रतियाँ:—**उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास-पोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक-एक प्रति आवेदन-प्रपत्र तथा साक्ष्यक प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और तीसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 4 (ii) 4 (iii) और 4 (iv) में लिखे प्रमाण पत्र आदि में से कोई एक न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया होगा, तो यह आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा 4 (iii) के नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो या ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में अलग से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, निम्नलिखित जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी (सब-डिवीजनल अफसर) या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार स्वयं अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पत्रों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*-----
 सपुत्र/सपुत्री/श्री*-----
 जो गांव/कस्बा*----- जिला/मंडल*-----
 राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र-----
 के/की* निवासी हैं,-----
 जाति/आदिम जाति के/की* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति* के रूप में मान्यता दी गई है :—
 सम्बन्ध पुनर्गठन अधिनियम 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956*
 संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956.*
 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1959*
 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962.*
 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1962*
 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964.*
 संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967.*
 संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968.*
 संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित आदिम जातियां, आदेश, 1968.*
 संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970.*
 2. श्री/श्रीमती/कुमारी*-----
 और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*-----
 जिला/मंडल*----- राज्य/संघ राज्य* क्षेत्र-----
 में रहते/रहती* हैं ।
 हस्ताक्षर-----
 **पदनाम-----

(कार्यालय की मोहर)

स्थान-----

तारीख-----

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हो उन्हें कृपया काट दें ।

नोट :—यहां आम तौर से रहते/रहती हैं का अर्थ वही होगा जो

***“रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950” की धारा 20 में है । अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/† सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर ।

† (प्रथम श्रेणी स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं) ।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका औहदा तहसीलदार से कम न हो ।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर पर रहता हो ।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिवलपमेंट अफसर (लकादिव और मिनिक्वाय द्वीप समूह) ।

7. (i) उपाबन्ध I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिया गया मूल प्रमाण पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भारत आया है :—

(1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट ।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है ।

(3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(ii) उपाबन्ध—I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः

भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिया गया इस आशय का मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो कि अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) उपाबन्ध I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिया गया मूल पहचान प्रमाण-पत्र एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो कि 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिया गया एक प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 5 (ख) (ii) अथवा 5 (ख) (iii) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करना चाहिये कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964, को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्य में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट :
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल / निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(v) नियमावली के पैरा 5(ख) (iv) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिंसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फ्रेंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(vi) नियमावली के पैरा 5(ख) (v) अथवा 5 (ख) (vi) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय उम्मीदवार को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

(vii) नियमावली के पैरा 5(ख) (vii) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(viii) नियमावली के पैरा 5(ख) (viii) अथवा 5(ख) (ix) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय उम्मीदवार को भारतीय राजदूतावास, रंगून, द्वारा जारी किया गया मूल पहचान प्रमाण-पत्र, एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिया गया एक प्रमाण पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(ix) नियम 5(ख) (x) अथवा 5(ख) (xi) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—
रैंक नं०—
श्री—
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुए और उस विक्लांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

तारीख—

जो लागू न हो उसे कृपया काट दें

(x) नियम 5(ख) (xii) अथवा 5(ख) (xiii) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले सीमा सुरक्षा दल में अपांग हुए उम्मीदवार को महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण पत्र लेकर, उसकी एक प्रतिलिपि के

साथ यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह 1971 के भारत पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में अपांग हुआ था और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ था।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के रैंक
नं०-----श्री-----1971 के
भारत पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में अपांग हुए थे और
उस अपांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए थे।

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

दिनांक-----

8. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

9. ऊपर के पैरा 4(ii), 4(iii), 6 और 7 में उल्लिखित मूल प्रमाण-पत्र (उनकी प्रतिलिपियों के साथ) अवश्य भेजे जाने चाहिए। आयोग इन प्रमाण-पत्रों को केवल अभिप्रमाणित या किसी अन्य प्रकार की प्रतियां स्वीकार नहीं करता।

ऊपर के पैरा 4(ii), 4(iii), 6 और 7 के अनुसार भेजे गए सभी मूल प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना देते समय लौटा दिए जाएंगे। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने प्रमाण-पत्र को आयोग के पास भेजने से पहले उनकी अभिप्रमाणित प्रतियां अपने पास रख लें। आयोग-पत्र के परिणाम की सूचना भेजने के पूर्व इन प्रमाण-पत्रों को न तो लौटा सकता है और न ही उनकी अभिप्रमाणित प्रतियां भेज सकता है, चाहे उम्मीदवार को उनकी आवश्यकता किसी भी काम के लिए क्यों न हो।

यदि उम्मीदवार ऊपर के पैरा 4(ii), 4(iii), 6 और 7 में उल्लिखित प्रमाण पत्रों को, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई किसी और परीक्षा के संबंध में पहले ही भेज चुका हो, और उन्हें अभी तक उसे लौटाया नहीं गया हो तो उसे अपना आवेदन पत्र भेजते समय यह बात लिख देनी चाहिए और यदि हो सके तो प्रत्येक प्रमाण पत्र की एक प्रति भी साथ भेजनी चाहिए। यदि प्रमाण-पत्र आयोग के पास न हो तो, चाहे उम्मीदवार इस आयोग द्वारा ली गई किसी अन्य परीक्षा में पहले बैठा हो या नहीं, उसे आवेदन-पत्र के साथ प्रमाण पत्र भेजने चाहिए। यदि कोई प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ न भेजा जा सके तो आवेदन पत्र में उसे न भेजने का उचित कारण अवश्य लिखा जाना चाहिए।

10. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

11. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पंद्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

12. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दी जाएगी किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

13. पिछले वर्षों में ली गई परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की बिक्री मैनेजर आफ पब्लीकेशन, सिविल लाइन्स, दिल्ली-(110006) के द्वारा होती है और और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, 14, जनपथ बैरक्स, 'ए', नई दिल्ली-(110001), (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री कार्डर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-(110001), और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ़्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन अधिकारियों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

14. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-(110011), को भेजे जाएं तथा नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

1. परीक्षा का नाम।
2. परीक्षा का महीना और वर्ष।
3. रोल नंबर (यदि उम्मीदवार को सूचित कर दिया गया हो)।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा और बड़े अक्षरों में)।
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आवि में यह ब्योरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

15. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आवि, आवश्यक होने पर, उसको बचले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 14 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु उस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संघ लोक सेवा आयोग

भारतीय प्रशासन सेवा आवेदन परीक्षा, 1973

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1973

संशोधन

सं० 1/15/72-ई० I (बी)---भारत के राजपत्र दिनांक 10 मार्च, 1973 में प्रकाशित भारतीय प्रशासन सेवा आवेदन परीक्षा, 1973 से संबद्ध संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० 1/15/72-ई० I (बी) दिनांक 10 मार्च, 1973 में निम्नलिखित संशोधन किया जाए :—

पृष्ठ 331 कालम II:—क्लास II की सेवाओं का पैरा (vii)

में 'आरक्षित' शब्द के स्थान पर 'अनारक्षित' शब्द पढ़ा जाए।

एम० एस० प्रूथी, उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 26

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें०मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए।

विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 30 जुलाई, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान निकोबार, लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिव द्वीपसमूहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 13 अगस्त, 1973) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 1 तथा 15 के पद स्थायी हैं। क्रम-संख्या 9 का एक पद तथा क्रम-संख्या 2 का पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 4, 6, 7, 10 तथा 13 के पद अस्थायी हैं किन्तु उसके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 9 का एक पद तथा क्रम-संख्या 3, 5, 8, 11, 12 तथा 14 के पद अस्थायी हैं।

क्रम-संख्या 8 के दो पद तथा क्रम-संख्या 9 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। क्रम-संख्या 8 के दो पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। क्रम-संख्या 2 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा। क्रम-संख्या 11 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा है और यदि कोई ऐसा उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता है तो भी अनारक्षित नहीं समझा जाएगा। क्रम-संख्या 15 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है किन्तु यदि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों का कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता तो उसे अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 6 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उसके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

1. एक बीमा निर्यंत्रक, वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग)। वेतन:—रु० 2500-125/2-2750। आयु-सीमा:—50 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) बीमा मामलों से संबंधित किसी दायित्वपूर्ण पद पर लगभग 15 वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम 5 वर्ष का अनुभव या तो सरकार या किसी बीमा कम्पनी के अधीन प्रशासनिक हैसियत से होना चाहिए।

2. एक सहायक निदेशक ग्रेड I (लागत) वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई, विदेश व्यापार मंत्रालय। वेतन:—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान अथवा भारतीय लागत एवं कार्य लेखाकार संस्थान का "एसोशिएट" अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) लागत एवं वित्तीय समस्याओं से संबंधित कुछ अनुभव।

3. एक उद्योग अधिकारी, वन संसाधन विनियोजन पूर्व सर्वेक्षण, कृषि मंत्रालय। वेतन:—रु० 700-40-1100-50/2-

1250। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन इंजीनियरी में डिग्री या सैल्यूलेज प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता सहित रसायन प्रौद्योगिकी में एम० प्रौद्योगिकी अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी पेपर मिल या काष्ठाश्रयी उद्योगों में लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

4. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रेड रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय। वेतन :— रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयत : 40 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से धातुविज्ञान में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी विख्यात कर्म या कर्मशाला में लोह मिश्रित धातुओं की ठुलाई/गठ्ठाई का लगभग 4 वर्ष का अनुभव तथा अनुपधाती परीक्षणों (Non-Destructive Tests) का भी अनुभव।

5. एक वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, योजना आयोग। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से धातुविज्ञान या विद्युत् रसायन या रासायनिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) अलौह धातु उद्योग के आयोजन, अभिकल्पन, परिचालन तथा अन्य पहलुओं का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

6. एक सहायक कार्यकारी इंजीनियर (उत्पादन), उत्पादन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, जी० बी० पस्त पाली टेकनीक, ओरला, नई दिल्ली, दिल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक/उत्पादन इंजीनियरी में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक/उत्पादन इंजीनियरी में डिग्री तथा साथ में किसी मशीन वर्कशाप में लगभग एक वर्ष का व्यावसायिक अनुभव या किसी वर्कशाप में टूल रूम प्रैक्टिस।

7. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैबराबाद, रक्षा मंत्रालय। वेतन :— रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वायरलेस के विशेष विषय सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री/बी० ई० दूर-संचार इंजीनियरी अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) उच्च आवृत्ति प्रेषित्र (High Frequency Transmitters) तथा अभिग्राही (Receivers) के अभिकल्पन, विकास तथा संरचना में लगभग दो वर्ष का अनुभव।

8. आठ फार्म रेडियो, अधिकारी आकाशवाणी महानिदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय। वेतन :— रु० 400-25-500-30-590 द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से कृषि विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) केन्द्रीय/राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्रों के कृषि विभाग में कृषि विस्तारण/सूचना कार्य का लगभग 5 वर्ष

वर्ष का अनुभव। (iii) लोक प्रिय प्रस्तुतीकरण के लिए वरीयतः रेडियो प्रसारण द्वारा कृषि संबंधी सूचना तैयार करने और उसका प्रसाधन करने का अनुभव।

9. दो सहायक कीट विज्ञानी, राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कीट विज्ञान सहित प्राणि विज्ञान में एम० एस० सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) चिकित्सा कीट विज्ञान मलेरिया/फाइलेरिया अनुसंधान या नियंत्रण के क्षेत्र में अध्यापन और/या अनुसंधान का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव।

10. एक अधीक्षक, पुरुष भिक्षुक गृह, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :—रु० 425-25-500-30-680। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से समाज विज्ञान संबंधी किसी विशेष अर्थात् समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, मानवविज्ञान आदि में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता (ii) किसी सरकारी/अर्द्ध सरकारी/मान्यता प्राप्त संस्था में पर्यवेक्षक के पद पर लगभग 2 वर्ष के प्रशासनिक अनुभव सहित लगभग 5 वर्ष का समाज कल्याण कार्य का अनुभव। अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से समाज कल्याण कार्य में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी सरकारी/अर्द्ध सरकारी/मान्यता प्राप्त संस्था में पर्यवेक्षक के पद पर लगभग 2 वर्ष के अनुभव सहित लगभग 3 वर्ष का समाज कल्याण कार्य का अनुभव।

11. दो सहायक सम्पादक, विधायक विभाग का पत्रकारिता स्कंध, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय। वेतन :— रु० 900-50-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कानून में डिग्री अथवा इंग्लिश बार (English Bar) का सदस्य या किसी उच्च न्यायालय का न्यायावादी (Attorney) अथवा समकक्ष योग्यताएं / (ii) किसी भारतीय उच्च न्यायालय में कम से कम सात वर्ष तक लगातार प्रैक्टिस की हो। अथवा किसी राज्य न्याय सेवा में या किसी राज्य के विधि विभाग में विधायी पक्ष से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम सात वर्ष रहा हो/अथवा केन्द्रीय सरकार के विधि मंत्रालय में विधायी पक्ष से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम सात वर्ष रहा हो। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय के विधि संकाय में किसी शिक्षण पद पर कम से कम सात वर्ष रहा हो। अथवा भारत या विदेशों से प्रकाशित होने वाली कानूनी रिपोर्टों से सम्बद्ध सम्पादकीय विभाग में किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम सात वर्ष का अनुभव हो। अथवा केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार/के अधीन सांविधिक प्रारूपण (Statutory Drafting) या संविधियों/नियमों एवं विनियमों के हिन्दी अनुवाद का कम से कम सात वर्ष का अनुभव हो। (iii) हिन्दी में उच्च-कोटि की प्रवीणता हो तथा सर्वोच्च न्यायालय/उच्च न्याया-

लय के फ़ैसलों का हिन्दी में अनुवाद तथा सम्पादन करने की योग्यता हो।

12. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड 1, आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, पूना रक्षा मंत्रालय।
वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु-वरीयतः 40 वर्ष से कम। योग्यताएं: अनिवार्यः—(i) सांख्यिकी/गणित/परिचालन अनुसंधान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री। (ii) कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में कम से कम 4 वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम एक वर्ष किसी संकलक भाषा में प्रोग्रामिंग का तथा 3 वर्ष मशीन भाषा/संग्रह भाषा तथा अनुवाद और उपयोगी साफ्टवेयर में अभिकल्पन, विकास या संशोधन कार्य के प्रोग्रामिंग का हो।

13. चार अधोक्षक मानवविज्ञानी (शारीरिक मानवविज्ञान प्रभाग), भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, संस्कृति विभाग।
वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मानवविज्ञान में 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में शारीरिक मानवविज्ञान में विशेषज्ञता का प्रमाण। (ii) शारीरिक मानवविज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक पद्धतियों तथा प्रविधियों में अनुसंधान का 7 वर्ष का अनुभव। (iii) शारीरिक मानवविज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण जिसके अन्तर्गत प्रकाशित लेख आदि सम्मिलित हों।

14. एक मध्यवर्ती अनुयोजक (In between Animator) फिल्म प्रभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय। वेतन :—रु० 590-30-800। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से वाणिज्यिक या ललित कला में डिग्री/डिप्लोमा। (ii) वाणिज्यिक कला या ललित कला कार्य का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

15. एक सहायक पुस्तकाध्यक्ष (संरक्षण), राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता, संस्कृति विभाग। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590 रु० 30-800 रु० 30-830-35-900। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की 'मास्टर' अथवा समकक्ष आनर्स डिग्री। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से पुस्तकाध्यक्षता में डिग्री अथवा डिप्लोमा। (iii) किसी प्रतिष्ठित

पुस्तकालय में दायित्वपूर्ण हैसियत से लगभग 5 वर्ष का अनुभव।
(iv) पुस्तक संरक्षण की प्रविधि का ज्ञान।

भारतीय अर्थ सेवा भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1974

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित सेवाओं के ग्रेड iv में भर्ती के लिए 18 जनवरी, 1974 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

(i) भारतीय अर्थ सेवा तथा

(ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा

आयु-सीमाएं:—उम्मीदवारों का जन्म 2 जनवरी, 1948 से पूर्व का तथा 1 जनवरी 1953 के बाद का नहीं होना चाहिए। अनुसूचिन जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों तथा नियमों में उल्लिखित कुछ अन्य वर्गों के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जा सकती है। योग्यताएं: भारतीय अर्थ सेवा :—अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय के साथ डिग्री। भारतीय सांख्यिकी सेवा :—सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र के विषय के साथ डिग्री अथवा नियमों में निर्धारित कुछ अन्य योग्यताएं।

परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से रु० 1.00 के मनीआर्डर द्वारा अथवा आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को मनीआर्डर कूपन पर "भारतीय अर्थ सेवा। भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1974," स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पत्र-व्यवहार का पूरा पता भी साफ़-साफ़ बड़े अक्षरों में लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

भरे हुए आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 27 अगस्त, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार और लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनिदिव द्वीपसमूहों में रहने वाले उम्मीदवारों द्वारा 10 सितम्बर, 1973) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

एम० एम० टामस,

सचिव

संघ लोक सेवा आयोग।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th June 1973

No. A 32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Pandit, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months from 3-5-1973 to 2-8-1973, or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A 32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months from 1-5-1973 to 17-8-1973 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A 32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. V. Venkataraman a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months w.e.f. 18-5-1973 to 17-8-1973 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A 32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. R. Anand, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 3-5-1973 to 2-8-1973 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

N. B. MATHUR,
Under Secretary

Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT**Department of Personnel and Administrative Reforms****Central Bureau of Investigation***New Delhi-1, the 12th June 1973*

No. C-20/65-AD.V.—Consequent upon his promotion as Under Secretary in the Department of Personnel and Administrative Reforms, Shri Charan Das, Section Officer, C.B.I. relinquished charge of his office in the CBI on the forenoon on 28-5-73.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer
Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS**Central Translation Bureau***New Delhi-16, the 15th June 1973*

No. F. 3-4/73-Admn.—Shri Harish Chandra permanent Assistant in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Deptt. of Labour & Employment), is appointed as Administrative Officer in the Central Translation Bureau, Ministry of Home Affairs, with effect from the 21st May, 1973 (forenoon).

Shri Harish Chandra will be on deputation and his appointment as Administrative Officer, Central Translation Bureau, Ministry of Home Affairs will be governed in accordance with the terms Ministry of Finance O.M. No. 10(24)/E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

G. K. MISHRA
Director

Directorate General, Central Reserve Police Force*New Delhi-110001, the 8th June 1973*

No. O.II-882/69-Ests.—On his premature retirement from Government service after attaining the age of 50 years Shri Mool Chand R. Motwani relinquished charge of the post of Section Officer of this Directorate General on the afternoon of 26-4-1973.

2. He is granted 120 days earned leave w.e.f. 27-4-1973 to 24-8-1973 and 500 days LHP from 25-8-1973 to 6-1-1975.

3. Shri Mool Chand R. Motwani shall be deemed to have retired from Govt. service on the afternoon of 28-4-1973.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Adm.)

Office of the Inspector General**Central Industrial Security Force***New Delhi-110003, the 8th June 1973*

No. E-38013(2)/11/73-Ad.I.—On transfer to Trombay, Shri R. Padmunabhan, IPS, Commandant 14 Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi, relin-

quished the charge of the post with effect from the forenoon of 8th June, 1973.

L. S. BISHT
Inspector General

Office of the Registrar General, India*New Delhi-11, the 12th June 1973*

No. 25/82/72-RG(Ad.I).—The President is pleased to replace the services of Shri P. L. Sondhi, I.A.S., Director of Census Operations and *ex-officio* Superintendent of Census Operations, Punjab, at the disposal of the Government of Punjab with effect from the forenoon of the 1st January, 1973.

The President is also pleased to decide that in addition to his normal duties under the Government of Punjab, Shri P. L. Sondhi will function as Director of Census Operations and *ex-officio* Superintendent of Census Operations, Punjab, in an *ex-officio* capacity with effect from the above date, until further orders.

R. B. CHARI
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary to the Govt.
of India in the Ministry of Home Affairs

DIRECTORATE OF PRINTING*New Delhi, the 14th June 1973*

No. S(44)-A-III/AII.—Shri Joginder Singh, Oversecr has been appointed to officiate as Asstl. Manager (Tech.), Govt. of India Press, Faridabad with effect from 20-3-1973 (F.N.) until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR
Director of Printing

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT**Office of the Accountant General, Bihar, Ranchi***Ranchi, the 6th June 1973*

No. OEI-Audo-873.—The Accountant General, Bihar has been pleased to promote Shri Satyaban Mandal, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from the forenoon of 4th May, 1973.

No. OEI-Audo-897.—The Accountant General, has been pleased to promote Shri Ram Swarath Lal, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from the afternoon of 4th May, 1973.

The 8th June 1973

No. OEI-Audo-900.—The Accountant General has been pleased to promote Sri Prabhu Ram, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from the afternoon of 4th May, 1973.

N. P. HARAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.) Bihar

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT**Office of the Controller General of Defence Accounts***New Delhi, the 7th June 1973*

No. 40011(2)/73-AN-A:—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of the date shown against each on their attaining the age of 58 years.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date of attaining the age of 58 years	Organisation
1.	Shri C. P. Sitharaman (0/236)	Officiating Accounts Officer	6-8-1973	Controller of Defence Accounts (Air Force).
2.	Shri T. S. Ramaswamy (0/210)	Officiating Accounts Officer	9-8-1973	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South.
3.	Shri V. Sethuraman (P/21)	Permanent Accounts Officer	1-12-1973	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South.

Shri V. Sethuraman has been granted earned leave for three days from 4-6-1973 to 6-6-1973 and half pay leave for 177 days from 7-6-1973 to 30-11-1973 with permission to prefix 3-6-1973 (sunday) thereto, pending retirement.

No. 40011 (2)/73/AN-A.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the following permanent Accounts Officers on the dates indicated against each.

Sl. No.	Name with Roster number	Date of death	Organisation
1.	Shri B.V. Sitapati Rao (P/510)	24-5-1973	Controller of Defence Accounts Patna.
2.	Shri L. Krishnamurthi. (P/188)	28-5-1973	Controller of Defence Accounts (Officers)

They are accordingly struck off the strength of the department from the forenoon of the next date.

The 8th June 1973

No. 68019(1)/73-AN-A.—The Controller General of Defence Accounts, appoints Shri J. K. Sahasrabudhe. Permanent Accountant of the Defence Accounts Department [on deputation to Ministry of Finance (Defence)] to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 590-30-830-35-900 with effect from the afternoon of the 21st April, 1973, until further orders, under the "Next Below Rule."

The 11th June 1973

No. 40011 (1)/73/AN-A.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Accountants as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the forenoon of the dates noted against each, until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation in which serving	Date
1.	Shri R. N. Malhotra	Controller of Defence Accounts (Fys) Calcutta	30-1-1973 F.N.
2.	Shri D. R. Ramdasi	Do. Central Command Meerut	29-1-1973 F.N.
3.	Shri P. B. Bhattacharjee	Do. (Fys) Calcutta	29-1-1973 F.N.
4.	N. Gopalaswamy	Do. Patna	27-2-1973 F.N.
5.	Shri Biru Ram Kakra	Do. (Ors) North Meerut	30-4-1973 F.N.
6.	Shri M. C. Kamlapurkar	Do. Patna	30-1-1973 F.N.
7.	Shri R. S. Venkataraman	Do. (ORs) South, Madras	26-3-1973 F.N.
8.	Shri Kusum Kumar Jaitley	Do. (Pensions) Allahabad	26-3-1973 F.N.
9.	Shri M. K. Dabir	Do. Patna	26-3-1973 F.N.
10.	Shri B. Subbarao	Do. (Pensions) Allahabad	26-3-1973 F.N.
11.	Shri O. S. Dorai Rajan	Do. (Officers) Poona	30-3-1973 F.N.
12.	Shri Nirmal Singh	Do. Western Command Meerut	26-3-1973 F.N.
13.	Shri Gurbux Rai	Do. (ORs) North Meerut	26-3-1973 F.N.
14.	Shri D. L. Dutta	Do. (Fys) Calcutta	26-3-1973 F.N.
15.	Shri S. K. Bose	Do. (Fys) Calcutta	26-3-1973 F.N.
16.	Shri Tarachand Bhatia	Do. Western Command Meerut	2-4-1973 F.N.
17.	Shri S.K. Guruswamy	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona	26-3-1973 F.N.
18.	Shri V. Gopalan	Do. Patna	26-4-1973 F.N.
19.	Shri K. Balakrishnan Nayar	Do. (Navy) Bombay	26-3-1973 F.N.
20.	Shri R. K. Raina	Do. Jammu	11-5-1973 F.N.
21.	Shri V. Narayana Swamy	Do. Patna	26-3-1973 F.N.
22.	Shri V. G. Munghekar	Do. (Fys) Calcutta	29-3-1973 F.N.
23.	Shri Kishori Lal Jain	Do. (Fys) Calcutta	16-4-1973 F.N.
24.	Shri P. Ramani	Do. (ORs) South, Madras	16-4-1973 F.N.
25.	Shri Sohan Lal Dhawan	Do. (ORs) North, Meerut	17-4-1973 F.N.
26.	Shri W. D. Nangia	Do. Patna	16-4-1973 F.N.
27.	Shri Ram Saram Das Bhatia	Do. (ORs) North, Meerut	17-4-1973 F.N.
28.	Shri D. V. Rama Sastry	Do. (Pensions) Allahabad	4-5-1973 F.N.
29.	Shri Gurcharan Singh	Do. (ORs) North, Meerut	19-4-1973 F.N.

(1)	(2)	(3)	(4)
30. Shri A. S. Muddi Bihal	Do.	(ORs) North, Meerut	25-4-1973 F.N.
31. Shri Dharam Pal	Do.	Western Command Meerut	21-5-1973 F.N.
32. Shri M. R. Dhawan	Do.	Western Command Meerut	21-5-1973 F.N.
33. Shri P. B. Pal	Do.	Patna	21-5-1973 F.N.

No. 40011(2)/73/AN-A.—The notice of voluntary retirement given by Shri Harbans Raj Jhatta, permanent Accounts officer (Roster No. P/261) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Air Force) under the provisions of Article 459 (i) Civil Services Regulations, Volume I having been accepted by the Controller General of Defence Accounts, Shri Harbans Raj Jhatta will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 1st August 1973.

Shri Jhatta has been granted earned leave from 1-5-1973 to 31-7-1973 as leave pending retirement which will run concurrently with the notice period.

No.40011(2)/73/AN-A.—Shri P. S. Patwardhan permanent Accounts Officer (Roster No. P/217) in the organisation of Controller of Defence Accounts (Officers) was granted leave pending retirement from 16-4-1973 to 8-5-1973 (both days inclusive).

On expiry of the above leave Shri Patwardhan was transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 9th May 1973 on attaining the age of 58 years.

Item 7 of this office notification of even number dated 21-2-1973 is hereby deleted and items 8, 9, and 10 thereof renumbered as 7, 8, and 9 respectively.

No. 40011(2)/73/AN-A.—Having given notice of voluntary retirement under the provisions of Article 459 (i) Civil Service Regulations, Volume I and the same having been accepted by the controller General of Defence Accounts, Shri Tirath Ram Kataria, permanent Accounts officer (Roster No. P/24) in the organisation of the Controller of Defence Accounts Western Command will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of the 11th September 1973.

Shri Kataria has been granted 60 days' earned leave from 13-7-1973 to 10-9-1973 preparatory to retirement.

No. 40011(2)/73/AN-A.—Having been permitted to go on voluntary retirement with effect from the forenoon of 31st October 1973, Shri Biswaranjan Kar, permanent Accounts Officer (Roster No. P/475) in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Factories) will be transferred to the pension establishment with effect from the aforesaid date.

S. K. SUNDARAM,
Additional Controller General of
Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

Directorate General, Ordnance Factories (Indian Ordnance Factories Service)

Calcutta-16, the 7th June 1973

No. 22/73/G.—On attaining the age of superannuation Shri K. K. Bhattacharjee, Offg. Manager (Subst. DADG/DM) retired from service with effect from 1st Feb., 1972.

No. 23/73/G.—On attaining the age of superannuation Shri S. C. Roy, Offg. Asstt. Manager (Subst. Foreman) retired from service with effect from 3rd Feb., 1973.

No. 24/73/G.—The President is pleased to grant an extension of service to Shri I. N. Khullar, Offg. Asstt. Manager (Subst. Foreman) for a period of one year with effect from 14th Oct., 1972.

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Director General Ordnance Factories

SURVEY OF INDIA

Surveyor General's Office

Dehra Dun, the 16th June 1973

No. C-4655/718-B.—The deputation of Shri D. N. Harnal, Budget & Accounts Officer, Survey of India, Dehra Dun, who reported for duty in the Surveyor General's Office on the forenoon of the 20th January, 1970 on transfer from the Office of the Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut vide this Office Notification No. E1-3952/PF (D. N. Harnal) dated 28-4-1970, is further extended for the period from 1-7-1973 to 31-12-1973, on the existing terms and conditions.

HARI NARAIN,
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 13th June 1973

No. 4(7)/65-SI.—Consequent on his appointment as Instructor Production in the TV Training Centre of the Film and Television Institute of India, Poona, with headquarters at New Delhi on deputation basis, Shri S. C. Garg relinquished charge as Programme Executive, Television Centre, All India Radio, New Delhi on the afternoon of the 10th May, 1973.

The 16th June 1973

No. 6(76)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Yogendra Verma, Transmission Executive, All India Radio, Gwalior, to officiate as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis from the 11th December, 1972 to 5th April, 1973 vice Shri S. P. Mathur, Programme Executive, All India Radio, Gwalior, on leave.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, dated the 13th June, 1973

No. 2/4/73-SIII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints the following Senior Engineering Assistants As Assistant Engineers on an ad-hoc basis at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names with effect from the date mentioned against each until further orders:—

Sl. No.	Name of Senior Engineering Assistant	Present posting	Name of Station/Office where posted as Asstt. Engineer.	Date of appointment as A.E.
1	2	3	4	5
1.	Shri S. V. Vedantachar	T.V. Centre, A.I.R., New Delhi.	T.V. Centre, A.I.R. New Delhi.	10-1-73
2.	Shri P. C. Chakraborty	H.P.T., A.I.R. Kingsway	T.V. Centre A.I.R. Amritsar	11-1-73
3.	Shri Jitender Kumar	A. I. R., Allahabad	A.I. R., Allahabad	27-1-73
4.	Shri A. K. De	A. I. R., Ranchi	Office of the Regional Engineer (East), A. I. R. Calcutta.	20-3-73
5.	Shri J. B. Singh	A. I. R., Imphal	A.I.R., Imphal	26-2-73
6.	Shri J. C. Agrawal	A.I. R., New Delhi	Office of the Research Engineer, A.I.R., New Delhi.	13-3-73
7.	Shri J. Sathynarayana	A.I.R., Parbhani	Vividh Bharti Service, A.I.R., Bombay.	7-5-73
8.	Shri A. Viswanath	A. I. R., Bangalore	A.I.R. Alleppey	30-3-73
9.	Shri Sukhdev Singh Lal	A. I. R., Udaipur	Office of the RE (North) A.I.R., New Delhi.	9-4-73
10.	Shri M. R. Nagaraja	H.P.T., A.I.R., Malad, Bombay.	H.P.T., A.I.R., Malad, Bombay.	26-2-73

H. B. KANSAL
Prashasan Up-Nideshak
for Mahanideshak.

(Civil Construction Wing)

New Delhi-1, the 16th June 1973

No. A-35017/1/73-C.W.J./1762.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. D. C. Dubey, Jr. Engineer (civil) Chandigarh Central Circle CPWD, as Assistant Engineer, (Civil), (Rs. 350-900) in the Civil Construction Wing of All India Radio and to post him as Assistant Engineer (Civil) Siliguri in the Divisional Office Calcutta with effect from 16-5-1973 (F/N) on deputation for a period of one year in the first instance.

J. J. TOLANI
E.O. to C.E. (Civil)
for Director General

Medical Officer in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 22nd May, 1973 on an ad hoc basis until further orders.

The 13th June 1973

No. 48-2/73-CHSI.—On her transfer Dr. (Smt.) Jayanthi Khandpur, General Duty Officer Grade II of the CHS relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (ante noted) in the J.I.P.M.E.R., Pondicherry on the afternoon of the 27-4-1973 and assumed charge of the post of Junior Medical Officer, under the Central Govt., Health Scheme, Delhi on the forenoon of the 9-5-1973.

S. C. KUMAR
Deputy Director Administration (CHS)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th June 1973

No. 29-43/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Kum.) Kawaljeet Kaur as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of the 25th May, 1973 on an ad hoc basis until further orders.

The 12th June 1973

No. 29-41/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. J. K. Purohit as Junior

New Delhi, the 14th June 1973

No. 36-1/70-Admn.I.—Consequent upon his appointment at the Indian Drugs and Pharmaceuticals Limited, New Delhi, Shri R. Mahalingam relinquished charge of the post of Accounts Officer, Willingdon Hospital and Nursing Home, New Delhi on the forenoon of the 5th May, 1973.

No. 6-14/71-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Chakravarty, Stores Superintendent, Government Medical Stores Depot, Gauhati, to the post of Stores Officer, Central Research Institute, Kasauli, on an ad hoc basis, with effect from the forenoon of the 14th May, 1973, and until further orders.

No. 34-5/71-Admn.I.—Consequent upon his reversion to his parent cadre J. C. Dutt, relinquished Shri

charge of the post of Administrative Officer, Safdar-jang Hospital, New Delhi on the forenoon of the 13th April, 1973. He has proceeded on earned leave for a period of 90 days with effect from the same date.

No. 6-6/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. R. Ahuja, Section Officer of the Directorate General of Health Services, to the post of Administrative Officer, Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 21st May, 1973, and until further orders.

No. 11-2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Ram Kishan, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the Central Secretariat Service for the period from the forenoon of the 1st March, 1973 to the afternoon of the 16th March, 1973.

The President is also pleased to appoint Shri Ram Kishan as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the aforesaid period.

R. N. SAXENA

Deputy Director Administration

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 7th June 1973

No. A-1/1(548).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. M. Daw, Dock Inspector in the office of the Deputy Director General, Supplies & Disposals, Calcutta to officiate as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same office at Calcutta with effect from the forenoon of 18th May, 1973 and until further orders. The appointment of Shri Daw as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on *ad hoc* basis and subject to the results of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

No. A-1/1(907).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Ramachand H. Asnani, Estimator in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of the 18th May, 1973 and until further orders.

2. The appointment of Shri Asnani as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on *ad hoc* basis and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 8th June 1973

No. A-1/1(631).—Shri U. M. Menon, a permanent Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Inspection, Madras has retired from Government service with effect from the 20th May, 1973 (A.N.) on his attaining the age of superannuation i.e. 58 years.

T. V. ANANTANARAYANAN

Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 15th June 1973

No. A-6/57(8)/58.VII.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following, officiating Assistant Inspecting Officers (Met-Chem) substantively against the permanent posts of Asstt. Inspecting officers (Met-Chem) with effect from the

dates noted against each:—

1. Shri M. K. Ghosh—27-10-1969.
2. Shri Mohd. Shahjahan—23-12-1969.
3. Shri P. C. Guha Roy—23-12-1969.
4. Shri P. C. Ghosh—23-12-1969.
5. Shri B. N. Roy Chowdhury—23-12-1969.
6. Shri R. N. Das Gupta—15-7-1971.
7. Shri D. N. Taneja—15-7-1971.

VIDYA SAGAR

Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT

(Coal Mines Labour Welfare Organisation)

Dhanbad, the 8th June 1973

No. Admn.13(128)71.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Smarajit Bhattacharyya, Junior Medical Officer, Central Hospital, Asansol relinquished charge on the afternoon of 6th January, 1972.

R. P. SINHA

Coal Mines Welfare Commissioner
Dhanbad

MINISTRY OF AGRICULTURE

Directorate of Extension

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 2nd June 1973

No. F.2(11)/71-Estt.(I).—Shri K. B. Nayar will continue to officiate as Assistant Exhibition Officer (Grade I), Class II (Gazetted) (Non-Ministerial) in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) on *ad hoc* basis beyond 30th April, 1973 upto 2nd June, 1973, in the vacancy of Shri S. K. S. Dhariwal appointed to officiate as Exhibition Officer in the leave vacancy of Shri V. D. Kapoor.

N. K. DUTTA

Director of Administration

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

(Botanical Survey of India)

Calcutta-13, the 11th June 1973

No. BSI-66/76/73-Estt.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri P. K. Hazra, Scientific Assistant, Eastern Circle, Botanical Survey of India, is appointed as a Botanist in the Pay scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800 in the Eastern Circle, Botanical Survey of India at Shillong, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 16-5-1973 until further orders.

S. N. MITRA

Deputy Director-in-Charge

NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 5th June 1973

No. 29-12/72-Estt.—Shri N. P. Meshram, Field Officer is appointed to the post of Scientific Officer (Class II) in the National Atlas Organisation in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 on an *ad hoc* basis with effect from 2nd June, 1973 (forenoon), until further orders.

S. DAS GUPTA

Director

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Town & Country Planning Organisation)

New Delhi, the 12th June 1973

No. 1-8/65-TCPO-Admn.—On his appointment as Engineer under the Government of Afghanistan, Shri M. H. Trivedi has relinquished charge of the post of Assistant Engineer in Town and Country Planning Organisation with effect from the afternoon of 26th April, 1973.

R. K. DHIR
Administrative Officer

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
(Power Wing)

New Delhi-22, the 8th June 1973

No. 6/1/73-Adm.II(PW).—The Chairman, Central Water & Power Commission hereby appoints Shri P. N. Mehta, Supervisor to the grade of Asstt. Engineer of Central Power Engineering (Class II) Service with effect from the afternoon of 7th April, 1973.

M. S. PATHAK
Under Secy.

(Water Wing)

New Delhi-22, the 14th June 1973

No. A-19012/398/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water & Power Commission hereby appoints Shri R. D. S. Yadav, a temporary Supervisor to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad hoc* basis, with effect from 16-4-1973 (F.N.) until further orders.

Shri R. D. S. Yadav took over charge of the office of Assistant Engineer in C.F.F. Division, Gauhati in the Central Water & Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

The 16th June 1973

No. A19012/284/72Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission to the post of EAD/AE/ARO (Engg.) in the Central Water and Power Commission (Water Wing), Shri J. G. Dixit relinquished charge of the Office of Assistant Research Officer (Engineering), CW&PRS, Poona with effect from the afternoon of May 19, 1973.

K. P. B. MENON
Under Secy.

for Chairman, C. W. & P. Commission

Zoological Survey of India

Calcutta-12, the 5th June 1973

No. F.92-29/73-Estt./6257.—Shri B. P. Halder, Offg. Senior Zoological Assistant, Zoological Survey of India, Southern Regional Station, Madras is appointed as Assistant Zoologist (Class II-Gazetted) in the same Regional Station, in temporary capacity, with effect from 21st May, 1973 (forenoon), until further orders.

The 15th June 1973

No. F.70-7/71-Estt/6641.—Shri P. K. Ghosh, Office Superintendent, Zoological Survey of India, Calcutta is appointed as Junior Administrative Officer (Class II-Gazetted) in the same Department at the Headquarters, on *ad hoc* basis, with effect from 11th June, 1973 (afternoon), until further orders.

No. F.70-2/71-Estt./6648.—The following Senior Zoological Assistants, Zoological Survey of India, are appointed as Assistant Zoologists (Class II-Gazetted) in the same Department at the Headquarters, on *ad hoc* basis, with effect from the dates shown against each, until further orders.

1. Shri B. C. Saha—11-6-1973 (afternoon).
2. Shri K. C. Basu—11-6-1973 (afternoon).
3. Shri R. K. Ghosh (I)—11-6-1973 (afternoon).
4. Shri Samir Sen—11-6-1973 (afternoon).
5. Shri Sumit Gupta—12-6-1973 (forenoon)

Dr. A. P. KAPUR
Director
Zoological Survey of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
Personnel Division

Bombay-400 085, the 21st May 1973

No. PA/81(10)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Mohanlal Vithaldas Bhavsar, a temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1973, until further orders.

The 24th May 1973

No. PA/81(65)/72-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Jagdish Vishnu Satam, officiating Scientific Assistant-C in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1973, until further orders.

No. PA/81(71)/72-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Ramesh Shamrao Kothare, officiating Scientific Assistant C in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 1, 1972, until further orders.

S. P. MHATRE
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Madras Atomic Power Project

Kalpakkam, the 18th May 1973

No. MAPP/3(149)/87-Adm/6557.—Chief Project Engineer, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint Shri K. Sudhakaran Pillai, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Store Keeper in Madras Atomic Power Project as Assistant Stores Officer in this Project in a temporary capacity from the forenoon of May 5, 1973 until further orders.

J. L. NARASIMHAM
Administrative Officer

Kalpakkam, the 26th May 1973

No. 1(1)/73-Rectt/P6483.—The Chief Engineer (Civil), Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam is pleased to appoint the following Quasi-permanent Supervisors of the Civil Engineering Group, Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam as Scientific Officer/Engineer-SB in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1973 until further orders:—

1. Shri P. V. Kumaran.
2. Shri R. Padmanabhan.

3. Shri H. R. Ramaprasad.
4. Shri R. Sambasivam.
5. Shri V. Ganesan.

V. S. VENKATESWARAN
Administrative & Accounts Officer

(Power Projects Engineering Division)

Bombay-5, the 1st June 1973

No. PPED/3(130)/73-Adm.7951.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri R. Radhakrishnan, SAS Accountant of the office of the Accountant General, Gujarat presently on deputation to this Division as Accountant, as an Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the same Division on an *ad hoc* basis with effect from May 29, 1973, until further orders.

M. S. RAO
Administrative Officer
for Director

(Heavy Water Projects)

Tuticorin, the 5th June 1973

No. 05000/V/14/4948.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects appoints Shri H. K. Venkataramana, a temporary Scientific Officer/Engineer (Grade SR) of the Bhabha Atomic Research Centre, to a post in the same grade in the Heavy Water Project (Tuticorin), in a temporary capacity, with effect from the forenoon of May 9, 1973 until further orders.

No. 05000/K/36/4949.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri M. V. Krishnaswamy, a temporary Scientific Officer/Engineer (Grade SB) of the Bhabha Atomic Research Centre, to a post in the same grade in the Heavy Water Project (Tuticorin), in a temporary capacity, with effect from the forenoon of May 30, 1973 until further orders.

No. 05000/K/35/4947.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri M. S. Krishnamurthy, a temporary Scientific Officer/Engineer (Grade SR) of the Bhabha Atomic Research Centre, to a post in the same grade in the Heavy Water Project (Tuticorin), in a temporary capacity, with effect from the forenoon of May 28, 1973 until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

India Meteorological Department

New Delhi-3, the 15th June 1973

No. E(1)05549.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. K. Bhatia, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi as Assistant Meteorologist, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 3rd May, 1973 and until further orders.

Shri N. K. Bhatia, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the Office of Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

No. E(1)05617.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri G. M. Jain, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi as Assistant Meteorologist, in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 5th May, 1973 and until further orders.

Shri G. M. Jain, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

Office of the Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 6th June 1973

No. A33023/1/72EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Asstt. Aerodrome Officers (Tranees) to the post of Assistant Aerodrome Officer, Class II, Gazetted post, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in the Scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-E.B.-30-800-E.B.-830-35-900, in a temporary capacity, with effect from the dates shown against their names and until further orders:—

So. No.	Name	Station	Date of appointment
1.	Shri M. S. Sindhu . . .	Palam	8-5-73
2.	Shri A. Saha . . .	Palam	8-5-73
3.	Shri S.C. Huria . . .	Palam	8-5-73
4.	Shri Ranjit Kumar . . .	Palam	8-5-73
5.	Shri S. Raina . . .	Santacruz	9-5-73
6.	Shri B. N. Jaisimha . . .	Santacruz	9-5-73
7.	Shri U. V. Thengadi . . .	Santacruz	9-5-73
8.	Shri V. S. Mulekar . . .	Santacruz	9-5-73
9.	Shri R. S. Raikar . . .	Santacruz	11-5-73
10.	Shri G. S. Ganesan . . .	Madras	9-5-73
11.	Shri G. K. Verma . . .	Dum Dum	8-5-73 A.N.
12.	Shri M. Venktaramana . . .	Dum Dum	8-5-73 A.N.
13.	Shri P. Sharma . . .	Dum Dum	17-5-73
14.	Shri J. K. Barman . . .	Dum Dum	29-5-73
15.	Shri J. S. Khurana . . .	Santacruz	29-5-73
16.	Shri V. K. Joshi . . .	Santacruz	29-5-73
17.	Shri S. S. Parate . . .	Santacruz	29-5-73
18.	Shri R. Joshi . . .	Santacruz	29-5-73
19.	Shri B. Shah . . .	Santacruz	29-5-73
20.	Shri R. S. Deswal . . .	Palam	29-5-73
21.	Shri P. Ohri . . .	Palam	29-5-73
22.	Shri H. C. Malik . . .	Palam	29-5-73
23.	Shri D. Kuppan . . .	Madras	29-5-73

S. L. KHANDPUR,
Asstt. Director of Admn.
For Director General of Civil Aviation

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-12, the 13th June 1973

No. 2-21/73-Estt.I.—Chairman, Delhi Milk Scheme has been pleased to appoint Shri Mitthu Lal, Assistant Security Officer, Delhi Milk Scheme to hold full charge of the post of Security Officer in addition to his own duties of the post of Assistant Security Officer for the period from 13-3-1972 to 25-5-1972.

M. P. KHOSLA
Dy. General Manager (Admn.)

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-12, the 13th June 1973

No. 5/1973.—On transfer Shri N. Veerabhadraiah, Assistant Chemical Examiner, Custom House, Labo-

ratory, Calcutta assumed charge in the same capacity in the Custom House Laboratory, Madras with effect from the afternoon of 11th May, 1973 against the vacancy caused by the promotion of Shri M. K. Ranganathan, Assistant Chemical Examiner to the post of Chemical Examiner Gr. II.

V. S. RAMANATHAN

Chief Chemist
Central Revenues

NORTHERN RAILWAY (Head Quarters Office)

New Delhi, the 12th June 1973

No. 18.—Shri N. N. Kohli, Assistant Commercial Officer (Refund), Northern Railway has retired from Railway service w.e.f. 14th May, 1973 afternoon.

C. S. PARAMESWARAN
General Manager

NORTH-EASTERN COUNCIL

Shillong-3, the 18th May 1973

No. NEC.9/72.—Subject to admissibility of leave as certified by Accountant General, Assam, Meghalaya, Nagaland, etc., Shillong, Shri E. S. K. Raman, Section Officer, North Eastern Council, Shillong, is granted earned leave for 16 days from 18-5-1973 to 2-6-1973 prefixing 17-5-1973 being holiday and suffixing 3-6-1973 being Sunday to his leave. It is certified that but for proceeding on leave Shri Raman would have continued to officiate as Section Officer, North-Eastern Council, Shillong.

D. K. BHATTACHARYA
Secretary
North-Eastern Council

Central Excise Collectorate Baroda

Baroda, the 21 May 1973

No. 3 of 1973.—The following Inspectors (S.G.) who are appointed to officiate as superintendent Central Excise Cl. II under this Establishment Order No. 55/1973 dated 19-4-73 have assumed the charge of Superintendent Central Excise Cl. II on the dates shown against them.

Sl. No.	Name of Officer	Posting	Date of assumption of charge
1.	Shri V. L. Poonekar	Hdqrs. Office, Baroda	19-4-73 A.N.
2.	Shri N. V. Jotwani	Do.	19-4-73 A.N.
3.	Shri N. C. Desai	I.D.O. Anand	19-4-73 A.N.
4.	Shri N. I. Mehta	Hdqrs. Office, Baroda	19-4-73 A.N.
5.	Shri R. C. Patel	D.C. (Baroda Collectorate) A'bad	19-4-73 A.N.
6.	Shri V. A. Ramatri	Hdqrs. Office A'bad Coll'te	19-4-73 A.N.
7.	Shri G.T. Chhabaria	U.D.O. Viramgam	19-4-73 A.N.
8.	Shri S. H. Shinde	Hdqrs. Office Baroda	19-4-73 A.N.
9.	Shri G.P. Jhalla	I.D.O. Baroda Division II	19-4-73 A.N.
10.	Shri I. H. Mehta	I.D.O. Ahmedabad Division II	19-4-73 A.N.
11.	Shri N. B. Chokshi	Customs Division Bulsar	19-4-73 A.N.

12.	Shri M. A. Kale	I.D.O. Nadiad	19-4-73 A.N.
13.	Shri M. B. Dave	I.D.O. Virmagam	19-4-73 A.N.
14.	Shri Abdul Hawq Mohamed Musa	I.D.O. Anand	19-4-73 A.N.
15.	Shri M. A. Patel	I.D.O. Jamnagar	21-4-73 F.N.
16.	Shri S. D. Kappe	Hdqrs. Office, Baroda	19-4-73 A.N.
17.	Shri V. M. Shah	I.D.O. Anand	19-4-73 A.N.
18.	Shri C. A. Dixit	I.D.O. Surat	19-4-73 A.N.
19.	Shri V. G. Dandekar	I.D.O. Baroda Division I.	19-4-73 A.N.

D. N. LAL,
Collector,
Central Excise
Baroda

Central Excise Collectorate M. P. & Vidarbha Nagpur, the 6th June 1973

No. 8/73.—Consequent upon their appointment as offg. Administrative Officer/A.C. A. O. C. Ex. Class II, the following offg. Office Superintendents of this Collectorate assumed charge as Administrative Officer/Asstt. Chief accounts Officer of C. Ex. Class II as indicated below:—

Sl. No.	Name of Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
1.	Shri M.L. Sharma	Administrative Officer (Hqrs.) C.Ex., Nagpur.	15-5-73 (A.N.)
2.	Shri V. M. Bhojraj	Asstt. Chief Accounts Officer C.Ex., Nagpur.	16-5-73 (F.N.)
3.	Shri K. V. Thatte	Administrative Officer, C. Ex., I.D.O. Raipur.	21-5-73 (F.N.)
4.	Shri M. C. Kazi	Administrative Officer, C. Ex., I.D.O. Jabalpur	24-5-73 (F.N.)

R. N. SHUKLA
Collector

Central excise Collectorate Kanpur

Kanpur, the 15th June 1973

No. I/A/128/73.—Smt. Nisha Malhotra, Offg. Superintendent Central Excise, Class II, presently posted as Superintendent (Tech.) in the Central Excise Division Agra, in continuation to the Maternity leave granted to her for 3 months from 18-10-1972 sanctioned under Establishment Order No. I/A/295/72 dated 19-11-1972 out of which she availed leave only for 63 days from 18-10-1972 to 10-12-1972, is granted Earned leave for 43 days from 20-12-1972 to 31-1-1973, subject to the condition that admissibility of leave is certified by Accountant General Uttar Pradesh II Allahabad.

2. Certified that Smt. Nisha Malhotra, Supdt. Central Excise, Class I returned to the same post and station from where she proceeded on leave.

3. Certified that Smt. Nisha Malhotra would have continued to officiate as Supdt. Central Excise Class I but for her proceeding on leave.

J. DUTTA
Collector

Office of the Registrar of Companies

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Viswakarma Kaithozhil Vyapara Union Limited*

Madras-6, the 7th June 1973

No. 3280/560/72.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Viswakarma Kaithozhil Vyapara Union Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Mangalambika Finance Corporation Private Limited*

Madras-6, the 12th June 1973

No. 1699/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Mangalambika Finance Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*Assistant Registrar of Companies
Madras*

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Saraswathi Motor Transport Company Limited*

Madras-6, the 12th June 1973

No. 2754/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Saraswathi Motor Transport Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Salem Sri Kannika Parameswari Bank Limited*

Madras-6, the 12th June 1973

No. 2793/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Salem Sri Kannika Parameswari Bank Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Y. SATYANARAYANA
*Assistant Registrar of Companies
Madras*

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Baidyanath Oil Mills Private Limited*

Patna, the 12th June 1973

No. 2(570)73-74/1583.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Baidyanath Oil Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
*Registrar of Companies
Bihar*

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Comfort Commercial & Financial Syndicate
Private Limited*

Ahmedabad, the 13th June 1973

No. 1359/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Comfort Commercial & Financial Syndicate Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Bhupendra Finance Private Limited*

Ahmedabad, the 13th June 1973

No. 1673/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bhupendra Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
*Registrar of Companies
Gujarat*

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orient Distributors and Agencies Private Limited*

Bhubaneswar, the 13th June 1973

No. A.479/73-755(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Orient Distributors and Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orissa Chemicals & Ancillary Industries Private
Limited*

Bhubaneswar, the 13th June 1973

No. A.496/73-756(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Orissa Chemicals & Ancilleries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Sd.) **ILLEGIBLE**
*Registrar of Companies
Orissa*

Income-tax Appellate Tribunal

Bombay-20, the 8th June 1973

No. F.48-Ad(AT)/73.—Shri C. Moses, Officiating Superintendent, on ad hoc basis in a temporary capacity in the Income Tax Appellate Tribunal, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jabalpur Bench, Jabalpur on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of three months from 8-3-1973 afternoon to 7-6-1973 afternoon vide this office notification No. F.48-Ad(AT)/72 dated 16-3-1973 is permitted to continue to officiate on ad hoc basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income Tax Appellate Tribunal, Jabalpur Bench, Jabalpur for a further period of three months from 8-6-1973 to 7-9-1973 or till the post is filled up by regular appointment of a nominee of U.P.S.C. whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR
*President
Income-tax Appellate Tribunal*

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.**

Bhopal, the 13th June 1973

No. SUB-R/INDORE/31-12-73.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of

the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2, Mohanpura, Street No 2 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 30-12-72 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Maganlal S/o Shri Virchand, (2) Kesrimal Tarachand, (3) Samrutmal S/o Shri Nathmal and (4) Tarachand all resident of H. No. 16 Santa Bazar, Indore. (Transferors).
- (2) Shri Harishchandra S/O Shri Tikamchand (Minor) through the guardian Smt; Shanti Bai W/o Shri Tikamchand, Prop; Agarwal Doot Dahi Bhandar, Choti Gali Toli Indore. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2 situated at Mohanpura Street No. 2, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range
Bhopal)

Date : 13-6-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

The 13th June 1973

No. SUB-R/INDORE/15-12-72.—Whereas, I V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land of Nazarbagh behind Old Palace Market C situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 14-12-72 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Princess Usha Trust, Manik Bagh, Indore (Transferor).
- (2) (1) Shri Mithulal Nathulal Goyal Warehouse Road, Indore (2) Shri Mannalal Ramdeo Hathipala Road, Indore (Transferee).
- (3) As per statement enclosed with the form No 37G (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Openland of Nazarbagh behind Old Place as delineated by Red boundry and marked 'C' in the site plan.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date : 13-6-73.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

The 13th June 1973

No. SUB-R/INDORE/15-1-73.—Whereas, I V. K. SINHA being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/9 South Tukoganj Street No. 5 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 6-1-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kailash Vyas S/o Shri Laxminarain Vyas, 7/3, Snehlatajani, Indore (M.P.) (Transferor).
- (2) Shri (1) Dr. Shanti Swroop S/o Shri Chanan Ram and (2) Smt. Prakashwati Gupta W/o Shri Shanti Swroop Gupta, Railway Station Hospital, Ujjain (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2/9 South Tukoganj, Street No. 5, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Bhopal

Date : 13-6-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

The 13th June 1973

No. SUB-R/INDORE/31-1-73.—Whereas, I V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 150, M. T. Cloth Market, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore

on 30-1-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kailashwanti Bai Wd/O Shri Brijlal Bhatia self and as real and natural Guardian of her minor son Shri Yogender, 14, Race Course Road, Indore.
- (2) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Brijlal Bhatia, 123-Anupnagar, Indore.
- (3) Shri Rajender S/o Shri Brijlal Bhatia, 14-Race Course Road, Indore. (Transferors)
- (2) 1. Shrimati Haribai W/o Shri Pinjomal 33 Jairampur Colony, Indore & 2. Smt. Lajwanti Bai W/o Shri Gopaldas 34, Katju Colony, Indore. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 150, M.T. Cloth Market, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Bhopal)

Date : 13-6-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 13th June 1973

Ref. No. Sub/Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 51-B, Palshikar Colony, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 29-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Dayaldas S/o Narayandas, 2. Shri Sri-chand S/o Narayandas, 161, Palsikar Colony, Indore. (Transferor)
(Transferor)
- (2) 1. Shri Kishanchand Chottarmal, 2. Shri Daulatram Chottarmal, 51-B, Palsikar Colony, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building No. 51-B situated at Palshikar Colony, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date 13-6-73

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th June 1973

Ref. No. Sub-R/Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2, Mohanpura, Street No. 2 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 19-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Maganlal S/o Shri Virchand.
- (2) Shri Kesrimal Tarachand.
- (3) Shri Samrutmal S/O Shri Nathamal.
- (4) Shri Tarachand all resident of H. No. 16, Santa Bazar, Indore.

(Transferors)

- (2) Shri Rajendra Kumar S/o. Shri Tikamchand (Minor) through the guardian Smt. Shanti Bai W/o. Shri Tikamchand Prop. Agarwal Doot Dahi Bhandar, Choti Wali Toli, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2 situated at Mohanpura Street No. 2, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date 13-6-73

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 13th June 1973

Ref. No. Sub-Reg./Gwl./31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, 131, Nomahalla Gwalior situated at Nomahalla, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 29-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Vishwanath Prasad Mathur, S/o Shri Bhavya Keshavlal, Nomahalla, Gwalior Presently at C/o Shri Vidyasagar Bartharia, Advocate, Sholapur (M.S.). (Transferor)
- (2) Smt. Badamibai, w/o Shri Dayaram; Shri Dharmdas s/o Shri Nandram; Smt. Phoolwatibai w/o Shri Dharmdas Kushwaha, Aukhana, Khurd, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2, 131, (Part House) Nomahalla, Gwalior.

Boundaries:—

East—Public road.

West—House of Shri Chokelal.

North—Public road.

South—Remaining property sold.

V. K. SINHA.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date 13—6—73

Seal

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 13th June 1973

Ref. No. Sub-Reg./Gwl./31-12-72.—Whereas, I, V.K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, 131, Nomahalla Gwalior situated at Nomahalla, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Gwalior on 29-12-72 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vishwanath Prasad Mathur, S/o Shri Bhavya Keshavlal, Nomahalla, at present:—C/o Shri Vidyasagar Bartharia, Advocate, Sholapur (M.S.). (Transferor)
- (2) 1. Smt. Ramnyari w/o Shri Nandramji, 2. Shri Ramdas s/o Shri Nandramji, 3. Smt. Latadevi w/o Shri Ramdas, 4. Shri Shambudayal s/o Shri Dayaram, 5. Shri Dayaram s/o Shri Nandram, all Kushwaha, r/o Aukhana Khurd, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2, 131, (Part house) Nomahala, Gwalior.

Boundaries :—

East—Public road.

West—Lane of Corporation.

North—Remaining property sold.

South—House of Shri Gangaprasad.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date 13—6—73

Seal

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 13th June 1973

Ref. No. Sub-Reg/Mor/15-12-72.—Whereas, I, V.K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House & Shop No. 28/4, Mandi committee Block No. 50 Situated at Jiwajiganj, Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Morena, on 8-12-72 on 19... for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foreshadowed exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-24—126GI/73

section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

(1) 1. Shri Vinodchandra s/o Late Shri Shantilal Shah, 2. Shri Ashokchandra s/o Late Shri Shantilal Shah, thro' Shri Vinodchandra, 3. Smt. Bhanumatibai w/o late Shri Shantilal thro' Shri Vinodchandra, No. 33, Murai Mohalla, Sanyogitaganj, Indore. (Transferers)

(2) Smt. Mayadevi, W/o Shri Kailashchandra Mathur, Ambah, Dist. Morena.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & Shop No. 28/4, Mandi committee block No. 50 Jiwajiganj, Morena.

Area—77+71

—————×308

2

Platform & Courtyard—33'X30'.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date 13—6—73

Seal

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bombay, the 13th June 1973

No. Sub. Reg./Mor./15-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal No. 28/4, Mandi Committee Block No. 49 situated at Jiwajiganj, Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Morena, on 8-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vinodchandra s/o Late Shri Shantilal, (2) Shri Ashokchandra s/o Late Shri Shantilal (thru) Shri Vinodchandra, (3) Smt. Bhanumatibai w/o Late Shantilal, 33, Murai Mohalla, Sanyogitgani, Indore, (Transferor)
- (2) Smt. Kamaladevi w/o Shri Omprakash Mathur, Kasba Ambah, Tah. Ambah, Distt. Morena, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Municipal No. 28/4 Mandi committee block No. 49 Jiwajiganj, Morena (Single storey).

Area—65 Sq. Ft. 71/2×30' Front Platform and courtyard—33'×30'.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date: 13th June 1973

Seal:

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 13th June 1973

No. Sub. Reg./Gwl./31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85, 1, A, 3, 2 situated at Sarafa Bazaar, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 21-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Laxmandas, (2) Vasdev s/o Shri Tekchand Sarafa, Deedwana Oli Lashkar, Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Shayamlal s/o Shri Kushaldas, (2) Shri Deendayal s/o Tikamdas, Lala ka Bazaar, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have a right to be heard at the hearing of objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House at Sarafa Bazaar, Lashkar.

Boundaries :—East—House of Smt Gangabai.

West—House of Shri Teklal Ramchand.

North—Road, Sarafa Bazaar.

South—House of Shri Krishnakant.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Bhopal

Date : 13th June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 13th June 1973

No. Sub. Reg./Gwl./31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31,140—Deewana Oli, Lashkar situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 20-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Shrikumar, (2) Shri Laxmikumar (3) Shri Vijaykumar, (4) Shri Venugopal, s/o late Shri Sampatkumar Majeji, No. P-6, Kalakar Street, Calcutta. (Transferors)

- (2) Shri Madanmohan Sud, s/o Shri Ramdevji, Chit is Ki Kothi, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I am hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made an objection, and the transferee of the property.

I am hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 31, 140, Deedwana Oli, Lashkar.

Boundaries :—East—House of Shri Prapchand Jain.

West—House of Shri Panna Kanhaiya.

North—Common road of corporation.

South—Common lane of corporation.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range

Bhopal

Date : 13th June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal the 13th June 1973

No. Sub. Reg./Mor./15-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House no. 4/91 situated at Jiwajigani, Morena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Morena, on 6-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shivnarayan s/o Shri Motiram, Vaishya, Jiwajiganj, Morena, (2) Shri Chevuram (minor) s/o Guardian Shri Mouram, Vaishya, Jiwajiganj, Morena. (Transferor)
- (2) Shri Vasudev (minor) s/o Shri Chhatrapal, Village Khanka, Jaora, Morena. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/91, Jiwajiganj, Morena (area—181'×30').

Boundaries :—North—House of Tikaram.

South—House of Kalyansingh Lajaram.

East—Public road.

West—Public road.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range.

Bhopal

Date : 13th June 1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th June 1973

Ref. No. Sub.Reg./Gwl./31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the

Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 32/344 situated at Sarafa Bazar, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed (registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 17-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagannath Prasad, (2) Shri Mathura Prasad s/o Shri Lachchumalji Agarwal, Vaishya, Daulatganj, Lashkar, Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Sureshchandra Agarwal s/o Shri Ghanshyamdas, Kaseria Oli, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 32/344, Sarafa Bazaar, Lashkar.

Boundaries :—East—House of Shri Parasnathji.

West—House of Shri Gopichand.

North—Lane and Bharatiya School,
South—Footpath and road.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
Bhopal

Date : 13th June 1973
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th June 1973

Ref. No. Sub. Reg./Gwl./31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 17, 658, 1, Kamalsingh Ka Bagh situated at Shinde-Ki-Chavni, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior on 27-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok, (2) Shri Santosh s/o Shri Kashinath Deshmankar, (3) Kum. Geeta d/o Shri Kashinath Deshmankar and (4) Smt. Mandakini w/o Shri Kashinath Deshmankar, Shinde-Ki-Chavni, Lashkar, Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Darbara Singh s/o Shri Puran Singh Panjabi, Shinde-Ki-Chavni, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the

date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 17, 658, 1, Kamalsingh Ka Bagh, Shinde Ki Chavni, Lashkar, Gwalior.

Boundaries :—East—House of Shri Sitaram & Kamle Sabh.
West—Common lane,
North—House of Devi & Prabhu.
South—House of Shri M. K. Jain & road.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date : 13th June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

Ref. No. LDH/106/73-74.—Whereas, I G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-IV, 1641-43, (new) Moh. Dakotan situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana on 27-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ved Parkash, son of Shri Siri Ram, resident of House No. 63, Kothi Megh Singh, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar son of Shri Amritsaria Mal of Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-IV, 1641-43 (New) Mohalla Dakotan, Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 15-6-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B
Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/103/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-XX/693, Gurdev Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 27-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent con-

sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Santokh Singh Grewal, s/o Shri Kehar Singh, resident of Gujjarwal, Tehsil Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Mani Singh, Avtar Singh Girm, sons of Shri Gian Singh, resident of Bhungrni, District Hoshiarpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XX/693, Gurdev Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 15-6-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/157/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. B-XIX, 363-S-8, Gill No. 2, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 20-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurmukh Dass, s/o Shri Assu Mal of Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s. Ganga Engineering and Foundary Works, Ludhiana through Shri Muni Lal Jain, 315, Model Town-2, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of Shri notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Unit No. B-XIX-363-S-8, Gill No. 2, Janta Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/159/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Patel Nagar, Civil Lines, B-XIX/736 situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 27-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Haveli Ram, resident of House No B-XIX/736, Patel Nagar, Civil Lines, Ludhiana through power special attorney Shri Janak Raj. (Transferor)
- (2) Shri Hukam Chand s/o Shri Sain Dass Khud Mohalla, Ludhiana. Shri Om Parkash s/o Shri Ram Saran, resident of Chowk Iqbal Ganj, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XIX/736, Patel Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Chandigarh

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/161/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-XIII/821, Plot No. 34, Club Road situated at Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 29-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Prem Kumar s/o Rai Sahib Arjan Dass, (ii) Raj Kumar Aggarwal, son of Rai Sahib Arjan Dass, residents of Club Road, Civil Lines, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Satya Wati wife of Shri Jagdish Chander Kapoor resident of 34-Club Road, Civil Lines, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. B-XIII/821, Plot No. 34, Club Road, Civil Lines, Ludhiana.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Chandigarh

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/166/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-XIX/818, Green Park situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 26-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gauran Devi wife of Late Shri Maya Dhari, 352 Mohalla Vakilan, Purana Bazar Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Kala Rani Gupta B-XIX/818, Green Park, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-V/1057, Purana Bazar, Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 15-6-1973.

Seal:

25—126GI/73

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/178/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 250-R, Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana on 12-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kartar Kaur, wife of Shri Beant Singh, 434, L-Model Town, Ludhiana. (i) Shrimati Amrit Rani, wife of Shri Khem Chand, B-V-185, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Mulkh Rai, son of Shri Ram Lal Thaper, B-12, 1571, Kachi Gali, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 250-R, Model Town, Ludhiana.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 15-6-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/231/73-74.—Whereas, I, G. P. Sings, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K.S. Sorabha Nagar situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 8-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nirmal Singh Grewal, 16-D, K. S. Sorabha Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Mukhtiar Singh Gursewak Singh, Village Hari-nam, District Faridkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-4, K.S. Sorabha Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 15-6-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43, OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/239/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sorabha Nagar situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 15-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

erty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kartar Kaur, wife of Shri Sucha Singh, 29-C, Gurdev Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Mohanjit Singh, s/o Shri Bara Singh, 3530, Model Gram, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Sorabha Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH

*Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh*

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156,
SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/240/73-74.—Whereas, I G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-XV/195/12, Kucha No. 3, Nirankari Moh. situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 20-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dalip Kaur w/o Surjan Singh, resident of Rangian, Tehsil Ludhiana now House No. 195/9, Kucha No. 3, Mohalla Nirankari, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Smt. Swaran Kanta, w/o Krishan Lal, resident of Jowahar Nagar, Ludhiana through Krishna Lal—her husband. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XV/195/12, Kucha No. 3, Mohalla Nirankari, Ludhiana.

G. P. SINGH

*Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.*

Date : 15-6-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. LDH/245/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-XIX/200, Taraf Gehlewal situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 28-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ganga Bishan Saggar, s/o Shri Kundan Lal, resident of B-XIX/200 Office of the Education Department, Civil Lines, Ludhiana (Transferor).
- (2) Shri Satya Pal, Krishan Kumar, s/o Shri Kahan Chand, c/o M/s B. S. Industries, Miller Ganj, Ludhiana (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B-XIX/200, Taraf Gehlewal, Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 15-6-1973.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. JDH/313/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. VIII, Street No. 1, 100 (Now) situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 27-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Shri Sri Ram, resident of House No. 63, Kothi Megh Singh, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Darshana Rani, wife of Shri Sohan Lal, Kothi Megh Singh, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-VIII/863 Old and B-VIII, Street No. 1, 100 (New), Ludhiana.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. SHD/6/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5-C, Sector 21-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering office at Chandigarh on 6-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kartar Singh s/o Shri Mohar Singh, Malout Mandi (Transferor)
- (2) Shri Subhash Kumar Anand s/o Shri V. P. Anand 2069, Sector 21-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 5-C, Sector 21-D, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range,

Chandigarh.

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. CHD/7/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bldg. No. 63, Industrial Area situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh on 4-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Madan Mohan Singh, (ii) Shri Harinder Singh, (iii) Shri Joy Deep Singh, 547-Sector 18-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) (i) Shri Sant Ram, (ii) Shri Baldev Raj, 67-Grain Market, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 63, Industrial Area, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. CHD/9/72-73 —Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3335, Sector 19-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh on 12-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Nand Singh, resident of House No. 3335, Sector 19-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh s/o Shri Mall Singh, 3060, Sector 27-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3335, Sector 19-D, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh
Chandigarh.

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. CHD/10/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1086, Sector 18C (House) situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh on 13-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishan Lal Kohli son of Shri Mool Rai Kohli, D-1/79, Janak Puri, New Delhi
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Singh son of Shri Gurdit Singh and Shrimati Chanan Kaur w/o Shri Darshan Singh, 131/8, Krishana Colony, Bhiwani (Hissar).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1086, Sector 18-C, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. CHD/11/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Annexe No. 1227, Sector 8-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh on 14-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abhej Kumar Jain, s/o Shri Piara Lal, resident of B-52, Nilokheri, District Karnal (Transferor).
- (2) Shri R. I. Chalan, son of Shri Sunam Rai Chalan, 8/P/III, Hvel, Colony, Pathankot (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication

of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Annexe No. 1227, Sector 8-C, Chandigarh.

Date : 15-6-1973

Seal :

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. CHD/15/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5-C, Sector 28-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh on 22-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. L. Kaday and Mrs. S. L. Kadev, resident of House No. 1027, Sector 11-C, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Amar Kaur wife of Shri Surain Singh, resident of Village and Post office Chak Kalan, Tehsil Nakodar, District Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5-C, Sector 28-A, Chandigarh.

Date : 15-6-1973.

Seal :

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. CHD/16/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1234, Sector 15-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh on 23-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lachhmi w/o Shri Ujagar Singh, Village Bhajo Majra, Tehsil Kharar, District Ropar. (Transferor)
- (2) Smt. Amro w/o Shri Bhaina Ram, Village Rurka Kalan, District Jullundur. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of his property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1234, Sector 15-B, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range.
Chandigarh

Date : 15-6-1973

Seal :
26—126GI/73

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. CHD/18/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing SCR No. 11 Sector 7-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh on 29-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. C. Vohra, P.O. Box No. 41964, Nairobi Kenya. (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh, son of Shri Gurnam Singh, Post Box No. 98588, Mombasa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 11, Sector 7-C, Chandigarh.

G. P. SINGH

*Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh*

Date : 15-6-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June, 1973

No. CHD/23/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3452, Sector 23 (House) situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh on 28-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piara Singh son of Shri Asa Singh, resident of 71-Grain Market, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Satva Paul Sharma son of Shri Hari Ram Sharma, 2214, Sector 27-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3452, Sector 23, Chandigarh.

G. P. SINGH

*Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh*

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June, 1973

No. BGR/1/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Bldg. B-2 and B-3 situated at Bahadurgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bahadurgarh on 13-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Geeta Devi w/o Shri Devki Nandan, P.O. Hissar. (ii) Shri Atma Ram, s/o Shri Murari Lal, P.O. Saver, District Mohindergarh. (Transferor)
- (2) M/s Kapur Industries, Modern Industrial Estate, Bahadurgarh, through its partners (i) Smt. Radha Rani Kapur, (ii) Romesh Kapur (Shri), (iii) Shri Praveen Kapur, (iv) Smt. Anjana Kapur and (v) Smt. Uma Kapur, c/o above firm. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building Plot No. B-2 and B-3, Bahadurgarh.

G. P. SINGH

*Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh*

Date : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. HSR/124/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 98-N, Model Town, situated at Hissar (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hissar on 6-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Subhash Chander s/o Shri Govind, B-3/2, Rajouri Garden, Delhi and (ii) Shrinati Krishna Wanti widow of Shri Gobind, B-3/2, Rajouri Garden, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Bimla Devi, wife of Shri Madan Lal, 98-N Model Town, Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 98-N, Model Town, Hissar.

G. P. SINGH

*Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh*

Date : 15-6-1973

Seal :

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June, 1973

No. BGR/136/73-74.—Whereas, I G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, Main Bazar, Garh Gate situated at Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh on January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chet Ram, s/o Shri Loka Mal, Shri Jagan Nath, s/o Shri Gangi Mal, Shri Nawal Kishore, s/o Shri Daulat Ram, Sarvshri Sham Sunder, Din Dayal and Jai Ram sons of Shri Net Ram, residents of village Jharsanthi, Tehsil Ballabgarh, District Gurgaon, (transferor)
- (2) Shri Bhoji Ram, Bhagwan Das and Jshwar Dayal sons of Shri Misri Lal, son of Shri Dalip Singh, Ward No. 9, Ballabgarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, Main Bazar, Garh Gate, Ballabgarh.

(G. P. SINGH)

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range)
Chandigarh.

Date : 15-6-1973.

Seal :

*[Strike off where not applicable]

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 15th June 1973

No. JGR/168/73-74.—Whereas, I G.P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sher Pura Road, (Property) situated at Jagraon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jagraon on 15-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri (i) Badri Prasad s/o Shri Ganpat Lal, (ii) Shri Sukh Dev, s/o Shri Hargopal, (iii) Shri Raghbir Lal, s/o Shri Shiv Narain, (Transferor)
- (2) Shri Sham Lal, Hans Raj sons of Shri Jiwan Dass, Sarvashri Parkash Singh, Santokh Singh, Thakar Singh, sons of Shri Tirath Singh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated on Sher Pura Road, Jagraon. District Ludhiana.

(G. P. SINGH)

Competent Authority

*(Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh.*

Date : 15-6-1973.

Seal :

**[Strike off where not applicable]*

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th June 1973

No. AR/72-73/P-56/S-47/399.—Whereas, I H. S. Dhuria, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 2348 of December, 1972 situated at White Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in December, 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mukand Lal S/o Shri Abnashi Ram, Chowk Darbar Sahib Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Sham Sunder, S/o Shri Narain Dass, Katra Moti Ram, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 32 & 33 and building constructed on it as mentioned in the Registered Deed No. 2348 of December, 1972 of the Registering Officer, Amritsar.

H. S. DHURIA

Competent Authority

*Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar*

Date : 18th June, 1973

Seal :

**Strike off where not applicable.*

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 15th June 1973

No. AR-1/57-5/72-73.—Whereas, J. S. S. Phadke, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the IncomeTax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New Survey

No. 2713, C.S. No. 554 of Mandvi Division situated at Narsi Natha Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar, Bombay on 29th December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Jadavji Ratanshi & Ors. (Transferor)
- (2) Shri Dhanji Dharshi Chhoda. (Transferee)
- * (3) (1) M/s. Ajitkumar & Co., (2) M/s. Jivraj Ladha-kha, (3) M/s. Kalyanji Gehkbhai (4) M/s. Rasik-lal Chamsey. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground formerly of Quit and Ground Rent Tenure land or ground and forming part of the larger piece or parcel of land or ground more

particularly bearing Plot No. 58B of the Town Planning Scheme, Bombay City No. 1 (Mandvi and Elphinstone Estate) together with messuage tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being on the Northern side of Dongri Street also known as Narsi Natha Street in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 177 square yards equivalent to 147.99 square metres and which larger portion is registered in the Books of Collector of Land Revenue under Collector's Rent Roll No. 2284, Collector's old Nos. 823, 824 and 825, New Nos. 6559, 6562 & 6563 : Old Survey Nos. 137, 138 & 139 and New Survey No. 2713 Cadastral Survey No. 954 of Mandvi Division and bearing Final Plot No. 58 of Town Planning Scheme Bombay City No. 1 (Mandvi and Elphinstone Estate) and the said portion of the land here ditamets and premises is registered in the Collector of Municipal Rates and taxes under 'B' Ward No. 1319 and Street No. 250 and bounded as follows: that is to say On or towards the EAST by Dongri Street now called Narsi Natha Street: On or towards the WEST by Secper's passage; On or towards the North by the Trust Property of Dwarkadas Jamnadas bearing C. S. No. 953 and on or towards the South by a gully and beyond that by another portion of the property now purchased by Dhansukhlal Meghji & Others.

S. S. PHADKE

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range-I,

Bombay

Date : 15-6-1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 15th June 1973

No. AR-1/61-9/72-73.—Whereas, I, S. S. Phadke, Inspecting Asstt. Commissioner, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New Survey No. 1909 C.S. No. 1249 of Bhuleswar Division situated at Balaji Shamset Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar, Bombay on 27th December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagirath Poonamchand Kasat & Ors. (Transferor)
- (2) Shri Dwarkadas Ramjas Dangra. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of redeemed pension tax and or ground together with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Balaji Shamsett Street, without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 135 sq. yards (i.e. 113 sq metres) or thereabouts registered in the Books of the Collector of Land Revenue Bombay under Old No. 523, New No. 2535, Old Survey No. 3200 and 3201 New Survey No. 1909, bearing the Cadastral Survey No. 1249 of Bhuleswar Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal rates and taxes under 'C' Ward No. 587 and street Nos. 61/63 and bounded as follows: that is to say On or towards the East by the property bearing Cadastral Survey No. 1250 belonging to Hirabai daughter of Girdhardas Jethabai and Ramdas On or towards the North by a passage and beyond it by the property bearing Cadastral Survey No. 1221, belonging to Durgadas Devidas and other Trustees partly by the property to Manmohandas-Vithaldas Gujarathi.

S. S. PHADKE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 15-6-1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROOM NO. 10, 1 FLOOR,
N.T.R. ESTATE, J. N. ROAD, HYDERABAD (500001)

Hyderabad (500001), the 14th June 1973

No. RAC No. 18/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As. 25,000/- and bearing No.

situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Distt. Registrar's Office, Hyderabad on 9-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely,

- (1) Shri B. K. Nityanand, Himayathnagar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri M. Venkatesham C/o Indrasani & Bros., Stones & Tiles Merchant, Puthli Bowli, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Open Land admeasuring 226 sq. yards. Himayathnagar, Hyderabad

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Hyderabad

Date : 14-6-1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 15th June 1973

No. AR-II/80/91/72-73.—Whereas, I, N. D. Anjaria, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 94 situated at Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 5th December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parmeshwaridevi Gordhandas, Namakwala Bungalow, Mahatma Gandhi Road, Ghatkopar, Bombay-77. (Transferor)
- (2) M/s. Kanjibhai N. Nakrani Bros., a partnership firm consisting of (1) Kanjibhai Nanji Patel (2) Bhimji-bhai Nanji Patel, (3) Laxman Nanji Patel, 'Rashmi', R. B. Mehta Road Ghatkopar (East) Bombay-77. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land situate lying and being at Ghatkopar in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban bearing Plot No. 94 Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar, containing by admeasurement 716 sq. yds. equivalent to 601.44 sq. metres forming part of Survey No. 249, Hissa No. 3 and bounded as follows; that is to say : On or towards NORTH by Plot No. 93 of Garodia Nagar Scheme; On or towards the South by Plot No. 95 of Garodia Nagar Scheme; On or towards the WEST by Plot No. 85 and Plot No. 86 of Garodia Nagar Scheme; On or towards the East by 44' wide Road bearing Municipal 'N' Ward number 36(94).

N. D. ANJARIA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 15-6-1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th June 1973

No. TR-177/C-48/CAL-I/72-73.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8460 situated at Mouja Siliguri, Distt. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer The Registrar of Assurances No. 5, Government Place North, Calcutta on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Debi Singh Agarwalla (Transferor).
- (2) Dewan Singh Agarwalla, Mohon Singh Agarwalla. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0194 acre (1 K-24 Chattaks) land with a three storied building being plot No. 8460 in Mouja Siliguri as transferred by a Registered deed of conveyance No. 1-6519 of 1972.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
P-13 Chowringhee Square, Calcutta

Date : 14-6-1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 14th June 1973

No. AP.14/I.A.C.A.R-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having 27—126GI/73

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal 'K' Ward No. 8169 (1), (2) (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Radhakrishnan Omprakash Mehra, Bharat Bhuvan, Kalbadevi Road, Bombay-2. (Transferor).
- (2) Smt. Kamla Beharilal Raheja, 79, Meadows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- * (3) Shri Baljot Singh & Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standig thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road Vile Parle in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts

registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186-B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates & Taxes under "K" Ward No. 8169 (1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows: that is to say on or towards the East by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E and on or towards the south by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 11th June 1973

Seal:

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 11th June 1973

No. AP 15/L.A.C., A.R.-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal Ward 'K' No. 8169 (1), (2) (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehra, Bharat Bhuvan, Kalbadevi Road, Bombay-2. (Transferor).
- (2) Kum. Shobha Chaturbhuj Wadhava, 79, Meadows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- “(3) Shri Baljot Singh & Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standig thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 411 square yards or thereabouts registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186-B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates & Taxes under "K" Ward No. 8169 (1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows: that is to say on or towards the East partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E and on or towards the south by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 11th June 1973

Seal:

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 11th June 1973

No. AP-16/L.A.C., A.R.-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal Ward 'K' No. 8169 (1), (2) (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehra, Bharat Bhuvan, Kalbadevi Road, Bombay-2. (Transferor).
- (2) Savitri Purushottam Bajaj, 79, Meadows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- *(3) Shri Baljot Singh & Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given

to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186-B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates & Taxes under "K" Ward No. 8169 (1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E and on or towards the south by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 11th June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 11th June 1973

No. AP-17/L.A.C., A.R.-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal Ward 'K' No. 8169 (1), (2) (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehra, Bharat Bhuvan, Kalbadevi Road, Bombay-2. (Transferor).
- (2) Shri Bhagwandas Sewaram Raheja, 79, Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- * (3) Shri Baljot Singh & Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 411 square yards or thereabouts, registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural survey No. 186-B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates & Taxes under "K" Ward No. 8169 (1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows : that is to say on or towards the East partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on or towards

the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186F and on or towards the south by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV.
Bombay

Date : 11th June 1973

Seal :

FORM 11NS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE—IV
Aayakar Bhavan, M. Karve Marg, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

Ref. No. AP.18/LAC.A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. RAO, I. A. C., A.R.IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10-Municipal, Ward "K", No. 8169(1), (2), (3), situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radharaman Omprakash Mehra, Bharat Bhuvan, Kalbadevi Road, Bombay-2.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Bhagwandas Raheja, 79, Medows Street, Fort, Bombay-1.
(Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh and Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S.V. Road, Vile-Parle, Bombay.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground with the message tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and plot Nos. are collectively given non-agricultural Survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1), (2), (3) and Street Nos. 69, 70 and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows : that is to say on or towards the EAST partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1. On or towards the West by the said Ghodbunder Road, On or towards the North partly by the property bearing Non-agricultural No. 186E and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV Bombay.

Date : 11-6-1973

Seal

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV
Aayakar Bhavan, M. Karve Marg, BOMBAY-20.

Bombay 20, the 11th June 1973

Ref. No. 19/1AC-A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal Ward "K", No. 8169(1) (2) (3), situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Re-

gistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay-2.
(Transferor)
- (2) Shri Bhagwandas Sewakram Rabeja 73, Medows Street, Fort, Bombay-1.
(Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh & Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S.V. Road, Vile Parle, Bombay.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground with the message tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to

4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and plot Nos. are collectively given non-agricultural Survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70 and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows : that is to say on or towards the EAST partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1. On or towards the West by the said Ghodbunder Road on or towards the North partly by the property bearing Non-agricultural No. 186E and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV Bombay.

Date : 11-6-1973
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV
Aayakar Bhavan, M. Karve Marg, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

Ref. No. AP. 20/IAC.A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal, Ward "K", No. 8169(1) (2) (3), situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings, for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay. (Transferor)
- (2) Kum. Shobha Chaturbhuj Wadhwa, 79 Meadows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh and Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle, Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property; will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and plot Nos. are collectively given non-agricultural Survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70 and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows : that is to say on or towards the EAST partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1. On or towards the West by the said Ghodbunder Road, On or towards the North partly by the property bearing Non-agricultural No. 186E and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV Bombay.

Date : 11-6-1973
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV
Aayakar Bhavan, M. Karve Marg, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

Ref. No. 21/IAC.A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal, Ward "K", No. 8169(1) (2) (3), situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent con-

sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay-2.
(Transferor)
- (2) Smt. Savitri Purushottam Bajaj, 79, Meadows Street, Fort, Bombay-1.
(Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh and Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road Vile Parle, Bombay.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground with the messuage tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni

No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and plot Nos. are collectively given non-agricultural Survey No. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under "K" Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70 and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows: that is to say on or towards the EAST partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1. On or towards the West by the said Ghodbunder Road, On or towards the North partly by the property bearing Non-agricultural No. 186E and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

G. S. RAO,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV Bombay.

Date: 11-6-1973
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV
Aayakar Bhavan, M. Karve Marg, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

No. AP-22/IAC.A.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186B and C.T.S. No. 967/1 to 967/10 Municipal, Ward "K", No. 8169(1) (2) (3), situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay-2.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Bhagwandas Raheja, 79, Meadows Street, Fort, Bombay-1.
(Transferee)
- (3) Shri Baljot Singh and Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road Vile Parle, Bombay
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the message tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres—equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188-A Falni Nos. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural Survey No. 186E and bear C.T.S. Nos. 967/1 and 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates & Taxes under "K" Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70, and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows :—that is to say on or towards the East partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1, on or towards the West by the said Ghodbunder Road, on towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

Date : 11-6-1973

(Seal)

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

Ref. No. AP-23/IAC,AR-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., Acqn. Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 186-B & CTS Nos. 967/1 to 967/10—Municipal Ward 'K' No. 8169 (1) (2) (3) situated at Ghodbunder Road, Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanakchand Devidas Khanna, Shreyas, Marine Drive, Bombay. (Transferor)
- (2) Shrimati Kamla Beharilal Raheja, 79-Medows Street, Fort, Bombay-1. (Transferee)
- *(3) Shri Baljot Singh and Others, Plot No. 967, Vijaywadi, S. V. Road, Vile Parle Bombay. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the message tenements or dwelling houses standing thereon, situate lying and being on the East side of Ghodbunder Road, Vile Parle in the registration sub-district of Bandra in the Bombay Suburban District in Greater Bombay containing by admeasurement 3415 square metres equivalent to 4111 square yards or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey Nos. 186, Plot Nos. 9/2, 11/1, 12, 13, 14, 16, 17/1, 18/2 and Falni No. 2/1 and Survey No. 188A Falni No. 1/3 and 2/3 which said Survey Nos. and Plot Nos. are collectively given non-agricultural Survey Nos. 186B and bear C.T.S. Nos. 967/1 to 967/10 in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under 'K' Ward No. 8169(1) (2) (3) and Street Nos. 69, 70 and 71 Ghodbunder Road and bounded as follows : that is to say on or towards the East partly by the property bearing Survey No. 188A and partly by the Property bearing Survey No. 186A, Hissa No. 1 on or towards the West by the said Ghodbunder Road on or towards the North partly by the property bearing non-agricultural No. 186E and on or towards the South by the said property bearing Survey No. 186A Hissa No. 1.

Date : 11th June, 1973.

(Seal)

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th June 1973

Ref. No. Ac-6/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 377/, Block 'G' situated at New Alipur, Calcutta (in Alipur Scheme, Scheme No. XV) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Joint Sub-Registrar Alipur, Dist. 24-Parganas on 8-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Smt. Monika Sengupta w/o Apurba Kumar Sengupta (ii) Smt. Santi Sudha Roy w/o Bikash Chandra Roy (iii) Shri Arun Bikash Gupta. (Transferor)
- (2) Shri Amarendra Nath Banerjee. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.
28—126GI/73

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

5 Cottahs 7 chettacks 16 sq. ft. land with right of passage being premises No. 377/2, Block 'G' New Alipur.

Date : 16th June 1973.

Seal :

M. N. TIWARY

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,

P-13, Chowringhee Square, Cal-1.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th June 1973

Ref. No. Ac-7/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khaitan No. 427, 428 situated at Mouza Shiriti, P.S. Bahala, Dag No. 479 & 479 R. S. Khaitan Dist. 24-Parganas 853 No. 456 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at District Registrar, 24-Parganas Alipur on 21-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Dwarka Nath Roy (ii) Shri Mathura Nath Roy (iii) Shri Brajo Nath Roy (iv) Smt. Suprava Roy. (Transferor)
- (2) M/s Mrinalini Properties (Pvt.) Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

3 Bighas 12 cottahs land with structures in Khatian No. 427 & 428 R. S. Khatian No. 456, in Mouza Shiriti P. S. Behala, Distt. 24 Parganas, Dag No. 479, 479/853.

Date : 18th June 1973

Seal :

M. N. TIWARY

*Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of*

*Income-Tax, Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Cal-1.*

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 18th June 1973

Ref. No. Ac-8/I-Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/NA, E.P. & W.P. situated at Block 'B' New Alipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dist Registrar, 24-Parganas Alipur on 12-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) M/s. Life Insurance Corporation of India (ii) M/s Hindustan Building Society Ltd. (Confining party) (Transferor)
- (2) Shri. Bani Roychowdhury. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 Cottahs land being premises No. 29/NA (E P.) and 29/NA (W P.) Block 'B' New Alipur

Date : 18th June 1973

Seal :

M. N. TIWARY

*Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Cal-1.*

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 of 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta the 18th June 1973

No. Ac-9/R-III-Cal/73-74.—Whereas I M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khatian No. 418 and 457 situated at Mouza Siriti P.S. Behala Dag. No. 470, 470/1172, 470/1163 & 479 & 471 Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at District Registrar 24-Parganas Alipur on 5-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Sri Dwarka Nath Roy (ii) Mathura Nath Roy (iii) Broja Nath Roy (iv) Shrimati Suprava Roy (Transferor)
- (2) Bikas Kamal Banerjee. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Bighas 18 cottahs 6 chattaks of land in J. L. No. 11 Khatian No. 418 and 457 R. S. Khatian No. 456 Dag No. 471, 470 470/1163, 470/1172 and 479 in Mouza Siriti P. S. Behala Dist. 24-Parganas.

Date : 18th June 1973.

Seal :

M. N. TIWARY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I
P-13, Chowringhee Square, Cal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 11th June 1973

No. A.P.24/L.A.C., A.R. IV/73-74.—Whereas, I G. S. Rao I.A.C., A.R.IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. E-12 and 13 and 14 of Block 'E' of the layout of the Industrial area of Survey No. 41 situated at Oshiwara Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Alice Bldg., D. N. Road, Fort, Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Bhaskarbhai K. Patel 99, Jawaharnagar, Goregaon (West), Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot E-12 admeasuring 1248 square metres, Plot E-13 admeasuring 1248 square metres, and Plot E-14 admeasuring 2301 square metres of Block 'E' of the layout of the industrial area of Survey No. 41 Village Oshiwara, near, Varsova in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban.

Date : 16th June 1973.

Seal :

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Dated, the 16th June 1973

No. AP.29/I.A.C., A.R-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao I.A.C., A.R-IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. E-1 and E-2 of Block 'E' of the layout of the Industrial area of Survey No. 41 situated at Oshiwara Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Alice Bldg. Dr. D. N. Road, Bombay-1. (Transferor)

- Shri Satishbhai D. Patel, 99, Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-62. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION .—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot E-1 admeasuring square metres and Plot E-2 admeasuring square metres of block 'E' of the layout of the industrial area of Survey No. 41, Village Oshiwara, near Varsova in the registration sub-district of Bandra, District—Bombay Suburban.

Date : 16th June 1973.

Seal :

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Dated the 16th June 1973

No. AP.28/I.A.C., A.R-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot E-19 and E-20 of Block E, of the layout of Industrial area of Survey No 41 situated at Oshiwara Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Alice Building, Dr. D. N. Road, Bombay-1. (Transferor)
- (2) Shri Gunvantbhai K. Patel, 99, Jawahar Nagar, Goregaon (West) Bombay-62. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot E-19 admeasuring 1452.50 square metres and Plot E-20 admeasuring 2307.50 square metres of Block 'E' of the layout of the industrial area of survey No. 41, Village Oshiwara, near Versova in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban.

Date : 16th June 1973.

Seal :

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Dated the 16th June 1973

No. A.P. 27/I.A.C. A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao I.A.C., A.R.IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plots No. E-3 and E-4 of Block 'E' of the layout of the Industrial area of Survey No. 41 situated at Oshiwara Village (and more fully described in the Scheduled annexed

hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Alice Bldg., Dr. D. N. Road, Bombay-1, (Transferor)
- (2) Manibhai Bhailalbhai Patel, 99 Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-62. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot E-3 and Plot E-4 each admeasuring 1248 square metres of Block 'E' of the layout of Survey No. 41, village Oshiwara, near Versova in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban.

Date : 16th June 1973.

Seal :

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Dated the 16th June 1973

No. A.P.26/L.A.C., A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao I.A.C., A.R.IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plots No. E-21, E-22, E-23, E-24 and E-25 of Block 'E' of the layout of the Industrial area of survey No 41a situated at oshiwara Village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd. Alice Building, Dr. D. N. Road, Bombay-1. (Transferor)
- (2) Smt. Anilaben Ambalal Patel, 99 Jawahar Nagar, Goregaon (West) Bombay-62. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot E-21 admeasuring 1267.50 square metres, Plot E-22 admeasuring 1282.50 square metres, Plot E-23 admeasuring

1297.50 square metres, Plot E-24 admeasuring 1312.50 square metres, and Plot E-25 admeasuring 1246 square metres of Block 'E', of the layout of the industrial area of Survey No. 41, Village Oshiwara, near Versova in the registration Sub-district of Bandra, District Bombay Suburban.

Date : 16th June 1973.

Seal :

G. S. RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Dated the 16th June 1973

No. A.P.25/L.A.C., A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao I.A.C., A.R.IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plots No. E-9, E-10 and E-11 of Block 'E' of the layout of the Industrial area of Survey No. 41 situated at Oshiwara Village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Alice Building Dr. D. N. Road, Bombay-1 (Transferor)
- (2) Fakirbhai Somabhai Patel, 99, Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-62. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot E-9 admeasuring 1248 square metres, Plot E-10 admeasuring 1248 square metres, and Plot E-11 admeasuring 1248 square metres of Block 'E' of the layout of the Industrial area of Survey No. 41, Village Oshiwara, near Versova in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban.

Date : 16th June 1973.
Seal :

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

The 16th June 1973

No. AP-24/I.A.C., A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I.A.C., A.R.-IV, Bombay being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plots Nos. E-3, E-4 and E-5 of Block 'E' of the lay-out of the Industrial area of survey No. 41 situated at oshiwara Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration add that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Alice Bldg., D. N. Road, Fort, Bombay.—(Transferor)
- (2) Shrimati Pushpaben D. Patel, 99, Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-62.—(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot E-3, Plot E-4, and Plot E-5 each admeasuring 1248 square metres of Block 'E' of the layout of the Industrial Area of Survey No. 41, Village Oshiwara, near Versova in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban.

Date : 16th June 1973
Seal

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20.

Dated the 18th June 1973

No. AP/34/L.A.C., A.R. IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, I. A. C., A. R. IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 13A situated at Mouje Pahadi, Goregaon (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dwarkadas Mohanlal Vora, Balasnor Society, Plot No. 30, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.—(Transferor).
- (2) Jai Han Kunj, Co-op. Housing Society Ltd., B/7, Kairali, Shrinagar Estate, Goregaon, Bombay-62.—(Transferee).

“(3) Some hutments—(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice

against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situated at Mouje Pahadi, Goregaon (West), Bombay, in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban being Plot No. 13A containing by admeasurement about 667.75 sq. yds. equivalent to 554.71 sq. metres as per earlier title deeds and about 595.44 sq. yds. equivalent to 497.77 sq. metres as per measurement on site.

Dated : 18th June, 1973.

(Seal)

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Dated the 18th June 1973

No. AP.33/LAC, A.R.-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, Inspecting Asstt. Commissioner, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 12 situated at Mouje Pahadi, Goregaon (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dwarkadas Mohanlal Vora & Others, Balasinar Society, Plot No. 30, S. V. Road, Kandivali(W), Bombay-67. (Transferor)
- (2) Matrabhumi Co., Op. Housing Society Ltd., A/8, Kairali Shrinagar Estate, Goregaon, Bombay No. 62. (Transferee)
- (3) Some hutmen's. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate lying and being at Mouje Pahadi, Goregaon (West), Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban being Plot No. 12 containing by admeasurement about 547 sq. yds. equivalent to 457.35 sq. metres as per earlier title deeds and about 551.44 sq. yds. equivalent to 461 sq. metres as per measurement on site.

Date : 18th June, 1973

G. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV,
Bombay

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Dated the 18th June 1973

No. AP.32. IAC, A.R.-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, Inspecting Asstt. Commissioner, Acquisition Range-IV, Bom-29-126GI/73

bay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. (1A) 150AAA, C.T.S. 121 and 122 (Part) S. No. 79, H. No. 1 and 2 (Part) S No. 79(A), situated at Kurla Andheri Road, Village Chakala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bandra on 22-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joseph Gabriel Fernandez, Old Ashram, Andheri-Kurla Road, Andheri, Bombay-69. (Transferor).
- (2) Shri Taluqdar Bhagwati Dube & Others, Old Ashram, Andheri-Kurla Road, Andheri, Bombay-69. (Transferee)
- *(3) Shri Taluqdar Bhagwati Dube & Others, Old Ashram, Andheri-Kurla Road, Andheri, Bombay-69. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. (1A) 150AAA Kurla-Andheri Road, standing on the land bearing S. No. 79, H. No. 1 and 2 (Part) and S. No. 79(A) Part of Village Chakala—C.T.S. No. 121 and 122 (Part).

Date : 18th June, 1973

Seal :

[Strike off where not applicable.]

G. S. RAO,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV,
Bombay

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Dated the 18th June 1973

No. A.P.31/IA C.A.-IV/73.—Whereas, I, G. S. Rao Inspecting Asstt. Commissioner, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S. No. 59, H. No. 1, Plot No. B under layout plan sanctioned by the Bombay Municipal Corporation situated at Kanheri, Borivali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 16-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxmidas Bulji Sampat, Cartet Road No. 1, Opp Bhatia Gas Co., Borivali (East), Bombay-66. (Transferor)

- (2) Shah Sheth Construction Company, 2/9, Calicut Street, Ballard Pier, Bombay-1. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground lying and being at Kanheri Taluka Borivali bearing Plot No. B under layout plan sanctioned by the Bombay Municipal Corporation admeasuring 681 sq. yds bearing survey No. 59, Hissa No. 1.

Date : 18th June, 1973

Seal :

G. S. RAO,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV,
Bombay

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA-410044

Dated, the 16th June 1973

No. C.A.5/Dec-72/NASIK/16/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. No. 13 & C.T.S. No. 3641 Part situated at Deolali, Tal. Nasik, Distt. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nasik on 12-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s)

and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jayant Laxman Rajendra Ganesh-Bhavan, Agra-Road, Nasik. (Transferor).
- (2) (a) Dr. Mohanrao Orum and (b) Dr. Mrs. Rajhas Orum, Asha-Nagar, Nasik Road, Nasik. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 13 and C.T.S. No. 3641 Part Area 808.41 Sq. Metres. at Deolali, Rajendra Colony, Distt. Nasik.

Date: 16-6-1973.

Seal:

G. KRISHNAN
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Poona

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 18th June 1973

No. L.C.4/73-74.—Whereas, I, K. Rajagopalan, Ins-
pecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqui-

sition Range, Ernakulam being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/113 situated at Calicut-Cannanore Road, Kalathilukunnu Amsom (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calicut on 11-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati K. P. Padmavathi. (Transferor).
- (2) Shri M. M. Thomas. (Transferee).
- (3) Stanes Tyre and Rubber Products Limited. (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16½ Cents land (0.066 hectares) with two buildings in S No. 48/1 (R.S. No. 6.3.66) of Kalathilkunnu Amson and Desom, Kozhikode.

K. RAJAGOPALAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range
Ernakulam

Date: 18-6-73.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE, SHILLONG

Shillong, the 19th June 1973

No. A-1/GAU/AQN/281-82.—Whereas, I, N. Pachua, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Putta No. 195 DAG No. 228, situated at Ulubari Town, Ulubari Gauhati in the district of Kamrup of Assam State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Gauhati on 18th Dec. 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Biswanath Mayer Paltonbazar, Gauhati. (Transferor).
- (2) Shri Sankarlal Choudhury Fancybazar, Gauhati. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Bighas of land in the Ulubari Town, Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup of Assam State bearing Patta No. 195 Dag No. 228.

N. PACHUAU

Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range)

Date: 19th June 1973

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 19th June 1973

No. F.148/72-73/R-1.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 17 situated at Harlays Road near Kilpauk Garden, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras on 30-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri J. Paramanandam, S/o. Sri Jagannatha Mudaliar, J. P. Builders, 22/1, Edward Elliotts Road, Mylapore, Madras-4. (Transferor).

- (2) Sri Yelamarthy Narayana Rao Choudary, Tanuku, Tanuku Taluk, West Godavari District, Andhra Pradesh. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 17, vacant site Harleys Road, near Kilpauk Gardens, Madras.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Date : 19th June, 1973
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1

No. F.284/72-73/R-I.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing door No 66, situated at Chandrasekarapuram Salai Road, Tiruchirapalli in Ward No. 3, Block No. 59, T.S.No. 3682, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras on 15-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sivakama Sundari Ammal, W/o. Sundaram Iyer, No. 22, Lakshmi Colony, Madras-17, (Transferor).
- (2) Smt. Rajamal W/o Rajalingam, South Siruppathur, Tiruchy Dist. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Building bearing Door No. 66 in Chandrasekarapuram, Tiruchirapalli in Ward No. 3, Block No. 59, T.S. No. 3682.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Date : 19th June, 1973
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th June 1973

No. J. No. 5(26)/72-73.—Whereas, I, K. Subba Rao, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 10-1-12 situated at Asilimetta Junction, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Visakhapatnam on 29-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Thai Iravathy W/o. T. Lakshmana-swamy, Retired Suptd. Engineer, Narasapur, West Godavari District. (Transferor).
- (2) Sri Tadepalli Vedantham, I.A.S., S/o Punniash Sastry, Director of Census Operations, Hyderabad-4. (Transferee).
- (3) Sri S. S. Anand, Engineer, Hindustan Polymers, (10-1-12) Asilimetta Junction, Visakhapatnam. (Person in occupation of the property).
- (4) The Administrative Officer, Hindustan Polymers Gopalapatnam Road, Visakhapatnam. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

The terraced house situated in plot 9 of block No. 47 and town survey No. 1041 bearing door no. 10-1-12, Asilimetta junction of Waltair, ward of Vishakhapatnam Municipality forming part of the approved lay-out plan bearing L.P.No. 218/61 measuring 707 Sq. yards or 597-123 Sq.mts. in extent and bounded as follows :—

Measurement of bounding lines of the Plot No. 9

East :—Plot No. 10 of the approved lay out plan, boundary line, 99' or 30.18 mts.

South :—Plot No. 16 of the approved lay out plan, boundary line, 60' or 18.29 mts.

West :—Plot No. 8 of the approved lay out plan, boundary line, 113' or 34.44 mts.

North :—Municipal travellers Bungalow road of Visakhapatnam Municipality, boundary line 61' or 18.50 mts.

K. SUBBA RAO

Competent Authority
Inspecting Asst., Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Dated : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th June 1973

No. J. No. 5(25)/72-73.—Whereas, I, K. Subbarao being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 14-37-26 Gokhale Road situated at Muppidi Colony of Maharani peta Ward (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Visakhapatnam on 29-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Vaddiparthi Seetha W/o Dr. V. Ramarao 31-30-28, Narayana Street, Dabagardens, Visakhapatnam (Transferor).
- (2) Sri Degala Suryanarayana S/o Gangaaju, 14-37-26, Gokhale Road, Muppidi Colony Visakhapatnam (Transferee).
- (3) Sri J. L. Narasimharao, Dy. Collector of Customs, Visakhapatnam, (Person in occupation of the property).
- (4) Shrimathi D. Sita Suryanarayana, 14-37-26 Gokhale Road, Muppidi Colony, Visakhapatnam. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

All that two storeyed building (one ground floor and 1st floor) and site with all its appurtenances, advantages, fixtures etc., bearing Dr. No. 14-37-26 Asst. No. 1765, Block No. 4 T.S.No. 138, Plot No. 24 measuring about 324 Sq. Yards i. e., 270.87 Sq. mts. situated at Maharanipeta ward, Visakhapatnam Municipality Visakhapatnam sub-Dt. along with one car garage and the common passage measuring 203 Sq. Yds. Common overhand tank, Common grounds water tank and the common septic tank, common to the other twin buildings and also alongwith its amenities such as electricity, water tap etc., and bounded by East site No. 25 : South Building No. 1; West—Dr. Subhadradev's building; North Gokhale road..

K. SUBBARAO

Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Dated : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1973

No. J.No. 5(30)/72-73—Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Door No. 20/139 situated at Tadankivari Street, Vijayawada-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada on 6-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Gudavalli Radha Subbarao Buddavaram, Gannavaram Taluk (Transferor).
- (2) Sri Bhavineni Hanumanthrao, Suryaraopet, Vijayawada. (Transferee).
- (3) Sri Ponnuru Ramarao, Hotel Navaranga, Vijayawada-2 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Terraced buildings, tiled house and site situated in the Government of Vijayawada Krishna District at Tadankivarti Street, Door No. 20/139 Old Municipal Ward No. 20-8/9, New Municipal ward No 22-Revenue ward No. 9 Block No. 2-N.T.S 13-Asst. Nos. 19209, 19210,

Boundaries for the total extent site of 450 Sq. Yrds or 375.533 Sq. mts.

East :—Municipal Road.

South :—Terraced house of Mandara Hanumiah & Others

West :—Municipal Road.

North :—Municipal Road.

K. SUBBARAO

Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Dated : 15-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE*Kakinada, the 16th June 1973*

No. J. No. 5(32)/72-73.—Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Door No. 41-3-57 situated at Krishnalanka, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada, in the fortnight ended on 31-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Gundu Koteswararao, S/o Chandraiah, Krishnalanka Vijayawada (Transferor).
- (2) Sri Gundu Narayanaswamy S/o Chandraiah, Krishnalanka Vijayawada (Transferee).
- (3) The Andhra Bank Ltd., Vijayawada (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishna District-Vijayawada Sub-Registrar-Krishnalanka-Vijayawada town Municipal old ward No. 19-Building and site bearing Door No. 41-3-5 Sivasankarapuram-New ward No. 30-Revenue ward No. 10-Block No. 8 N.T.S. No. 306 & 307 Asst. No. 27561.

Boundries for the site of 315 Sq. yds. or 262.950 mts.

East:—Municipal road 34' or 10.35 mts.

South:—Gundu Naryanaswamy's building & site 91' 6" or 23.88 mts.

West:—Site of Mulukuttla Venkata Narasimha Sastri 27' or 8.25 mts.

North:—Site of Garimella Venkateswarlu 94' 10" or 28.89 mts.

K. SUBBARAO

Competent Authority

Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Dated : 16-6-1973

Seal :

Kakinada

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-
III AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20*Bombay, the 16th June 1973*

No. ACQN.RANGE.III/34/72-73.—Whereas, I, R. G. Nerurkar, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1417 New Survey and C. S. No. 1621 of Mahim Division situated at Bai Padmabai Thakkar Road Off Lady Jamshedji Road, Dadar (Plot No. 58) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office, Bombay, during F.N. ended on 31-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Abdul Hasan Abdulhussein Fatchi. (Transferor).
- (2) (a) S/Shri Ahmed Moosa Bhana, (b) Abbasali Ahmed Bhana, (c) Bai Sakinabai Ahmed Bhana & (d) Ismail Ebrahim Rawat. (Transferees).
- (3) (Persons in occupation of the property).
 1. Jankibai L. Bagkar—Room No. 1B.
 2. Jankibai S. Redkar—Room No. 2B.
 3. B. M. Raut—Room No. 3B.
 4. Santaprasad Misra—Shop No. 1A.
 5. Kankubai Ratansi Jetha—Shop No. 2A.
 6. Dr. S. S. Kanekar—Shop No. 3A.
 7. Eknath S. Gangan—Shop No. 4.
 8. Punamchand Vanaji—Shop No. 5.
 9. Ratansi Jetha—Shop No. 6.
 10. V. P. Kamath—Room No. 7.
 11. R. P. Kamath—Room No. 8.
 12. D. R. Nadkarni—Room No. 9.
 13. Chhotalal Kashibhai Patel—Room No. 10.
 14. Madhorao Baburao Vase—Room No. 11.
 15. T. J. Sawant—Room No. 12.
 16. R. S. Manjrekar.
 17. Yeshwant Shivram Pansare—Room No. 14.
 18. Balaji S. Pausare—Room No. 15.
 19. Vasant Kulkarni—Room No. 16A.
 20. Gajanan Yeshwant Chimburkar—Room No. 16B.
 21. Narayan Dattatraya Chowkidar—Room No. 17.
 22. Dattatray Mahadeo Nadkarni—Room No. 18.
 23. Bapubhai Manibhai Desai—Room No. 19.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

All that piece or parcel of freehold and pension land (redeemed) with the messuage, tenement or dwelling house, standing thereon situate at Bai Padmabai Thakkar Road off Lady Jamsedji Road, Dadar, in the City and Island and Registration Sub-District of Bombay and containing by admeasurement 362.74 sq. yards equivalent to 303.25 square metres or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under New Survey No. 1417 part and Cadastral Survey No. 1621 of Mahim Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'G' Ward No. 4158 (1) and Street No. 16-10F (old No. 519) and bounded as follows; that is to say, on or towards the West and North by the property of Mrs. Bhicaji Hormasji Bennett and another bearing C.S. No. 381 on or towards the East by twelve feet passage and on or towards the South by the said Bai Padmabai Thakkar Road and which said property is included in the Town Planning Scheme No. III of Mahim Area and bears final Plot No. 58 (the original Plot No. 662) of T.P.S. III of Mahim.

R. G. NERURKAR
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-III
Bombay

Date: 16th June, 1973.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 20th June 1973

No. LDH/349/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 29B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Portion of H. No. 233-L, Model Town situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 29-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ude Singh son of Shri Hira Singh, Ajit Nagar, Patiala. (Transferor).
- (2) Shri Prem Singh, son of S. Jowand Singh, 523, Hospital Road, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 233-L, Model Town, Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range
Chandigarh

Date : 20-6-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 20th June 1973

No. LDH/350/7374.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No. Plot No. A-8, Textile Colony, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 29-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Ram Lal Dharamvir, G. T. Road, Opp. Power Station, c/o Chacha Floop Mills, Ludhiana through (i) Ram Lal S/o Uttam Chand, (ii) Dharamvir, s/o Shri Sain Dass, resident of B-I/1387, Chhowani Mohalla, Ludhiana. (Transferor).
- (2) M/s T. R. Engineering Works (Regd.) G. T. Road, Ludhiana through (i) Shri Rattan Singh, s/o Mool Singh (ii) Shri Gain Singh, s/o Shri Mool Singh, residents of Dhuri Line, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-8, Textile Colony, Ludhiana.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 20-6-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st June 1973

No. MGA/170/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqui-

sition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 3,000 and bearing No. B-V/IS-138, Moye Menla Singh, Purana Moga situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Moga on 13-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lachhman Dass, son of Shri Mehnga Mal, (ii) Dr. Madan Lal, s/o Shri Lachhman Dass, residents of Railway Road, Moga. (Transferor).
- (2) Shri Milkhi Ram, son of Shri Jagan Nath, (ii) Shri Surinder Paul, son of Shri Milkhi Ram, (iii) Shri Darshan Kumar, son of Shri Milkhi Ram, residents of Manuke, Tehsil Moga.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-V/IS-138, Moye Singh, Chamk Shekhan), Purana Moga, Tehsil Moga.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range
Chandigarh

Date : 21-6-1973
Seal :

FORM ITS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st June 1973

No. JFU/164/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-VII/199, Gali Sri Chand Hazari Lal, situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaitu on 19-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Duni Chand son of Ratna Mal, (i) Shri Bhag Chand, son of Shri Paras Ram, (ii) Smt. Parsini Devi, w/o Shri Bhag Chand, C/o Moti Ram, Chaki Wala, Maur Mandi, Jaitu. (Transferor).
- (2) Smt. Vidya Devi, wife of Shri Om Parkash, c/o Madan Lal Hem Raj, Jaitu Bazar, Jaitu. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice

on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-VII/199, Gali Sri Chand Hazari Lal, Jaitu.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 21-6-1973
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st June 1973

No. JTU/165/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-VII/144, Jaitu Bazar, situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jaitu on 7-12-72, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piare Lal, s/o Shri Nijhu Ram, (ii) Shri Banarsi Dass, s/o Shri Chuni Lal, (iii) Shri Om Parkash, s/o Shri Mitter Sain, (iv) Shri Valaiti Ram, s/o Shri Mitter Sain, (v) Shri Durga Dass, s/o Shri Mitter Sain, (Transferor). c/o Banal Radio House, Chowk No. 2, Jaitu Mandi.
- (2) Shri Balmukand son of Shri Kalu Ram c/o M/s Gaja Nand Bal Mukund, Pansari, Jaitu Bazar, Jaitu. (Transferee).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expression used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-VII/144, Jaitu Bazar, Jaitu.

G. P. SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 21-6-1973
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st June 1973

No. LDH/235/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing H. No. B-XIII-S-5/1408, Sukhram Nagar situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 13-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s)

and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Naur Chand son of Shri Sadhu Ram, (ii) Shri Om Parkash son of Shri Sadhu Ram, House No. B-V-278, Ahata Faqir Chand, Samrala Road, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri Ram Chand son of Shri Jamna Dass, House No. 527, Mohalla Kareem Pur, Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XIII-S5/1408, Sukhrum Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH

Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date: 21-6-1973

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21st June 1973

No. J.DH/238/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act,

1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot at Mahal Bagat, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on -12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shanti Devi wife of Shri Ram Sarup, resident of B-III/710, Chowk Saidan, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Smt. Sumitra wife of Shri Hans Ranj. B-V 1078, Mohalla Mehmudpura, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Mahal Bagat, Tehsil Ludhiana.

Khasra No. 6214/5331/1003, Khata No. 1976/2336.

G. P. SINGH

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)

Chandigarh

Date: 21-6-1973

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B**

Chandigarh, the 21st June 1973

No. LDH/241/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 21-L, Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on -12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Capt. Sher Singh son of Shri Bishan Singh, 21-L, Model Town, Ludhiana. (Transferor).
- (2) Shri Sohan Singh son of Shri Gulab Rai, 42-B, Sarobha Nagar, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21-L, Model Town, Ludhiana.

G. P. SINGH

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)

Chandigarh

Date: 21-6-1973

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B**

Chandigarh, the 21st June 1973

No. LDH/242/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Plot No. 15-R, Industrial Area situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 22-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. M. S. S. S. Mechanical Works, 509-Industrial Area-B, Ludhiana-3, through (i) Manjit Singh son of Hari Singh, (ii) Santokh

Singh son of Prom Singh, (iii) Gopal Singh son of Kapur Singh and (iv) Amar Singh son of Piem Singh,—Industrial Area-B, Ludhiana (Transferor).

- (2) M/s. Dyana Industries, Ludhiana through (i) Tilak Raj son of Hakumat Rai, (ii) Inderjit son of Des Raj, resident of 245/R, Model Town, Ludhiana, and Satindra Industries, Ludhiana through Shri Satinder Lal son of Shri Uttam Chand, Prop. resident of 89-Atam Nagar, Ludhiana (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 15-R, Industrial Area-B, Ludhiana.

G. P. SINGH

*Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh*

Date : 21-6-1973
Seal :

Form ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh the 21 June 1973

No. LDH/247/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No 233-R Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 28-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. Ude Singh son of Shri Hira Singh, 3443-5, Ajit Nagar, Patiala. (Transferor).
- (2) Shri Kartar Singh son of Shri Jodh Singh 221-L, Model Town, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

House No. 233-R, Model Town, Ludhiana.

G. P. SINGH

*Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh*

Date : 21-6-1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 21 June 1973

No. LDH/106/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-IV/1641-43, Moh. Dakotan, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ludhiana on 27-12-1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagan Nath, s/o Shri Shadi Ram, Uchi Gali, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar s/o Amritsaria Mal, Ludhiana (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-IV/291 (old).

House No B-IV/1641-43 (new) Mohalla Dakotan, Ludhiana.

G. P. SINGH

Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range)
Chandigarh

Date : 21-6-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72 —Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 5, House No. 7 Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 20-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Raikaur w/o Shri Sujan Singh, Block No. 5, House No 7, Chandan Bhavan Murai Mohalla Indore (Transferee).

*(3) As per Form No 37 G (person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 5, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 10, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 3-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Santosh Kumari Mehta w/o Dr. Daya Nand Mehta, Block No. 10, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)
- (3) 1. Dr. Dayanand Mehta, 2. Shri Jannadas Valiram, 3. Shri Amarnath Munshiram, 4. Shri Gopikishan Pahlajmal. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 10, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 3, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 3-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Ramdhan Kishorilal, Block No. 3, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)
- * (3) 1. Shri Kishanlal Kodarji, 2. Shri Bhagwandas Moorajmal, 3. Shri Sitaldas Holaram, 4. Shri Ishwardas Kewalram, (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 3, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority
(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 11, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 3-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Amarnath Munshiram Sethi, Block No. 11, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)
- * (3) 1. Shri Amarnath Munshiram Sethi, 2. Shri Inder-singh Moga, 3. Shri Sitaldas Holaram, 4. Shri Ram Kishan Bhatia, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given

to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 11, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA

*Competent Authority
(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)*

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 12, House No. 7, Chandan, Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 3-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Kesarkaur w/o Indersingh, Block No. 12, House No. 7, Chandan hBavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)

- * (3) 1. Shri Girdharilal Sugnamal, 2. Shri Prahlad Singh Inder Singh, 3. Shri Banarsidas Amrichand, 4. Smt. Lakshimibai Bolaram, (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 12, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA

*Competent Authority
(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)*

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 14, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 3-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Ghanshyamdas Bhagwandas Block No. 14, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)
- *(3) As per Form No. 37 G. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 14, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 15, House

No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 20-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Tejumal s/o Gangumal, Block No. 15, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore (Transferee)
- *(3) As per Form No. 37 G. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 15, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 2, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 20-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Surendra Kaur w/o Shri Phumansingh, Block No. 2, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)
- * (3) As per Form No. 37 G. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 2, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 20-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Mahendra Singh s/o Late Shri Anup Singh, House No. 7, Chandan Bhavan Murai Mohalla, Indore. (Transferee)
- * (3) As per Form No. 37 G. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 1, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore,

V. K. SINHA

Competent Authority

(Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 20-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Gulab Bai w/o Shri Munnalal Jain, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)

*(3) As per Form No. 37 G. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhoti Gwal Toli, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

(Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 20th June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 13, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 6-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Chandrakanta Sikka w/o Shri Pradumanlal Sikka, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)
- (3) 1. M/s Indore Automobile Operators' Co. Operative Society Ltd., 2. Shri Roopchand Borwani, 3. Shri Rattan Singh Kapoor Singh, 4. Smt. Sathibai w/o Dharmdas. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 13, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 20th June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th June 1973

No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 9, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 24-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Ramkunwar Bai w/o Shri Kanhaiyalal Verma, Block No. 9, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore. (Transferee)
- * (3) 1. Shri Kanhaiyalal Verma, 2. Shri Sardar Prahlad Singh Inder Singh, 3. Shri Sindhi Gotaldas Mahboodmal, 4. Smt. Sitabai Govindram. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 9, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

(Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 20th June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

Ref. No. Sub-Reg./Indore/15-1-73.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 6, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 5-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Baboolal Nandram Ji Gupta, Block No. 6, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Indore (Transferee).

* (3) As per Form No. 37 G. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 6, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

(Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st June 1973

Ref. No. Sub-Reg./Indore/31-12-72.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 8, House No. 7, Chandan Bhavan situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 30-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Late Shri Bansidhar Agrawal 28, Main Tukoganj, Indore (Transferor)

(2) Smt. Sita Bai w/o Shri Chaturbhuj Gupta, Block No. 8, House No. 7, Chandan Bhavan Murai Mohalla, (Indore. (Transferee).

“(3) As per Form No. 37 G. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 8, House No. 7, Chandan Bhavan, Murai Mohalla, Chhotigwaltoli, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority
(Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 21st June 1973

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I,

CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,

New Delhi, the 22nd June 1973

Ref. No. IAC(ACQ-I)/A(4)/19(93)/72-73.—Whereas I, P. K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-19 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Sita Ram S/o Shri Bal Bukund
(ii) Sh. Ramji Lal and (iii) Sh. Krishan Kumar sons of Sh. Sita Ram r/o H. No. 9884 Gali No. 5, Multani Dhandra, Paharganj, New Delhi. (Transferee).

- (2) (i) Sh. S. Himat Singh S/o Sh. S. Prem Singh and
(ii) Smt. Budh Kaur w/o S. Prem Singh r/o H. No. 11799, Gali No. 6, Sat Nagar, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1½ storeyed building built on Plot No. 19 in Block B, measuring 530 Sq. yds. situated in Kirti Nagar, area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Lane

South : Road 30'

East : House on Plot No. B-20 under construction.

West : Plot No. B-18 under construction

P. K. SHARAN

Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range I,
Delhi, New Delhi).

Date : 22nd June 1973.

Seal :

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I,

CENTRAL REVENUES BUILDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 22nd June 1973

Ref. No. IAC(ACQ-I)A(5)/23(97)/72-73.—Whereas I, P. K. SHARAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25, Class 'D' Road No. 10 situated at Punjabi Bagh Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 29-1-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Sohinder Nath Chopra S/o Shri Jagat Ram Chopra r/o M-70 Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Harieet Kaur w/o Sh. Gurdial Singh r/o Village Sherpur P.O. Nakodar, Distt. Jullundur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 279.55 Sq. yds. bearing No. 25 Class 'D' on Road No. 10, situated in Punjabi Bagh, Delhi, area of village Darapur, Delhi and bounded as under:—

North : Service lane
South : Road No. 10
East : Plot No. 23
West : Plot No. 25 A.

P. K. SHARAN
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range I,
Delhi, New Delhi).

Date : 22nd June, 1973.

Seal :

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I,

CENTRAL REVENUES BUILDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 22nd June 1973

Ref. No. IAC(ACQ-I)/S.RI/March 1/2(7)/72-73.—Whereas I, P. K. SHARAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing No. D-I/5 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 2-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) S/Shri (i) Jawaharlal (ii) Madan Mohan ss/o Shri Krishanlal, r/o D-13/5, Model Town, Delhi.
(Transferor)

(2) (i) Sh. Mohan Singh s/o Sh. Malik Singh and (ii) Smt. Rajinder Kaur w/o Sh. Mohan Singh, r/o D-3/16, Model Town, Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot No. D1/5 Model Town, Delhi measuring 460 sq. yds, and bounded as under :—

East : Building on plot No. D 1/6.
West : Building on Plot No. D 1/4.
North : Building on plot No. D-5.
South : Road.

P. K. SHARAN
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range I,
Delhi, New Delhi).

Date : 22nd June, 1973.
Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I.

CENTRAL REVENUES BUIDG., 3RD FLOOR,

New Delhi, the 22nd June 1973

Ref. No. IAC/ACQ-I/S-RI/March-1/22(74)/73-74.—

Whereas I, P. K. SHARAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A 2/24 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 12-3-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between

the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) S/Shri (i) Nandlal Bajaj, (ii) Hari Ram Bajaj (iii) Bani Prasad Bajaj and (iv) Purshotam Lal Bajaj ss/o Shri Tara Chand r/o 8/1, Balmukand Moka Road, Calcutta-7. (Transferor)

(2) (i) Smt. Savitri Devi Aggarwal w/o Shri Arjan Dass Aggarwal, r/o V & P.O. Satrd Kalan Distt. Hissar (ii) Smt. Atma Devi w/o Sh. Jai Narain Aggarwal r/o V & P.O. Satrd Kalan, Distt. Hissar (Transferee)

(3) Shri Nath Dhobi Presswala, A 2/24, Model Town, Delhi. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot bearing No. A-2/24, Model Town, Delhi measuring 454 Sq. yds and bounded as under :—

North : Plot No. A-2/23A
South : Plot No. A-2/24A
East : Plot No. A-2/19.
West : Road.

P. K. SHARAN
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range I,
Delhi, New Delhi).

Date : 22nd June, 1973.
Seal :

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I
CENTRAL REVENUES BUILDING 3RD FLOOR

New Delhi, the 22nd June 1973

No. IAC(ACQ-I)/A(4)/7(18)/72-73.—Whereas I, P. K. SHARAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30/30 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 3-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhago Bai alias Bhagwanti Tandon w/o of Dewan Baldev Sahai Tandon r/o 30/30A West Patel Nagar, New Delhi through Shri Om Parkash Tyagi, General Attorney (Transferor).
- (2) (i) Smt. Saroj w/o Shri O. P. Tyagi and (ii) Shri Shyam Behari s/o Shri Kalyan Singh, r/o 30/30, West Patel Nagar, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 30/30, West Patel Nagar, New Delhi together with leasehold rights of land underneath measuring 100 sq. yds. and bounded as under:—

North : Property No. 30/30A.

South : Property No. 30/29.

East : Open Compound and municipal pavement and road.

West : Service Lane.

P. K. SHARAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range I,
Delhi, New Delhi.

Date : 22nd June, 1973.

Seal :

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR

New Delhi, the 22nd June 1973

No. IAC/ACQ-I/SR-I/March-1/29(96)/73-74.—Whereas, I, P. K. SHARAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/39-40 situated at Vijay Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 14-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vishwanath S/o Sh. Chunni Lal through Sh. Harban Singh S/o Shri Narjan Singh Registered General Attorney, R/o 6/20 Vijay Nagar, Double Storey, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Daulat Ram S/o Shri Sant Ram R/o 6/39-40, Vijay Nagar, Double Storey, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government built Quarter No. 6/39-40, Vijay Nagar, Double Storey, Delhi, bounded as under :—

North : Road
South : Open
East : Common Stairs
West : G.B.P.

Dated the 22nd June, 1973

Seal :

P. K. SHARAN,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax Acquisition Range I Delhi
New Delhi.

FORM NO ITNS—

New Delhi, the 22nd June 1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR

New Delhi, the 22nd June 1973

No. IAC/ACQ-I/A(4)/14(59)/73-74.—Whereas I, P.K. SHARAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/4A situated at Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 8-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the object of :—

respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurdev Kaur w/o Shri Joginder Singh, R/o 5/4A Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kaur w/o S. Khazan Singh, R/o 5/4A Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ Storeyed property bearing No. 5/4A, Situated at Roshanara Extension Scheme, Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi constructed on a plot of land measuring 106½ Sq. yds. and bounded as under :—

North : Street.
South : Street.
East : ½ plot No. 4 known as 5/4B.
West : Plot No. 3.

P. K. SHARAN,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range I, Delhi, New Delhi.

Date : 22nd June, 1973.

Seal :

FORM NO ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR

New Delhi, the 22nd June, 1973

No. IAC(Acq.I)/A(6)/12(36)/73-74.—Whereas I, P. K. SHARAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. D/21-AB situated at Vijay Nagar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-2-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar Lal Chawla resident of D/21-AB Vijay Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Ram Piari W/o Sh. Lal Chand D/21-AB, Vijay Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built Quarter No. D/21-AB, Vijay Nagar, Delhi constructed on a leasehold plot of land measuring 200 sq. yds. and bounded as under :—

North : Or. No. 22-D owner Shri Bhagwan Das
South : Or. No 20-D Shri Lajpat Rai
East : Lane
West : Road

P. K. SHARAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-
Tax Acquisition Range I, N. Delhi.

Date : 22nd June, 1973.

Seal :

FORM NO ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II CENTRAL
REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR

New Delhi, the 22nd June, 1973

No. IAC/Acq.II()/73-74.—Whereas I, C.V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Plot No. nil situated at the Village Titarpur, Rajouri Garden, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 29th December, 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt Nirmala Rani w/o Shri Jatinder Sen, r/o V-1/6 Rajouri Garden Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is a vacant plot bearing No. nil & adjacent to Plot No. 13/20 measuring 249.4 sq. yards in the residential colony Rajouri Garden Extension situated in village Titarpur, New Delhi and bounded by:

East : Others land

West : Road

North : Plot No. J-13/20

South : Others land.

और जो जै 13/20 के साथ का प्लॉट है ।

C. V. GUPTE,
Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-
Tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date : 22nd June, 1973.

Seal :

FORM NO ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II

CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR

New Delhi, the 21st June 1973

No. IAC/Acq II/(B-2)/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTE being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at Road No. 12, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 6th December, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt Vidya Vati Wd/o Shri Banarsi Dass, r/o Mohalla Rupa Mistri, Ludhian, Punjab. (Transferor)
- (2) Shri Rabinder Nath Gupta s/o Shri Kishan Chand Gupta, r/o 73, G. B. Road, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 1123.32 sq. yards being plot No. 10, on Road No. 12, Class-A', situated in Punjabi Bagh, New Delhi area of village Shakarpur, Delhi and bounded as under :—

North : Remaining land measuring 1123.32 sq. yards of plot No. 10

South : Plot No. 12.

East : Service Lane

West : Road No. 12

C. V. GUPTE,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II N Delhi.

Date : 21st June 1973

Seal :

FORM NO. ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL
REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR

New Delhi, the 21st June 1973

No. IAC/Acq.II/(B-2)/1973-74.—Whereas I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at Road No. 12, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 6th Dec, 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt Vidya Wati, wd/o Shri Banarsi Dass, r/o Mohalla Rupa Mistry, Ludhiana (Punjab) (Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar s/o Shri Amar Nath, r/o 73, G. B. Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1123.32 sq. yards bearing No. 10 on Road No. 12, Class 'A', situated in Punjabi Bagh, New Delhi area of village Shakarpur & bounded as under :

North : Remaining land measuring 1123.32 sq. yards Plot No. 10
 South : Plot No. 12
 East : Service Lane
 West : Road No. 12

C. V. GUPTE

Competent Authority

(Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range II, N. Delhi)

Date : 21st June, 1973

*Strike off where not applicable.

FORM NO. ITNS—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
 GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
 CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
 NEW DELHI

New Delhi, the 21st June, 1973

No. IAC/ACq. II/)/73-74.—Whereas I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9 situated at Road No. 9, Class 'D', Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 15th Dec. 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh Sabharwal s/o Shri Mehar Chand Sabharwal r/o 46B, Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Shankar Dass s/o Shri Kirori Ram r/o I-60, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)
- (3) Shri Manohar Lal s/o Shri Hari Chand, 65, Desh Bandhu Gupta Market, New Delhi r/o Property No. 9, Road No. 40, Class 'D', Punjabi Bagh, New Delhi. (person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 279 37 sq. yards bearing No. 9 on Road No 40, Punjabi Bagh, New Delhi is bounded as under
 North Road No. 40
 South Service Lane
 East Plot No 7
 West Plot No 11

C. V. GUPTA,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 21st June 1973

Seal :

Strike off where not applicable.

FORM NO. ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
 CENTRAL REVENUES BUILD'NG 3RD FLOOR,
 NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1973

No. IAC/Acq.II/()/73-74—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 497 situated at village Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 5th December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Harbhag r/o Village Sahibabad Daulatpur Delhi (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Goel (minor) s/o Shri Lachhmi Narain Goel through his father & natural guardian Shri Lachmi Narain r/o House No. 1665, Kuchha Dakni Rai Daryaganj Delhi (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this

33—126 G I/73

notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 bighas & 13 biswas is situated in village Sahibabad Daulatpur, Delhi

C. V. GUPTA,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 21st June 1973

Seal :

Strike off where not applicable

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE—II

Aayakar Bhavan, M. Karve Marg, BOMBAY-20

Bombay, the 23rd June 1973

Ref No. AR-II/67/78/72-73—Whereas, I, Shri N. D. Anjaria, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CTS No 320(pt) 323(pt) 321(pt) 318(pt) S No 66(pt) 79(pt) 65(pt) 65(pt) situated at Village Wadhavali, Chambur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered, under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 6th December 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Violet Louis Rodrigues (?) Gracy Louis Rodrigues & (3) Catharine Louis Rodrigues (all minors) by their guardian Bernadette Louis Rodrigues (Transferor)
- (2) Shree Nivbhavat Apartments Co-operative Housing Society Ltd Opp Lamhi Colony, Chembur, Bombay (Transferee)

(4) Vide Annexure 'A' (page 1606) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedules 'A' & 'B' as per details in Annexure 'B' attached.
Date: 23rd June 1973.

(Seal)

(N. D. ANJARIA)

*Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.*

ANNEXURE 'A'

Persons interested in the property :

1. Francis Joseph Rodrigues.
2. Domnic Francis Rodrigues.
3. Pauline.
4. Angaline D'Mello.
5. Bernadeth.
6. Garitha.
7. Violet.
8. Gracy.
9. Catharine.
10. John D'Souza.
11. Anthony.
12. William.
13. Patride.
14. Yilert.
15. Joharan Fernandes.
16. Allonica Rodrigues.
17. Alice D'Souza.
18. Phillomena Sylvie.
19. Domnic Louis Rodrigues.
20. Sebastian Rodrigues.
21. Edward Rodrigues.
22. Rosie Lorence.
23. Khemchand Naraindas Sajnani.
24. Devanand Ghanshamdas.

(N. D. ANJARIA,
(Competent Authority))

*Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.*

ANNEXURE 'B'

SCHEDULE "A"

ALL THOSE pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Village Wadhavli in Chembur in Greater Bombay, Bombay Suburban District, Taluka Kurla in the Registration Sub-District Bandra District Bombay containing by admeasurement about 18000 sq. i.e. 15907.44 sq. mts, or thereabout and bearing Survey No.

Survey No.	Hissa No.
64	2
65	1
65	3
66	—
79	—

SCHEDULE "B"

ALL THOSE pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Village Wadhavli, in Chembur, in Greater Bombay, Bombay Suburban District, Taluka Kurla in the

Registration Sub-District Bandra District Bombay containing by admeasurement about 14000 sq. vds. i.e. 12601.44 sq. mts, or thereabouts and bearing the followings Survey Nos. and Hissa Nos.

C.T.S. No.	Survey No.	Hissa No.
320 (pt)	66 (pt)	—
323 (pt)	79 (pt)	—
321 (pt)	65	3(pt)——
318 (pt)	65	1(pt)

(N. D. ANJARIA)

(Competent Authority)

*Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.*

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE—60/61,
Erandawana, Karve Road, POONA-411004.

Poona, the 22nd June 1973

Ref. No. CA/S/Dec/72/Haveli/II/31/73-74.—Whereas, I, G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 971 at South side situated at Shivaji Nagar, Poona-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Haveli—II, Poona, on 28th Dec. 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Purushottam Narsingh Rao Shirole, 261/262, Shivaji Nagar, Poona-5. (Transferor)
- (2) Smt. Snehlata Sharad Hardikar, 1206 Sadashiv Peth Poona-30 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Poona T. P. Scheme No. 1, Shivaji Nagar Final Plot No. 401 C. S. No. 971 Area 28 Gunthas Lease Hold at South side.

Date : 22nd June 1973.

(Seal)

G. KRISHNAN
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poona.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE—60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 21st June 1973

Ref. No. C.A./5/Dec/72/Sholapur/20/73-74.—Whereas, I, G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 3523, situated at Sholapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sholapur on 29th December 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narayan Gyanaba Bhagahare Near Govt. Hospital Raichur, (Transferor)
- (2) Smt. Kamalabai Dattatraya, Binkapur 545, East Mangalwar Peth, Sholapur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. S. No. 3523 in Sholapur Corporation Free-Hold.

Date : 21st June 1973.

(Seal)

G. KRISHNAN
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poona.

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd June 1973

Ref. No. CA/5/Dec/72/HAVELI/II/30/73-74.—Whereas I, G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 127, Hissa No. 1A/2, Kothrud situated at Kothrud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli II, District Poona on 21-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Smt. K. N. Limaye Yerandavana, Poona-4 (Transferor)
Shri Jayant B. Shah, Partner, M/s. Daulat Construction Co., 358 Nana Peth, Poona-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 127. Hissa No. 1A/2, out of one Acre 1/2 undivided Share open plot Kothud.

G. KRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona

Date 22-6-73
Seal

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, (ACQUISITION RANGE-2)
123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1973

Ref No. F. 140/72-73.—Whereas I, A. Raghavendra Rao being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. — situated at T.S. No. 7022, Block No. 112, Door No. 25, Raman Street T.Nagar, Madras; land measuring 4 grounds and 2388 sq. ft. with building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at T.Nagar, Madras, on 1-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) P. S. Jambu Ramaswami, 25, Raman Street, Thyagarayanagar, Madras-17, (Transferor)
- (2) Shri U. H. Narayanan & Smt. U. A. Narayanan, No. 8, Neelakanta Mehtha Street, Thyagarayanagar, Madras-17, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building in New Survey T.S. No. 7022, Block No. 112, Door No. 25, Raman Street, Thyagarayanagar, Madras measuring 4 grounds and 2388 sq. ft.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2, Madras 6

Date 22nd June 1973
Seal

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
VIDYANAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 20th June 1973

Notice No. 4/73/74/H.Acq.—Whereas I, R. Parthasarathy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Hubli. being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8804 OLD in Land Registrar Office and No. 784 in Revenue Office situated at Margao (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao (Goa) on 11-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Joao Manuel Pacheco De Figueiredo and his wife Mrs. Maria Alcina Da Rocha Pinto Pacheco De Figueiredo, Panjim (Goa). (Transferors)
- (2) Mr. Benedicto Da Costa, Margao. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transfer of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Landed property known as 'Cutbona Nova De Soclem Kandalem' situated at Margao, described in land registrar,

office under No. 8804 old and enrolled in revenue office under No. 784 under the designation "Valado" and bounded.

On the East : By drain.

On the West & North : By Lake of Soclem Candolem of the comunidade of Margao.

On the South : By Public Road.

R. PARTHASARATHY
Competent Authority

*Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Hubli.*

Date : 20-6-1973

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHAGWANDASS ROAD, JAIPUR

Jaipur, the 22nd June 1973

Ref. No. A-4/72(3)/2/611.—Whereas I, S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 410/23 situated at Kesar Ganj, Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ajmer on 20-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Ballabh Kumari W/o Thakur Onkar Singh Rajput, Bagsuri House, Jaipur Road, Ajmer. (Transferor)
- (2) Shri Govind S/o Hukmi Chand Jain, Keshar Ganj, Ajmer (Kabari Business). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House A.M.C. No. 410/23, Keshar Ganj, Ajmer.

S. C. PRASHAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-6-73
Seal

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHAGWANDASS ROAD JAIPUR

Jaipur, the 22nd June 1973

Ref. No. J-3/72(3)/1/963.—Whereas I, S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-2 situated at Gokhale Marg, C, Scheme, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur on 27-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1861 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- Shri Balu Bhai Alias Bala Bux Somani S/o Late Budhmal, Self and in the capacity of Karta and Manager of HUF. (Transferor)
- Shri Raj Kumar Daga S/o Shri B. D. Daga, 14 Netaji Subhas Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern part of Double storey Bungalow with total area 529.6 sq. yards, E-2 Gokhale Marg, C. Scheme, Jaipur.

S. C. PRASHAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-6-73
Seal

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHAGWANDASS ROAD JAIPUR

Jaipur, the 22nd June 1973

Ref. No. J-3/73(2)/92/140.—Whereas I, S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-2 situated at Gokhale Marg C, Scheme Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur on 28-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balu Bhai Alias Bala Bux Somani (Transferor)
- (2) Shri R. K. Daga S/o B. D. Daga (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern Portion of House having area of 430 Sq. yards E/2 Gokhale Marg, C, Scheme, Jaipur.

S. C. PRASHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-6-73
Seal

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA
KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 19th June 1973

No. C.A./5/Dec./72/Sholapur/18/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Survey No. 280/IBI situated at Sholapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sholapur on 30-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohamad Hanif Ahmadsaheb Karigar, 18, Civil Lines Sholapur. (Transferor)
- (2) Shri Ambalal Purushottam Patel, 189 Gold Finch Peth, Sholapur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non Agricultural Land Survey No. 280/IBI Open Plot Area 43,560 Sq. Feet in the jurisdiction of Sholapur Corporation.

G. KRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date : 19th June 1973
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA
KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd June 1973

No. CA5/Dec'72/Haveli-II/25/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 128, Part 2 situated at Kothrud, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli-II, Poona on 21-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramchandra Mahaded Vartak, 417/23-A, Ganesh Wadi, Poona-4. (Transferor)
- (2) A. G. Pandit, Chairman, Navketan Graha Rachana Sanstha, Maryadit, 61/24, Erandwana, Poona-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 128, Part 2 Kothrud, free hold open plot area—
3710.9 Sq Meters

G. KRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona

Date . 22nd June 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA
KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 20th June 1973

No. CA.5/Dec'72/Nasik/19/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 of S. No. 116-C Pot, Hissa No. 2/1 Pot Hissa situated at No. 2/1B/5 of Deolali, Distt. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nasik on 30-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (a) Shri Govind Vithal Mehendle, (b) Dr. Mrs. Malini Govind Mehendle, Nasik Road, Nasik. (Transferor)
- (2) Shri Ram Singh Shivcharan Singh, Indra Prastha Colony, Upanagar, Nasik. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 of S. No. 116-C Pot Hissa No. 2/1, Pot Hissa No. 2/1B/5 of Deolali, Distt. Nasik. Area 781 Sq. Meters.

G. KRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona

Date : 20th June 1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA
KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd June 1973

No. C.A.5/Dec.'72/Haveli/24/73-74.—Whereas I G. Krishnan, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 65, Ghorpuri, Poona City situated at Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli, Poona on 15-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trans-

ferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (a) Shri Narendra Anantrao Moodliar, (b) Smt. Indirabai Anantrao Moodliar, (c) Smt. Sunandabai Narendra Anath Moodliar. All at VVenkatesh Baub. Pope Road, Ghopuri, Poona-1 (Transferors).
- (2) (a) Shri K. M. Dastur, (b) Smt. Mani Keki Dastur, 29, Koregaon Park, Poona-1. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 65, Ghorpuri, Poona City, Area—10 acres.

G. KRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona

Date : 22nd June 1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA
KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd June 1973

No. C.A.5/Dec.'72/Thana/22/73-74.—Whereas, I G. Krishnan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thana on 21-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (a) Mrs. Triza Rita C Almeida. (b) Mr. James Tomas Almeida at Panchapakhadi, Thana. (Transferor)
- (2) (a) Sau. Hirubai Kisan Koli. (b) Shri Chinaman Kisan Koli. (c) Shri Kantilal Kisan Koli. (d) Shri Chandrakant Kisan Koli. (e) Shri Purushottam Kisan Koli, all at 130 Retibandar Road, Thana. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Land, S. No. 359, Hissa No. 2, at Panchapakhadi, Thana. Area—1966 sq. yards.

G. KRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona

Date: 22nd June 1973

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd June 1973

No. C.A.5/Dec'72/SINNAR/21/73-74—Whereas, I G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. PLOT No. 77 situated at Village KOLGAONMAL, Tal. Sinnar Dist. NASIK (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SINNAR on 412-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri Fattu Lalbhai Patel at Kolpewadi, Tal-Kopergaon, Dist. Ahmednagar. (Transferor)
2. Shri Kundanmal A. Bora at Sinnar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri-Land in Plot No. 77 at Village Kolgaonmal, Tal. Sinnar. Dist. Nasik.

G. KRISHNAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

Date 22-6-73

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd June 1973

No. CA5/Dec'72/THANA/23/73-74.—Whereas, I G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.A. Plot S. No. 237, Hissa No. 4/1 situated at Panchpakhaoli, Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thana on 27-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri Jayantilal Tribhuvandas Thanawalla, Thana. (Transferor)
2. Thana Hill-Top Co-op. Housing Society Ltd., Thana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Plot S. No. 237, Hissa No. 4/1, at Panchpakhaoli, Thana, Dist. Thana.

Area—3777.50 sq. yards.

G. KRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 22-6-1973

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 19th June 1973

No. C.A.5/Dec'72/Sholapur/17/73-74.—Whereas, I G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 280/IBI situated at Sholapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sholapur on 30-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Mohd. Hanif Ahmadsaheb Karigar H. No. 18 Civil Lines Sholapur, (Transferor)
2. Shri Ambalal Purushottam Patel, 189 Gold Finch Peth, Sholapur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non Agricultural Land, Survey No. 280/IBI Open Plot.

Area 43, 160 Sq. Feet in the jurisdiction of Soolapur Corporation.

Seal

G. KRISHNAN,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD

Poona-411004, the 22nd June 1973

Ref. No. CA/5/Dec/72/Haveli/II/26/73-74.—Whereas, I G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 128 Part II Kothrud situated at Kothrud Poona, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli-II Poona on 21-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Ramchandra Mahadeo Vartak, 917/23A Ganesh Wadi Poona-4, (Transferor)
2. Shri A. G. Pandit, Chairman Naveketan Graha Rachana Sanstha Maryadit G1/24 Erandawana, Poona-5, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 128 Part 2 Kothrud Free hold open plot.

Area 1710.9 sq. meters in annexure plan shown by letter P. Seal

G. KRISHNAN,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD

Poona-411004, the 22nd June 1973

Ref. No. CA/5/Dec/72/Haveli/II/27/73-74.—Whereas, I G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 128 Part 2 Kothrud situated at Kothrud Poona (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli-II Poona on 21-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the Notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Ramchandra Mahadeo Vartak 917/23A Ganeshwadi, Poona-4, (Transferor)
2. Shri A. G. Pandit, Chairman Naveketan Graha Rachana Sanstha Maryadit, 61/24 Erandawana Poona-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 128 Part-2 Kothrud Poona, Free-hold open Plot.

Area 37109 sq. meters.

Seal

G. KRISHNAN,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD.

Poona-411004, the 22nd June 1973

Ref. No. CA/5/Dec/Haveli/II/29/73-74.—Whereas, G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 127 Hissa No. 1A/2 Kothrud situated at Kothrud Dist Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli-II on 21-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri N. W. Limaye Yerandawana, Poona-4. (Transferor)
2. Shri Jayant B. Shah Partner, M/s Daulat Construction 358, Nana Peth, Poona-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 127 Hissa No. 1A/2, Out of 1 acre $\frac{1}{2}$ undivided share Open plot Kothrud, Dist. Poona.

Seal

G. KRISHNAN,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

FORM NO. ITNS.

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHAGWANDASS ROAD

Jaipur, the 23rd June 1973

No. J-3/72(2)/8/1134.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-12, PRITHVI RAJ ROAD situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur on 7-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Lalita Dey wd/o Shri Ram Nathji Dey Rajput (Transferor).
- (2) Shrimati 1. Giri Raj Ji 2. Kishan Ji 3. Hari Ballabhji s/o Shri Kanhayalal Ghatiwal, Jaipur (Transferee).
- * (3) Shri Premchandji Chabha (Person in occupation of the property).
- * (4) Shri/Smt./Kumari (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the

acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-12 Prithvi Raj Road with the total area of 5431 sq. yards in Havali Sahar, C-Scheme, Jaipur. Built up area 412-1/9 sq. yds & open area 5018-8/9 sq. yards.

S. C. PRASHAR

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range)
Jaipur.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS.

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHAGWANDASS ROAD,

Jaipur, the 23rd June 1973

No. J-3/72(3)/18/1141.—Whereas, I, S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2, New Colony situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur on 19-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- * (1) M/s Goyal Sons; M. I. Road, Jaipur through its partners—(Transferor).

1. Shri Lun Karan Goyal S/o Shri Sukh Ram.
2. Smt. Anandi Devi W/o Shri S. S. Goyal.

3. Smt. Ganga Devi W/o Shri M. C. Goyal.
4. Shri Jogendra Goyal S/o Shri S. S. Goyal.
Bhagat Bhawan, M. I. Road, Jaipur.
- (2) Shri Jitendra Kumar Mehta S/o Nand Lal Mehta
R/o Manohar Bhawan, M. I. Road, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Measuring 151.1 Sq. yards Gopinath Marg, near Veterinary Hospital, New Colony, Jaipur.

S. C. PRASHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Jaipur.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHAGWANDASS ROAD

Jaipur the 23rd June 1973

No. J-3/72(3)/25/1148.—Whereas, I S. C. Prashar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agricultural land Khasra No. 25, situated at (Bedarwas) Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at (Bedarwas) Jaipur on 27-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagirath Singh S/o Thakur Jaswant Singh Rajput R/o Jagatpura, Teh. Jaipur through Attorney Shri Y. K. Sharma S/o Durga Shanker Sharma, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Madhu Sudan and (ii) Laxmi Narain S/o Late Madan Gopal Shrivastav Banglow No. C. 10, Prithvi Raj Road, C-Scheme, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property must be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land 22 Bigha & 6 Biswa in village Bedarwas within Municipal limits of Jaipur having Khata No. 74 Khasra No. 25. The land is about 4 furlongs off the main Ajmer Road, Jaipur.

S. C. PRASHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Jaipur.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, 1

123, MOUNT ROAD

Madras-6, the 21st June 1973

No. F. 155/72-73/R-I.—Whereas, I, K. V. RAJAN being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 10, situated at Mahal J Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madurai on 19-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Dhurwas Eswarier & Others, 176, Solian Chetty Street, Chinnakadai Street, Madurai. (Transferor)
- (2) K. K. Subramania Pillai, S/o K. Kandaswamia Pillai, Watrap, Srivilliputhur Taluk, Ramanathapuram Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at door No. 10, Mahal I Street, Madurai.

Date 21st June, 1973.

Seal

*(Strike off where not applicable)

K. V. RAJAN

*Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

123 MOUNT ROAD MADRAS-6

New Delhi, the 21st June 1973

No. F. 155/72-73/R-I.—Whereas, I, K. V. RAJAN being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door Nos. 1/4, 2/4 and 3/4, Evening Bazaar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madurai on 23-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely—

- (1) Mrs. T. Sundaramma, C. V. Ravanappa Chetty, Mulochur Village, Sunkuvar Chatram, Chingleput Dist. (Transferor)
- (2) P. L. D. Rajendra, P. L. D. Balasubramanian, P. L. D. Elumalai, P. L. D. Thanikachalam, 24, Naineappa Naicken Street, Madras-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building Nos. 1/4, 2/4 and 3/4, Evening, Bazaar, Madras-3.

K. V. RAJAN

*Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6*

FORM INTS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Dated the 22nd June 1973

No. CA/5/Dec/72/HAWELI/II/28/73-74.—Whereas, I G. KRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. C.S. No. 710B 710C BHAWANI PETH PETH POONA situated at Haveli Taluka Dist. Poona (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub Reg. Haveli II on 29-12-72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri A. V. Patel, Shri M. V. Patel, Shri V. V. Patel, and Shri C. V. Patel, 98, Mahatma Gandhi Road, Poona-1 (Transferor)
- (2) Smt. S. R. Parikh, 560, Sachapir Street, Poona-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

35—126 GI/73

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. No. 710B, 710C, Bhawani Peth, Plot No. 2 F.P. No. 382/383 921.13 sq. metres, in Haveli Taluka Poona II.

G. KRISHNAN
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date 22nd June 1973.

FORM INTS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/(C-III)/73-74.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2 situated at Nathu Ram Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 27th December, 1972, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Lal C. Verman, former resident of 2, Nathu Ram Friends Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Escorts Tractors Ltd., Escorts House, Roshnara Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All rights, title and interest in the bungalow on the plot No. 2, Nathuram Friends Colony Co-operative House Building Society Ltd. (Western side) New Delhi admeasuring 2250 sq. yards (approximately) together with the dwelling house constructed thereon along with all trees, shrubs, pathways and all other rights in the fittings, and fixtures connected with the said property including sanitary drinking water electric and lights and fans and electric domestic and all built-in furniture existing therein as also a tubewell.

Date : 25th June, 1973

Seal

*Strike off where not applicable

C. V. GUPTA.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG
Shillong, the 19th June 1973

Ref. No. A-1/GAU/AQN/281-82.—Whereas, I, Shri N. Pachuan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Patta No. 195 DAG No. 228 situated at Ulubari Town, Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup of Assam State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Gauhati on 18th Dec. 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Biswanath Mayer Paltonbazar, Gauhati. (Transferor)
- (2) Shri Sankarlal Choudhury Fancybazar, Gauhati. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 bighas of land in the Ulubari Town Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup of Assam State bearing Patta No. 195 Dag No. 228

Date : 19-6-73

Seal

*Strike off where not applicable

N. PACHUAU,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Shillong

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2, 123 MOUNT
ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 18th June 1973

Ref. No. F. 9/72-73/R-I.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the competent authority under Sec 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Part of Survey No. 15 measuring 7.58 acres of land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the re-

gistering officer at Saidapet, Madras on 16-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kumarasubramanian, 65A, Kutcheri Road, Madras-4. (Transferor)
- (2) V. G. P. Housing (P) Limited, 21, Dharmaraja Koil Street, Saidapet, Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 7.58 acres in Survey No. 15 of Injambakkam Village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

Date: 18th June, 1973

Seal

*Strike off where not applicable

A. RAGHAVENDRA RAO,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 18th June 1973

No. F. 10/72-73.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Survey No. 15 (Part) measuring 27.23 acres of land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at the Saidapet, Madras on 16-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Savithri Rajan, 54, M. K. A. Koil Street, Madras-4.—(Transferor)
- (2) V. G. P. Housing (P) Ltd., 21, Dharmaraja Koil Street, Saidapet, Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 18th June 1973

No. F.11/72-73.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Survey No. 15 (Part) measuring 7.57 acres of land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at the Saidapet, Madras on 16-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Dr. T. S. Subramaniam, 65-A, Kutcheri Road, Madras-4. (Transferor)
- (2) V. G. P. Housing (P) Ltd., 21, Dharmaraja Koil Street, Saidapet, Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land of 7.57 acres in Survey No. 15 of Injambakkam Village Saidapet Taluk, Chingleput District.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

*Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2,
Madras-6*

Date : 18th June, 1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 18th June 1973

No. F. 12/72-73.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Survey No. 15 (Part) measuring 24.24 acres of land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at the Saidapet, Madras on 16-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under—

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Parvathi Srinivasan, 34, M. K. A. Street, Madras-4. (Transferor)
- (2) V. G. P. Housing (P) Ltd., 21, Dharmaraja Koil Street, Saidapet, Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land of 24.24 acres in Survey No. 15 of Injambakkam Village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

A. RAGHAVENDRA RAO

*Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2,
Madras-6*

Date : 18th June, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 18th June 1973

No. J. 18/72-73.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Survey No. 15 (Part) measuring 7.57 acres of land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at the Saidapet, Madras on 16-12-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefor, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ramji Subramanian, 65-A, Kutcheri Road, Mylapore, Madras-4 (Transferor)
- (2) V. G. P. Housing (P) Ltd., 21, Dharmaraja Koil Street, Saidapet, Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land of 7.57 acres in Survey No. 15 of Injambakkam Village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

A. RAGHAVENDRA RAO

*Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2,
Madras-6*

Date : 18th June, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, VIDYANAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 22nd June 1973

No. 5/73-74/H.Acq.—Whereas, I. R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1331A/5 situated at Baad III Karwar Taluk North Kanara district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karwar on 19th December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (a) Shri Bhaskar Dattatraya Kasbekar
(b) Shri Prabhakar Dattatraya Kasbekar,
(c) Smt. Radhabai Mangesh Gandabeer,
(d) Smt. Shantabai Balachandra Wagale,
(e) Smt. Meera Ganapat Wagale,
(f) Smt. Sudhabai Sharad Wagale.,
(g) Smt. Laxmibai Dattatraya Kasabekar 4, Moti Mahal, Church Gate, Bombay-20 (Transferors)
- (2) (a) Shri Srinivas Keshav Vernekar Merchant, Chendia, Taluk Karwar, North Kanara District.
(b) Smt. Padmabai W/o Srinivas Vernekar, Chendia, Taluk : Karwar, North Kanara District. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable pro-

perty will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property consisting of two old houses, measuring approximately 42'×41' and 28'×18' having independent compound over the entire area and standing on a site measuring approximately 8.2 gunthas adjacent to the main road, situated at Baad III, Karwar Taluk, North Kanara District.

Date : 22nd June 1973

Seal.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Hubli)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 22nd June 1973

No. C-12/Cal-I/72-73.—Whereas, I. S. K. Chakraborty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Touzi No. 429 and 430 situated at Eastern Doors P.O. Kalchini, Dist. Jalpaiguri comprised under Mechpara and Bhatpara Tea Estate (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer The Registrar of Assurances No. 5, Government Place North Calcutta on 14th December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Imperial Tea Co. Ltd. (Transferor).
- (2) M/s. Bihariji Fibre & Tea Industries (P) Ltd. (Transferee).
- "(3) Shri Hari Prosad Nopany (Confirming Party).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All these Mechpara & Bhatpara Tea Estate bearing Touzi No. 429 and 430 covering an area of 2188.90 hectares more or less in Eastern Doors Dist. Jalpaiguri together with Tea bushes, building etc. as transferred by conveyance deed No. 6474 for 1972.

S. K. CHAKRABORTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 22nd June 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 25th June 1973

Ref. No. F.110/72-73.—Whereas I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 113-B, situated at Old Door No. 113-A, Arcot Road, No. 109 Puliyoor Village Kodambakkam, Madras-24, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R.I. Madras on 22nd December, 1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. S. Ranganathan S/o T. S. Vasudeva Iyengar, 2, Gopal Street, T. Nagar, Madras-17. (Transferee).
- (2) T. M. Jahabar Ali S/o Abdul Majeeth, 3, Rahu-
mania Street, Koothanallur, Tanjore District, (Transferee).
- *(3) 1. Hotel Anand, 2. Sharma & Co., 3. Petal-nut Shop & 4. Madarsa Provisions (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site superstructure and premises bearing Municipal Door No. 113-B, Old 113-A, Arcot Road, No. 109, Puliyoor Village Kodambakkam, Madras-24, Extent 3021 Sq. ft.

K. V. RAJAN,

Competent Authority

*Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-6,*

Date : 25th June 1973.

Seal :

(Strike off where not applicable).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

AMENDMENT TO THE NOTICE FOR THE INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE ETC., EXAMINATION, 1973.

New Delhi-110011, the 30th June 1973

No. F.1/15/72-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F.1/15/72-E.I(B), dated 10th March, 1973, relating to the Indian Administrative Service etc., Examination, 1973, published in the Gazette of India dated 10th March, 1973, the following amendments shall be made :—

- (i) In line 2 of item (ii) below the heading "(b) Class II Services" in para 1 of the Notice, the words and brackets "General Cadre (Section Officers' Grade)" shall be substituted for the words "General Cadre".
- (ii) Against item (iv) below the heading "(b) Class II Services", in para 2 of the Notice the figure and sign "10**" shall be substituted for the figure "10".
- (iii) In line 4 of 2nd sub-para of para 3 of the Notice the words "only and will" shall be substituted for the words "only, will".
- (iv) In line 7 of para 13 of Annexure II to the Notice, the word "direct" shall be substituted for the word "directed".

M. S. PRUTHI
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

NOTICE

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1974

F. 15/2/73-EI(B)

New Delhi, the 30th June 1973

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service—

will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, and TRIVANDRUM commencing on the 18th January, 1974 in accordance with the Rules published by the Cabinet Sectt. (Dep'tt. of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 30th June, 1973.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of vacancies in Grade IV of the two Services to be filled on the basis of this examination is given below :—

- | | |
|-------------------------------------|------|
| (i) The Indian Economic Service | .. 8 |
| (ii) The Indian Statistical Service | .. 4 |

The above numbers are liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

NOTE : A proportion of vacancies in the above mentioned Services has been reserved for Released Emergency Commissioned Officers and Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces after 1st November, 1962 but before 10th January, 1968 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned on or after that date; such reserved vacancies are not included in the number of vacancies indicated above. The reserved vacancies, if any, that may remain unfilled by the selection of Released Officers of the Armed Forces, may be filled on the basis of this competitive examination.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services, in accordance with the provisions of the Cabinet Sectt. (Dep'tt. of Personnel and Administrative Reforms) Notification No. 32/8/73-ESTT(E), dated 30th June, 1973. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If he wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preference when making appointments.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00, which should be remitted by Money Order, to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011, on or before the 27th August, 1973 accompanied by necessary documents in accordance with the instructions to candidates contained in Annexure II. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad and in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands will, however, be accepted up to the 10th September, 1973. (This is applicable to persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands from a date prior to 27th August, 1973.)

NOTE :—Candidates who send their applications or request for application forms at a late date will do so at their own risk.

6. THE PRESCRIBED FEE (SEE ANNEXURE I) SHOULD BE PAID BY INDIAN POSTAL ORDERS WITH THE APPLICATION.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM EAST-WHILE EAST PAKISTAN WHO MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY 1964 BUT BEFORE 25TH MARCH 1971 AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA AND SRI LANKA (FORMERLY KNOWN AS CEYLON) WHO MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JUNE 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY AND ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARAGRAPH 3 OF ANNEXURE I.

EACH POSTAL ORDER SHOULD INVARIABLY BE
CROSSED AS SHOWN BELOW :



AND COMPLETED AS FOLLOWS :

"PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE".

CANDIDATES MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE. FULL PARTICULARS OF POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED AGAINST COLUMN 32 OF THE APPLICATION FORM.

7. If any candidate who took the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service Examination held in January, 1973 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application by the prescribed date without waiting for the result, or an offer of appointment. If he is appointed on the results of the 1973 examination, his candidature for the 1974 examination will be cancelled on request, and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination, vide para 2 of Annexure I.

8. If after submitting his application a candidate wishes to withdraw his candidature for this examination, he must send his request to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him on or before 17th November, 1973. His candidature for the examination will then be cancelled and the fee will be refunded to him as indicated in para 2 of Annexure I.

No request for withdrawal of candidature received in the Commission's office after the date specified above will be entertained.

9. All communications in respect of an application should be addressed to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011, and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to. In all correspondence with the Union Public Service Commission concerning this examination, candidates should invariably subscribe their envelopes and correspondence with the words "INDIAN ECONOMIC SERVICE/ INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1974".

M. S. PRUTHI
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

FEE :

Candidates seeking admission to the examination must pay the following fee to the Commission with the completed application form :—

Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes).

This amount should be paid by means of CROSSED Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission. The Commission will not accept payment made otherwise.

2. No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided in paras 7 and 8 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection. If, however, a candidate who has paid the prescribed fee is either not admitted to the examination by the Commission or is allowed by them to withdraw his candidature in accordance with paras 7 and 8 of the Notice, a refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) will be made to him.

3. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in accordance with para 4 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, the attestation form and the acknowledgement card must be completed in the candidates' own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected. The completed application form, the attestation form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands, from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 5 of the Notice.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee, other than a casual or daily-rated employee, must submit his application through the Head of his Department or office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office for the prescribed fee (See Annexure I).
- (ii) Certificate of Age.
- (iii) Certificate of Educational Qualification.
- (iv) Three identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below :

(i) CROSSED Indian Postal orders for the prescribed fee,—

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be Crossed and filled in as follows :—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office.”

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 48.00 Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head “XXI—Miscellaneous Department Examination fees—Receipts of the Union Public Service Commission”. The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. The expression Matriculation Certificate in this part of the instructions must be understood as including these alternative certificates.

Candidates will thus understand that the Matriculation Certificate is required in all cases as evidence of age, and it must invariably be sent to the Commission, in original, with a copy thereof, together with the application.

Sometimes the Matriculation or equivalent Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the Matriculation or equivalent certificate, an original certificate together with a copy thereof, from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation or equivalent examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with the age shown in the Matriculation Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit with the original, a copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—Displaced persons, who have lost their original Matriculation Certificate in Pakistan, should obtain duplicate certificate from the University concerned. If they are unable to obtain the duplicate Matriculation Certificate from the University, they should submit an extract from the University Gazette in which their results were published showing their date of birth and certified by the Registrar or the Headmaster.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit a certificate or diploma, in original, with a copy thereof, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If such a certificate or diploma is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, in original, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, a certificate in original, with a copy thereof, from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the University certificate.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

(iv) *Three copies of Photograph*.—A candidate must submit three identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one each of which should be pasted on the first page of the application form and the first page of the attestation form respectively and the third copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 4(ii), 4(iii) and 4(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 4(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim a certificate, in original with a copy thereof, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*.....
 son/daughter* of of village/
 town* in District/Division*
 of the State/Union Territory* of
 belongs to the Caste/Tribe* which is
 recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under the
 Scheduled Castes and Scheduled Tribes
 Lists (Modification) Order 1956 read with the Bombay Re-
 organisation Act 1960 and the Punjab Reorganisation Act
 1966*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes
 Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled
 Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes
 Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes
 Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order
 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order
 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes
 Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes,
 Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or*
 his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*
 of District/Division*
 of the State/Union Territory* of

Signature
 **Designation
 (with seal of Office)

Place
 Date

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term “ordinarily reside(s)” used here will
 have the same meaning as in Section 20 of the
 Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/
 Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy
 Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipen-
 diary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional
 Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/
 Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magis-
 trate)

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Pre-
 sidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-divisional Officer of the area where the candi-
 date and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop-
 ment Officer (Laccadive and Minicoy Islands).

7. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan
 seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of
 Annexure I should produce a certificate in original, together
 with a copy thereof, from one of the following authorities to

show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile
 East Pakistan and had migrated to India on or after 1st
 January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the
 Dandakaranya Project or of Relief Camps in
 various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for
 the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee
 Rehabilitation, in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in
 his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West
 Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

He should also produce a certificate, in original, from a
 District Officer or a Gazetted Officer of Government or a
 Member of the Parliament or State Legislature to show that
 he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (for-
 merly known as Ceylon) seeking remission of the prescribed
 fee under paragraph 3 of Annexure I should produce, in
 original, together with a copy thereof, a certificate from the
 High Commission for India in Sri Lanka (formerly known
 as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has
 migrated to India on or after 1st November, 1964 under the
 Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also
 produce a certificate, in original, from a District Officer or
 a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliam-
 ent or State Legislature to show that he is not in a position
 to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking
 remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annex-
 ure I should produce, in original, together with a copy there-
 of the identity certificate issued to him by the Embassy of
 India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has
 migrated to India on or after 1st June, 1963, or a certificate
 from the District Magistrate of the area in which he may
 be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from
 Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
 He should also produce a certificate, in original, from a
 District Officer or a Gazetted Officer of Government or a
 Member of the Parliament or State Legislature to show that
 he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A displaced person from erstwhile East Pakistan
 claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii)
 should produce a certificate, in original, together with a copy
 thereof, from one of the following authorities to show that
 he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East
 Pakistan and had migrated to India on or after 1st January,
 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the
 Dandakaranya Project or of Relief Camps in various
 States.
- (2) District Magistrates of the area in which he may, for
 the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee
 Rehabilitation, in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in
 his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West
 Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(v) A candidate from the Union Territory of Pondicherry
 claiming age concession under Rule 5(b) (iv) should produce,
 in original together with a copy thereof, a certificate from
 the Principal of the educational institution he has attended
 to show that he has received education through the medium
 of French at some stage.

(vi) A candidate claiming age concession as a repatriate of
 Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon)
 under Rule 5(b) (v) or 5(b) (vi) should produce, in original,
 together with a copy thereof, a certificate from the High
 Commission for India in Sri Lanka (formerly known as
 Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has mig-

rated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(b)(vii) should produce a certificate, in original, together with a copy thereof, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(ix) A candidate disabled while in the Defence Services Indian origin from Burma under Rule 5(b) (viii) or 5(b) (ix), should produce in original, together with a copy thereof, the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(ix) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce, in original, together with a copy thereof a certificate, in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/ in a disturbed area" and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(x) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xii) or 5(b)(xiii) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

8. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

9. THE CERTIFICATES MENTIONED IN PARAGRAPHS 4(ii), 4(iii), 6, AND 7 ABOVE SHOULD INVARIABLY BE SENT IN ORIGINAL (WITH COPIES THEREOF). THE COMMISSION DO NOT ACCEPT ONLY COPIES OF THESE CERTIFICATES, WHETHER ATTESTED OR OTHERWISE.

THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES FORWARDED IN ACCORDANCE WITH PARAGRAPHS 4(ii), 4(iii), 6 AND 7 ABOVE WILL BE RETURNED WHEN THE RESULT OF THE APPLICATION IS COMMUNICATED. CANDIDATES ARE ADVISED TO KEEP ATTESTED COPIES OF THEIR CERTIFICATES BEFORE SUBMITTING THEM TO THE COMMISSION. THE COMMISSION CANNOT RETURN THE CERTIFICATES EARLIER THAN THE DATE OF COMMUNICATION OF

THE RESULT OF THE APPLICATION FOR WHATEVER PURPOSE THEY MAY BE REQUIRED, NOR CAN THEY SUPPLY ATTESTED COPIES.

If a candidate has already submitted the certificates required in paragraphs 4(ii), 4(iii), 6 and 7 above in connection with another examination conducted by the Union Public Service Commission and if they have not yet been returned to him, he should mention the fact when submitting his application, and if possible, enclose a copy of each certificate. If the certificates are not with the Commission, they should be sent with the application, irrespective of whether the candidate appeared at a previous examination conducted by the Commission or not. If a certificate cannot be submitted with the application, a reasonable explanation for its absence must be given with the application.

10. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

11. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

12. Every candidate for admission to this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

13. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the examinations held in previous years are on sale with the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi (110006), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14, Janpath Barracks 'A', New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

14. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Advertisement No. 26

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories, of displaced persons from erstwhile Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well-qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 x 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 30th July, 1973 (13th August, 1973 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 1 and 15 permanent. One post at S. No. 9 and post at S. No. 2 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 4, 6, 7, 10 and 13 temporary but likely to continue indefinitely. One post at S. No. 9 and posts at S. Nos. 3, 5, 8, 11, 12 and 14 temporary.

Two posts at S. No. 8 and one post at S. No. 9 reserved for Scheduled Castes candidates. 2 posts at S. No. 8 reserved for Scheduled Tribes candidates. Post at S. No. 2 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates. One post at S. No. 11 reserved for Scheduled Castes candidates and not to be treated as unreserved if no such suitable candidate is available. Post at S. No. 15 reserved for Scheduled Castes candidates but will be treated as unreserved if no suitable Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidate is available. Post at S. No. 6 reserved for Scheduled Castes candidates who alone need apply.

1. *One Controller of Insurance, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance).* Pay.—Rs. 2500—125/2—2750. Age Limit.—50 years. Qualifications.—Essential.—(i) Fellowship of the Institute of Actuaries, London. (ii) About 15 years' experience in Insurance matters in a responsible capacity of which at least 5 years should be in an administrative capacity either under Government or in an Insurance Company.

2. *One Assistant Director Grade I (Costing), Office of the Textile Commissioner, Bombay, Ministry of Foreign Trade.* Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Associate of the Institute of Chartered Accountants of India or Institute of Cost and Works Accountants of India or equivalent. (ii) Some experience of dealing with costing and financial problems.

3. *One Industries Officer in the Pre-Investment of Survey of Forest Resources, New Delhi, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Chemical Engineering or M. Technology in Chemical Technology with specialisation in Cellulose Tech-

nology of a recognised University or equivalent. (ii) About five years' experience in a paper mill or wood based industries.

4. *One Senior Scientific Officer Grade I, Department of Defence Production, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 700—50—1250. Age.—Preferably below 40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Degree in Metallurgy of a recognised University or equivalent. (ii) About 4 years' experience in casting/forging in ferrous alloys in a reputed firm or workshop and also experience in non-destructive tests.

5. *One Senior Research Officer, Planning Commission.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Metallurgy or Electro-Chemistry or Chemical Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in planning, design, operation and other aspects of non-ferrous metals industry.

6. *One Assistant Executive Engineer (Production), Production-cum-Training Centre, G. B. Pant Polytechnic, Okhla, New Delhi, Delhi Administration.* Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—45 years. Qualifications.—Essential.—Master's Degree in Mechanical/Production Engineering of a recognised University or equivalent. OR degree in Mechanical/Production Engineering of a recognised University with about one year's professional experience in Machine Workshop or Tool Room practice in a Workshop.

7. *One Senior Scientific Officer Grade II, Defence Research & Development Laboratory, Hyderabad, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's degree in Physics with Wireless as special subject/B.E. Telecommunication Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About two years' experience in design, development and fabrication of high frequency transmitters and receivers.

8. *Eight Farm Radio Officers, Directorate General All India Radio, Ministry of Information & Broadcasting.* Pay.—Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800—EB—35—900. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Agriculture from a recognised University/Institution or equivalent. (ii) About 5 years' experience of Agricultural Extension/Information work in Agricultural Departments of the Central/State Governments or Union Territories. (iii) Experience of preparation and processing of Agricultural information for popular presentation preferably through Radio Broadcasts.

9. *Two Assistant Entomologists, National Institute of Communicable Diseases, Directorate General of Health Services.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) M.Sc. degree in Zoology with Entomology of a recognised University or equivalent. (ii) At least 3 years' experience in teaching and/or research in the field of Medical Entomology/Malaria/Filaria research or Control.

10. *One Superintendent, Home for Male Beggars, Delhi Administration, Delhi.* Pay.—Rs. 425—25—500—30—680. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree from a recognised University or equivalent in a Social Science subject viz. Sociology, Economics, Anthropology etc. (ii) About 5 years' experience of Social Work including about 2 years' administrative experience in a supervisory post in any Government/Semi-Government/recognised institution OR (i) Master's Degree in Social Work or its equivalent qualification from a recognised University/Institution. (ii) About 3 years' experience of Social Work including about 2 years' experience in a supervisory post in any Government/semi-Government/recognised institution.

11. *Two Assistant Editors in the Journal Wing of the Legislative Department, Ministry of Law, Justice and Company Affairs.* Pay.—Rs. 900—50—1250. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Law of a recognised University or a member of the English Bar or an Attorney of a High Court or equivalent qualifications. (ii) Must have practised in a High Court in India for a continuous period of not less than seven years OR Must have held an office in a State Judicial Service or a post in the Law Department of a State on the Legislative side for a period of not less than

seven years *OR* Must have held a post in the Ministry of Law of the Central Government on the legislative side for a period of not less than seven years *OR* Must have held a teaching post in the Law Faculty of a recognised University for not less than seven years *OR* Must have at least seven years' experience in a responsible post in the editorial Department connected with Law Reports published in India or abroad *OR* Must have at least seven years' experience of statutory drafting or translation in Hindi of statutes/rules and regulations in the Central Government/A State Government, (iii) Should have high proficiency in Hindi and be able to translate and edit Supreme Court/High Court judgments in Hindi.

12. *One Senior Scientific Officer Grade 1, Armament Research and Development Establishment, Poona, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 700—50—1250. Age.—Preferably below 40 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) At least a Second Class Master's degree in Statistics/Mathematics/Operation Research, (ii) At least 4 years' experience in computer programming of which at least one year should have been in programming in any compiler language and 3 years of programming in machine language/Assembly language in design, development or modification work in translation and utility software.

13. *Four Superintending Anthropologists (Physical Anthropology Division), Anthropological Survey of India, Department of Culture.* Pay.—Rs. 700—50—1250. Age Limit.—40 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) Master's degree in Anthropology of a recognised University or equivalent, with evidence of specialisation in Physical Anthropology. (ii) 7 years' research experience in modern methods and techniques in the field of physical Anthropology. (iii) Evidence including published work of important contribution made in Physical Anthropology.

14. *One In-between Animator, Films Division, Ministry of Information and Broadcasting.* Pay.—Rs. 590—30—800. Age Limit.—45 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) Degree/Diploma in Commercial or Fine Art of a recognised University/Institute. (ii) About 5 years' experience of commercial Art or Fine art work.

15. *One Assistant Librarian (Preservation), National Library, Calcutta, Department of Culture.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900.

*Age Limit.—*35 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) Master's or equivalent Honours Degree of a recognised University. (ii) Degree or Diploma in Librarianship of a recognised University/Institution. (iii) About 5 years' experience in a responsible capacity in a Library of standing. (iv) Knowledge of technique of book preservation.

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1974

The Union Public Service Commission will hold a competitive examination commencing on 18th January, 1974 for recruitment to Grade IV of the following Services :—

- (i) Indian Economic Service; and
- (ii) Indian Statistical Service.

*Age limits.—*Candidates must have been born not earlier than 2nd January 1948 and not later than 1st January 1953. Upper age limit relaxable in favour of Scheduled Castes, Schedule Tribes and certain other categories of candidates specified in the Rules. *Qualifications.—Indian Economic Service—*Degree with Economics or Statistics as a subject. *Indian Statistical Service—*Degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject or certain other qualifications prescribed in the Rules.

Full particulars and application forms obtainable from Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Re. 1.00 by money order or on cash payment at the counter in Commission's office. *Candidates must state clearly on money order coupons "INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1974" and also give their names and full postal addresses in block letters.* Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders.

Completed applications must reach Union Public Service Commission by 27th August 1973 (10th September, 1973 for candidates residing abroad and in Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands).

M. M. THOMAS

Secretary
Union Public Service Commission